21 मार्च 2025
शुक्रवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

सेपकटकरा वर्ल्ड कप में भारत ने न्यूजीलैंड को 2-0 से हराया

2

प्रेमी के साथ रहने की चाहत में पति को मार डाला

भरोसे का कत्ल

सौरभ राजपूत ने साल 2021 में ही तलाक लेने का बना लिया था मन

एजेंसी/मेरठ

मेरठ के सौरभ राजपूत हत्याकांड में लगातार खुलासे हो रहे हैं। मुस्कान ने अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर पति सौरभ राजपूत की हत्या कर उसके पंद्रह टुकड़े किए फिर उसे सीमेंट के ड्रम में डाल कर प्रेमी के साथ शिमला मनाली घूमने चली गई। दोनों ने इस निर्ममता के साथ सौरभ की हत्या की, जिसको जानने के बाद हर किसी का कलेजा बैठ जा रहा है। सौरभ की हत्या के बाद साहिल ने धड़ को जिस बेड में रखा था उसी पर मुस्कान सोती रही।

पुलिस के सामने दिए बयान में मुस्कान और साहिन ने इस बात को कबूला कि साल 2024 के नवंबर में ही सौरभ की हत्या की साजिश रची गई थी। इसके लिए दोनों नवंबर में कई जगहों पर जाकर जानवरों को दबाने वाले स्थानों को भी देखा था। दोनों सौरभ को रास्ते से हटाकर एक साथ रहना चाहते थे। आखिरकार दोनों ने मिलकर इस घटना को अंजाम 4 मार्च को दे ही दिया। मुस्कान ने सौरभ की हत्या के लिए प्लानिंग करते हुए अपने

मुस्कान और उसका प्रेमी साहिल कक्षा 8 तक एक ही स्कूल में पढ़े। जिसके बाद दूसरे स्कूल में पढ़ने के लिए मुस्कान चली गई लेकिन 9वीं में एडमिशन लेने के बाद वो पास नहीं हो पाई। सौरभ से शादी के बाद दोनों की मुलाकात एक मॉल में हुई। जिसके बाद दोनों के बीच नजदीकी बढ़ने लगी। सौरभ के लंदन रहने के दौरान मुस्कान और साहिल को उसके मकान मालिक ने आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ लिया था। जिसकी जानकारी उन्होंने सौरभ को दी थी। तब सौरभ ने साल 2021 में ही तलाक लेने का मन बना लिया था, लेकिन दो साल की बच्ची को ध्यान में रखते हुए मामला शांत हो गया था। लेकिन अंजाम ये होगा यह किसी ने नहीं सोचा था।

आप को डॉक्टर के पास डिप्रेशन का मरीज बताकर नींद की दवा लिखवा लिया। दवा लेने के बाद मुस्कान ने गूगल पर नींद और नशे की गोली के प्रयोग के बारे में जानकारी ली। इसके साथ ही मुस्कान और साहिल ने चार चाकू खरीदे, जिससे की सौरभ की हत्या की जा सके। 3 मार्च की रात सौरभ के खाने में नींद की गोली मिलाकर मुस्कान ने खिला दिया। इसके बाद मौका देख मुस्कान ने साहिल को बुला लिया और फिर दोनों ने मिलकर सौरभ की हत्या कर दी। उसके बाद सौरभ की लाश को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर उसे ड्रम में डाल दिया फिर उसे सीमेंट से भर दिया। मुस्कान नौवीं फेल है। मुस्कान से उसकी मुलाकात साल 2016 में हुई थी। इसके बाद दोनों की बीच नजदीकियां बढ़ीं। दोनों एक-दूसरे से शादी करना चाहते थे लेकिन सौरभ के घरवाले बिलकुल भी तैयार नहीं थे। ऐसे में सौरभ ने घर वालों की बात को अनसुना करते हुए मुस्कान से शादी कर ली।

नित्यानंद राय के दो भांजों के बीच झड़प, एक की मौत

रिश्ते का कत्ल

नवगछिया एसपी प्रेरणा कुमार ने घटनास्थल पर पहुंचकर की जांच

केटी न्यूज/पटना

बिहार के नवगछिया में गुरुवार को केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय के दो भांजों के बीच मामूली विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। पानी के नल को लेकर शुरू हुई बहस ने ऐसा विकराल रूप ले लिया कि दोनों भाइयों ने एक-दूसरे पर गोलियां बरसा दीं। इस गोलीबारी में बड़े भाई विश्वजीत यादव की मौत हो गई, जबकि छोटा भाई जयजीत गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं, इस खौफनाक झगड़े के बीच आई मां को भी गोली लग गई, जो अस्पताल में भर्ती है।

जानकारी के मुताबिक, यह मामला नवगछिया अंतर्गत परबत्ता थाना क्षेत्र के जगतपुर गांव का है। यहां केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के दो भांजे विश्वजीत और जयजीत एक ही मकान में रहते थे। दोनों के पास खेती-बाड़ी है। गुरुवार को घर के नल के पानी को लेकर दोनों भाइयों के बीच बहस शुरू हुई, जो धीरे-धीरे मारपीट में बदल गई। इस झगड़े ने इतना उग्र रूप ले लिया कि जयजीत

नवगछिया एसपी प्रेरणा कुमार ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच की। उन्होंने बताया कि सुबह सूचना मिली कि परबत्ता थाना क्षेत्र के जगतपुर गांव में दो भाइयों में आपस में गोली चली है। इसके बाद तुरंत थाना प्रभारी घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। एसपी ने कहा कि प्रथम दृष्टया दिख रहा है कि दोनों के बीच नल को लेकर विवाद हुआ, जिसमें बात बढ़ गई। दोनों ने एक दूसरे को गोली मारी। मृतक का नाम विश्वजीत है। जयजीत घायल है। घटनास्थल से एक खोखा और एक गोली बरामद हुई है। स्थानीय निवासी प्रदीप कुमार ने कहा कि हम बाहर थे, जब घटना हुई तो इसकी जानकारी हमें दूसरे लोगों से मिली।

ने गुस्से में फायरिंग कर दी, जिसमें विश्वजीत को गोली लग गई। घायल अवस्था में उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी मौत हो गई। वहीं, जयजीत को भी झगड़े के दौरान गोली लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों भाइयों के बीच हो रही लड़ाई में उनकी मां हिना देवी बीच-बचाव करने आईं, लेकिन उन्हें भी हाथ में गोली लग गई। घटना की सूचना मिलते ही परबत्ता थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जयजीत और हिना देवी को इलाज के लिए भागलपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने विश्वजीत के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक और आरोपी दोनों केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के भांजे होने के कारण मामला हाई-प्रोफाइल हो गया है। परिवार के सदस्य बेहद गमगीन हैं और मीडिया से बात करने से बच रहे हैं।

खबरें फटाफट

महाराष्ट्र में गौ तस्करों पर होगी मकोका के तहत कार्रवाई

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में गौ तस्करी को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने का ऐलान किया है। महाराष्ट्र विधानसभा में गुरुवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इसको लेकर एक अहम घोषणा की है। उन्होंने कहा कि गौ तस्करी के आरोपियों पर मकोका के तहत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि मकोका जैसे सख्त कानून से गौ तस्करी के आरोपियों को कड़ी सजा मिलेगी। विधानसभा में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि अगर कोई आरोपी बार-बार गौ तस्करी के आरोप में पकड़ा जाता है तो उसके खिलाफ महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार गौ तस्करी पर कड़ी नजर रख रही है। इस अपराध को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। आपको बता दें कि पिछले साल ही महाराष्ट्र में गाय को राज्यमाता का दर्जा दिया गया है। सीएम ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति बार-बार गौ तस्करी में संलिप्त पाया जाता है, तो उसके खिलाफ मकोका जैसे सख्त कानून का उपयोग किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ पुलिस को मिली बड़ी सफलता, 30 नक्सलियों के शव बरामद

बीजापुर और कांकेर में पुलिस के साथ मुठभेड़ में 30 नक्सली ढेर, 1 जवान शहीद

- भारी मात्रा में गोला बारूद बरामद
- बीजापुर में 26 और कांकेर में 4 नक्सलियों को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान मार गिराया

एजेंसी/रायपुर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के गंगालुर थाना क्षेत्र में गुरुवार तड़के पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। बीजापुर पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि बीजापुर जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के एक जवान का बलिदान हो गया है। बीजापुर में नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में 26 नक्सली मारे गए हैं। वहीं, दूसरी और कांकेर में जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें चार नक्सली मारे गए। सभी 30 नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। हथियार और गोला-बारूद बरामद हुए हैं। बीजापुर और दंतेवाड़ा की सीमा के पास थाना गंगालुर क्षेत्रान्तर्गत माओवादी विरोधी अभियान पर संयुक्त टीम निकली थी। अभियान के दौरान गुरुवार सुबह 7 बजे से माओवादियों और सुरक्षाबलों के बीच फायरिंग शुरू हो गई। मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद के साथ

26 नक्सलियों के शव बरामद हुए हैं। वहीं, दूसरी तरफ मुठभेड़ में बीजापुर डीआरजी के एक जवान का बलिदान हो गया है। मुठभेड़ के बाद तलाशी अभियान जारी है।

बीजापुर जिले के पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि गंगालूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत अण्ड्री गांव के जंगल में माओवादियों की उपस्थिति की सूचना पर नक्सल विरोधी अभियान में बीजापुर जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), बस्तर फाइटर, एसटीएफ और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों को रवाना किया गया था। यादव ने बताया कि अभियान के दौरान सुबह लगभग सात बजे से सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई, जो शाम तक रूक-रूक कर चलती रही।

उन्होंने बताया कि मुठभेड़ समाप्त होने के बाद जब सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ स्थल की तलाशी ली तब वहां से 26 वर्दीधारी माओवादियों का शव, बड़ी संख्या में एके 47 राइफल, इंसास राइफल, .303 राइफल, रॉकेट लांचर, बैरल ग्रेनेड लांचर और भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किया गया। अधिकारी ने कहा कि मुठभेड़ में बीजापुर डीआरजी के जवान राजू ओयम की भी मौत हो गई। कांकिर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ईंदिरा कल्याण एलेसेला ने बताया कि कांकिर और नारायणपुर जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में माओवादियों की उपस्थिति की सूचना पर डीआरजी कांकिर, बस्तर फाईटर्स और सीमा सुरक्षाबल के जवानों को नक्सल विरोधी अभियान में रवाना किया गया था

अगले साल 31 मार्च से पहले नक्सलमुक्त होगा देश: शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि नक्सलमुक्त भारत अभियान की दिशा में आज हमारे जवानों ने एक और बड़ी सफलता हासिल की है। छत्तीसगढ़ के बीजापुर और कांकेर में हमारे सुरक्षाबलों के दो अलग-अलग ऑपरेशन्स में 30 नक्सली मारे गए। मोदी सरकार नक्सलियों के खिलाफ रुथलेस अप्रोच से आगे बढ़ रही है और समर्पण से लेकर समावेशन की तमाम सुविधाओं के बावजूद जो नक्सली आत्मसमर्पण नहीं कर रहे, उनके खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है। अगले साल 31 मार्च से पहले देश नक्सलमुक्त होने वाला है। वहीं छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णु दत्त सोय ने कहा कि दो अलग-अलग ऑपरेशनों के बाद, कांकेर और बीजापुर में 26 नक्सलियों के शव मिले हैं। हम अपने सुरक्षा बलों के प्रयासों की सराहना करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री का भी यह संकल्प है कि 31 मार्च, 2026 तक नक्सलवाद को खत्म कर दिया जाए। हमें विश्वास है कि उनका संकल्प पूरा होगा। यह डबल इंजन सरकार का लाभ है।

संसद में डीएमके सांसदों के नारे लिखे टी-शर्ट पहनने पर हंगामा

एजेंसी/नई दिल्ली

गुरुवार को संसद का माहौल एक बार फिर गर्म रहा। लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही डीएमके सांसदों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। कुछ सदस्य नारेबाजी करने लगे और नारा लिखे टी-शर्ट पहनकर सदन में पहुंचे, जिस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि संसद गरिमा और मर्यादा से चलती है और सदस्यों को नियमों का पालन करना चाहिए।

अध्यक्ष ने कहा कि अगर कोई सदस्य नारे वाली टी-शर्ट पहनकर आएगा और नारेबाजी करेगा तो सदन नहीं चलेगा। उन्होंने कहा, 'टी-शर्ट खोलकर आएंगे तो सदन चलेगा। आपत्ति के बाद भी हंगामा बढ़ता देख स्पीकर ने लोकसभा की कार्यवाही 12 बजे तक स्थगित कर दी। 12 बजे कार्यवाही दोबारा शुरू हुई लेकिन हंगामे को देखते हुए कार्यवाही को शुरू होते ही दोबारा स्थगित कर दिया गया। सदन की कार्यवाही 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि नारेबाजी और अनुशासनहीनता को सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने विपक्षी सांसदों को नसीहत दी कि सदन में मयार्दा बनाए रखें। लोकसभा में जैसे ही कार्यवाही दोबारा शुरू हुई, विपक्षी सांसदों ने फिर नारेबाजी शुरू कर दी। पीठासीन अधिकारी कृष्ण प्रसाद तेनेटी ने सदस्यों से नियम 249 पढ़ने की सलाह दी, लेकिन विरोध जारी रहा। हंगामे को देखते हुए कार्यवाही पहले 12 बजे तक और फिर 2 बजे तक स्थगित कर दी गई। सिर्फ लोकसभा ही नहीं, बल्कि राज्यसभा में भी हंगामे के कारण कार्यवाही को रोकना पड़ा। सभापति ने सभी दलों के फ्लोर लीडर्स की बैठक बुलाई है ताकि संसद की कार्यवाही सुचारू रूप से चल सके।

16वें वित्त आयोग की बैठक में बोले सीएम नीतीश... 2005 से राज्य में लगातार हो रहे विकास के काम

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को पटना स्थित मुख्यमंत्री सचिवालय के 'संवाद' में आयोजित 16वें वित्त आयोग की बैठक में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया और अन्य सदस्यों का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में 16वें वित्त आयोग का आना गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि डॉ. पनगढ़िया नालंदा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी हैं, जिससे वे बिहार की सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों से भली-भांति परिचित हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2005 से सरकार ने कानून व्यवस्था और विकास के क्षेत्र में लगातार काम किया है। उन्होंने कहा कि पहले लोग शाम के बाद घरों से बाहर निकलने में डरते थे, लेकिन अब राज्य में शांति और सुरक्षा का माहौल है। उन्होंने बताया कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकार ने कई योजनाएं चलाईं, जिनमें पोशाक योजना और साइकिल योजना प्रमुख हैं। इसके अलावा, अस्पतालों में मुफ्त इलाज और दवा की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में सड़कों, पुलों और एलिवेटेड रोड का निर्माण बड़े पैमाने पर हुआ है। हर घर में बिजली पहुंचाने का लक्ष्य भी पूरा कर लिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि पंचायती राज और नगर निकायों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है।

नागपुर हिंसा... सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर 140 से अधिक पोस्ट व वीडियो की हुई पहचान

एजेंसी/नागपुर

नागपुर में हुई हिंसा के बाद महाराष्ट्र साइबर विभाग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर 140 से अधिक पोस्ट और वीडियो की पहचान की है। जिनसे आपत्तिजनक सामग्री शेयर की गई थी। जिनका उद्देश्य सांप्रदायिक अशांति भड़काना था। एक अधिकारी के अनुसार, ये वीडियो और पोस्ट फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स (ट्विटर) और यूट्यूब पर अपलोड किए गए थे। हिंसा को बढ़ाने में शामिल इन सोशल मीडिया अकाउंट को सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 की धारा 79(3) के तहत नोटिस जारी किए गए हैं ताकि इस तरह की सामग्री को तुरंत हटाया जा सके। इसके अलावा, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 94 के तहत भी नोटिस जारी किए गए हैं, जिससे इन सोशल मीडिया अकाउंट्स के वास्तविक संचालकों की पहचान की जा सके। महाराष्ट्र साइबर विभाग नागपुर सिटी साइबर पुलिस स्टेशन के साथ मिलकर उन अकाउंट्स की पहचान कर रहा है जो नागपुर दंगों से जुड़ी भड़काऊ सामग्री को फैलाने में शामिल थे।

इस साल करीब एक करोड़ श्रद्धालु कर सकते हैं चारधाम यात्रा, चल रही विशेष तैयारी

30 अप्रैल से होगी चार धाम यात्रा, रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू

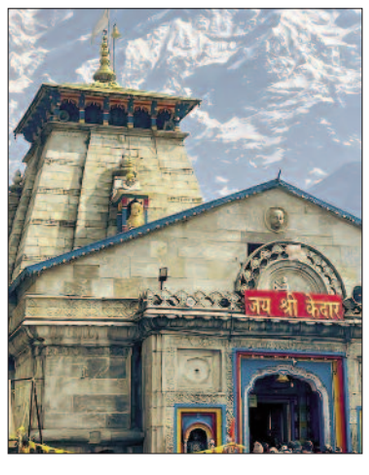

एजेंसी/नई दिल्ली

चार धाम यात्रा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया गुरुवार सुबह 7 बजे से शुरू हुई। दोपहर 1 से 2 बजे तक करीब 60,000 हजार लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया। पर्यटन सचिव का कहना है कि इस बार यात्रा को भव्य और सुरक्षित बनाने के लिए राज्य सरकार विशेष तैयारी कर रही है। माना जा रहा है कि इस साल 80 से 90 लाख या फिर एक करोड़ श्रद्धालु चारधाम यात्रा कर सकते हैं। इसे देखते हुए सरकार सुरक्षा, परिवहन और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर गंभीरता से काम कर रही है। पर्यटन सचिव ने बताया कि तीर्थ यात्रियों की सुरक्षा के लिए ऑनलाइन ट्रैकिंग की व्यवस्था की जा रही है, ताकि उनकी स्थिति पर नजर रखी जा सके। उन्होंने कहा कि यात्रा मार्ग पर वाहनों की सुचारु आवाजाही के लिए अस्थायी पार्किंग, बस स्टॉप और शटल सेवाएं शुरू की जा रही हैं। संभावित आपदाओं से निपटने के लिए एसडीआरएफ और पुलिस की टीमें यात्रा मार्गों पर तैनात रहेंगी।

बता दें कि चारधाम यात्रा के शुभारंभ में अभी लगभग 40 दिन का समय है, लेकिन सरकार ने अपनी तैयारियां पहले से ही शुरू कर दी हैं। 30 अप्रैल से चार धाम यात्रा 2025 की शुरूआत होने जा रही है। 30 अप्रैल को गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट खुलेंगे। इसके बाद, केदारनाथ धाम के कपाट 2 मई (प्रातः 7 बजे) और बद्रीनाथ धाम के कपाट 4 मई को खुलेंगे। पिछले साल यात्रा के दौरान मसूरी कैंपटी रोड पर ट्रैवलर वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाना पड़ा था। इसके अलावा, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में अधिक संख्या में वाहनों के पहुंचने से अव्यवस्था फैल गई थी। इससे यात्रियों को जाम की परेशानी झेलनी पड़ी थी। कटापत्थर चेकपोस्ट पर जल और अन्य सुविधाओं के अभाव में तीर्थयात्रियों ने हंगामा किया था। यात्रा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी के लिए संपर्क करें। टोल फ्री नंबरः 0135-1364, फोन नंबरः 0135-2559898, 0135-2552627

सेपकटकरा वर्ल्ड कप में भारत ने न्यूजीलैंड को 2-0 से हराया

- बिहार पहली बार कर रहा सेपकटेकरा वर्ल्ड कप की मेजबानी
- पाटलिपुत्रा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में सीएम नीतीश ने किया विश्व कप का उद्घाटन

केटी न्यूज/पटना

सेपकटकरा वर्ल्ड कप का आगाज हो चुका है। बिहार पहली बार इस खेल की मेजबानी कर रहा है। पाटलिपुत्रा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में सीएम नीतीश कुमार ने विश्व कप का उद्घाटन किया। सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि सेपकटाकरा वर्ल्ड कप की मेजबानी बिहार के लिए बहुत गर्व की बात है। इधर, पहले मैच को देखने के लिए दर्शक काफी उत्साहित दिखे। पहला मैच इंडिया और न्यूजीलैंड के बीच हुआ। भारत की टीम ने शुरूआत से ही आक्रामक तेवर दिखाते हुए बढ़त बना ली थी। भारतीय टीम ने पूरे खेल में अपनी बढ़त बनाए रखी। जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए पिछले बार की विजेता टीम न्यूजीलैंड को 2-0 से हरा दिया। वहीं खेल मंत्री ने कहा कि राज्य में खेल और खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध बिहार सरकार के निरंतर प्रयास से आज बिहार खेल की दिशा में नई ऊंचाईयों को छू रहा है। आज गांव गांव तक खेल आंदोलन पहुंच चुका है तथा गांव की प्रतिभा का चयन कर उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी के रुप में तैयार किया जा रहा है। इस वर्ल्ड कप के बिहार में आयोजन से ना सिर्फ बिहार के खिलाडियों का मनोबल बढ़ेगा बल्कि खेल के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय स्तर बिहार की छवि और सुदृढ़ होगी।

बता दें कि बिहार में पहली बार सेपकटाकरा वर्ल्ड कप का आयोजन पटना के पाटलिपुत्र खेल परिसर में 20 से 25 मार्च तक किया जा रहा है। इस वर्ल्ड कप में विश्व के 20 देश हिस्सा ले रहे हैं तथा 300 से ज्यादा खिलाडियों और प्रशिक्षकों की भागीदारी इसमें है। जापान, म्यांमार, थाईलैंड, मलयेशिया, ईरान, वियतनाम, भारत, ब्राजील, पोलैंड, फ्रांस, नेपाल, श्रीलंका, न्यूजीलैंड, यूएसए, सिंगापुर, स्विट्जरलैंड, इंडोनेशिया, इटली, चीनी ताइपे. की टीमों के बीच मुकाबला होगा।

मिठाई दुकान हरिलाल के गोदामों में छापा

पटना। पटना के मशहूर मिठाई दुकान हरिलाल के गोदामों में गुरुवार को आयकर विभाग ने छापेमारी की। यह छापेमारी बुद्धा कॉलोनी थाना क्षेत्र के वालदवीन स्कूल स्थित गोदाम में हुई थी। छापेमारी के दौरान पुलिस उस समय हैरान रह गई जब पुलिस को रुपये के जगह दर्जनों विदेशी शराब की बोतलें नजर आई। फिलहाल कार्रवाई की जा रही है। जांच करने आये बुद्धा कॉलोनी थाना पुलिस के अधिकारी ने बताया कि छापेमारी के दौरान शराब की कुछ बोतलें बरामद की गई हैं। पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि सात लीटर शराब बरामद किया गया है।

आ रहे हैं अमित शाह, दिल्ली के बाद बिहार फतह करने की तैयारी

केटी न्यूज/पटना

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी गतिविधियां तेज हो गई हैं। दिल्ली में शानदार जीत दर्ज करने के बाद अब बीजेपी ने बिहार फतह करने की तैयारी शुरू कर दी है। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए शाह की एंट्री बिहार में होने जा रही है। माना जा रहा है कि वे 29-30 मार्च को बिहार दौरे पर रहेंगे। लोकसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत के बाद शाह का यह दौरा राजग में एकजुटता का संदेश देने के लिए अहम माना जा रहा है। दो दिवसीय दौरे के दौरान अमित शाह बिहार में भाजपा और सहयोगी दलों के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर राजनीतिक हालात की समीक्षा करेंगे। सूत्रों के अनुसार, शाह के बिहार दौरे के कार्यक्रमों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इस दौरान वे राजग को एकजुट होकर चुनाव लड़ने और एक-दूसरे के लिए प्रचार करने पर जोर देंगे। लोकसभा चुनाव के दौरान बिहार से लेकर आंध्र प्रदेश तक राजग के घटक दलों ने मिलकर प्रचार किया था।

पुल शुरू होने से दक्षिण व उत्तर बिहार के बीच की दूरी होगी कम

पटना वैशाली पुल से झारखंड से नेपाल पहुंचना होगा आसान

- नए पुल के बन जाने से पटना के गांधी सेतु, जेपी सेतु और राजेंद्र पुल पर ट्रैफिक का दबाव होगा कम
- यात्रा में लगने वाला समय व ईंधन दोनों की होगी बचत

केटी न्यूज/पटना

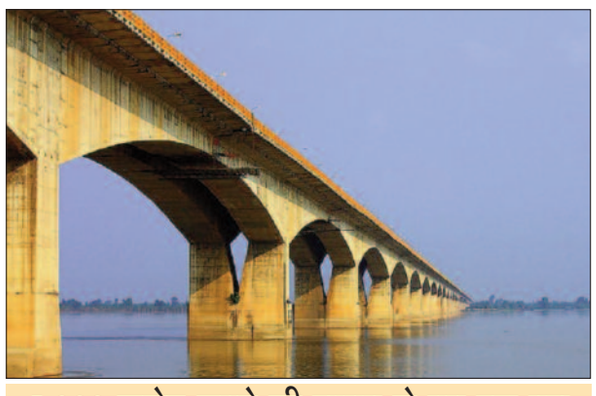

5,000 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा पुल

पटना और वैशाली के बीच गंगा नदी पर बन रहा कच्ची दरगाह-बिदुपुर सिक्स लेन केबल ब्रिज जल्द तैयार हो जायेगा। इसे इस साल पूरा कर लिया जाएगा। इस पुल के चालू होने से दक्षिण और उत्तर बिहार के बीच की दूरी 60 किलोमीटर तक कम हो जाएगी, जिससे यात्रा सुगम होगी और यातायात जाम की समस्या में कमी आएगी। इसके अलावा, यह पुल राघोपुर दियारा क्षेत्र को सड़क संपर्क प्रदान करेगा, जिससे वहां के निवासियों को काफी लाभ मिलेगा।

इस पुल के निर्माण से झारखंड से नेपाल बॉर्डर तक पहुंचना भी पहले से अधिक सुविधाजनक हो जाएगा। वर्तमान में पटना के गांधी सेतु, जेपी सेतु और राजेंद्र पुल पर भारी ट्रैफिक के कारण जाम की समस्या बनी रहती है, लेकिन इस नए पुल से इन पुलों पर वाहनों का दबाव कम होगा और लोगों को ट्रैफिक जाम से राहत मिलेगी। पटना के कच्ची दरगाह से वैशाली जिले के बिदुपुर तक यह सिक्स लेन केबल पुल नवादा, मुंगेर और नालंदा से आने वाले वाहनों को उत्तर बिहार जाने के लिए पटना आने की जरूरत को खत्म कर देगा। इससे यात्रा में लगने वाला समय और ईंधन दोनों की बचत होगी। साथ साथ पैसों की भी बचत हो सकेगी।

यह पुल लगभग 5,000 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा है, जिसकी कुल लंबाई 19 किलोमीटर से अधिक होगी, जिसमें मुख्य पुल की लंबाई 9.76 किलोमीटर होगी। इसे 67 पायों पर केबल के सहारे खड़ा किया जा रहा है, जिसमें दो पायों के बीच की दूरी 160 मीटर रखी गई है। मानसून और बाढ़ के दौरान अधिकतम जलस्तर को ध्यान में रखते हुए इसकी ऊंचाई लगभग 13 मीटर निर्धारित की गई है, जिससे बाढ़ के समय भी पुल पूरी तरह सुरक्षित और मजबूत रहेगा।

राघोपुर दियारा को मिलेगा सड़क संपर्क: राघोपुर दियारा क्षेत्र अभी तक सड़क मार्ग से अच्छी तरह जुड़ा नहीं है, लेकिन इस पुल के माध्यम से वहां के लोगों को पटना और अन्य शहरों तक बेहतर सड़क संपर्क अब मिलेगा। इस पुल को बख्तियारपुर फोरलेन और आमस-दरभंगा नई फोरलेन सड़क से भी जोड़ा जाएगा, जिससे व्यापार और यात्रा में बढ़ावा मिलेगा।

राज्य के विकास में अहम भूमिका: यह आधुनिक तकनीक से निर्मित पुल न केवल मजबूत और आकर्षक होगा, बल्कि बिहार के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

पटना के छह प्रखंडों में आहर पईन की योजनाओं को मंजूरी

केटी न्यूज/पटना

लघु जल संसाधन विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में पटना जिले के 6 प्रखंडों में आहर-पईन की योजनाओं को मंजूरी दी है। इन पर कुल 2088.69 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इससे 4,054 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई की सुविधा मिलेगी।

मसौढ़ी: चकिया चिथौल पईन योजना: 142.58 लाख रुपये की लागत से 240 हेक्टेयर में सिंचाई सुविधा।

दौलतपुर भुजौर पईन योजना: 168.03 लाख रुपये की लागत से 400 हेक्टेयर में सिंचाई सुविधा।

लहसुना पईन योजना: 269.51 लाख रुपये की लागत से 507 हेक्टेयर में सिंचाई सुविधा।

पुनपुन: पंवार पईन योजना: 181.34 लाख रुपये की लागत से 388 हेक्टेयर में सिंचाई सुविधा।

लखनपार अकौना पईन योजना: 264.24 लाख रुपये की लागत से 464 हेक्टेयर में सिंचाई सुविधा।

दनियावां: एतवारीटोला एरई पईन योजना: 212.28 लाख रुपये की लागत से 383 हेक्टेयर में सिंचाई सुविधा।

खरमैया पईन योजना: 132.98 लाख रुपये की लागत से 220 हेक्टेयर में सिंचाई सुविधा।

खुसरूपुर: चुहरमल स्थान चौरा पईन योजना: 93.48 लाख रुपये की लागत से 168 हेक्टेयर में सिंचाई सुविधा।

पालीगंज: ढोकहरा करौती आहर पईन स्लूईस गेट योजना: 337.69 लाख रुपये की लागत से 725 हेक्टेयर में सिंचाई सुविधा।

धनरूआ: सांडा पईन योजना: 286.59 लाख रुपये की लागत से 559 हेक्टेयर में सिंचाई सुविधा।

बिहार दिवस के मौके पर पटना में होगा ऐतिहासिक कार्यक्रम

पटना। बिहार दिवस 2025 का आयोजन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा 22 मार्च को किया जाएगा। इस दौरान पटना के विभिन्न स्थानों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम किए जाएंगे, जिनमें नुक्कड़ नाटक, कला प्रदर्शनी और विशेष कार्यशालाएं शामिल होंगी। गांधी मैदान में होने वाले इस कार्यक्रम की थीम उन्नत बिहार होगी, जिसमें महिला सशक्तिकरण पर आधारित नाटकों का मंचन किया जाएगा। यह नाटक समानता और महिला सशक्तिकरण का संदेश देगा।

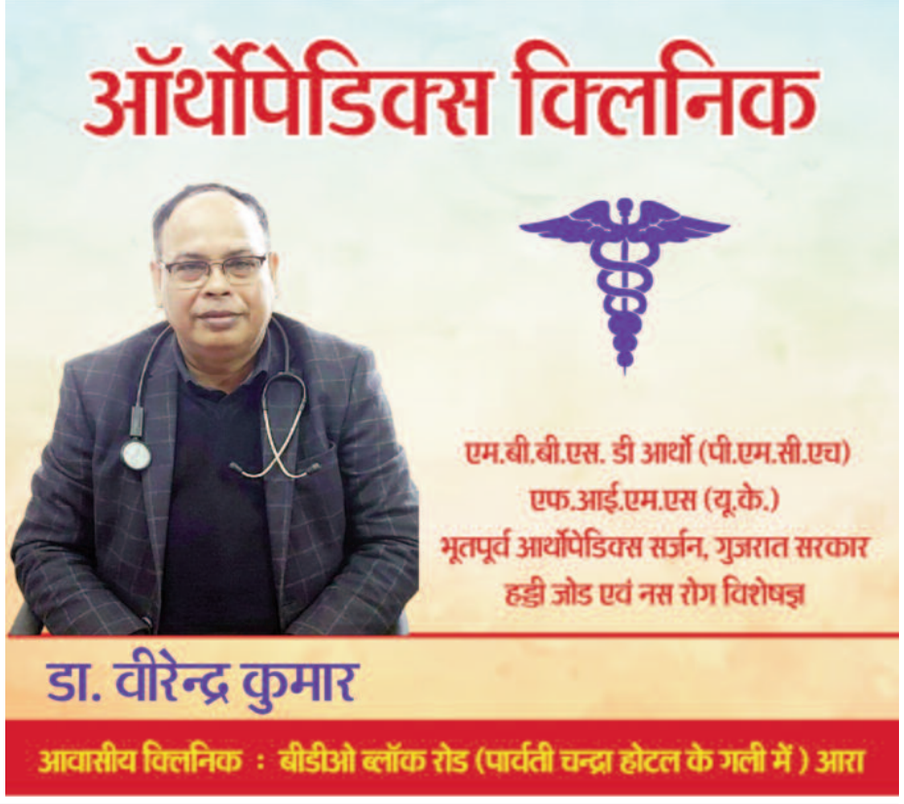

कुरकुरे गोदाम में लगी आग, एक लाख का नुकसान

डुमरांव। गुरूवार की शाम डुमरांव थाना क्षेत्र के सफाखाना रोड़ स्थित एक निजी मकान में कुरकुरे के गोदाम में भीषण आग लग गयी। इसमें भारी नुकसान की घटना बातें सामने आई है। घटना की सूचना मिलते ही अग्निशामक दल की गाड़ी मौके पर पहुंची आग पर काबू पाने पाने में जुट गयी। मकान मालिक सह व्यवसायी अशोक कुमार ने बताया कि दुर्घटना की आशंका बिजली की शॉर्ट सर्किट से हुई है। जिसमें लगभग एक लाख रुपए से अधिक किमत की कुरकुरे जलने से राख हो गया।

रामजी राम हत्याकांड: पत्नी ने पांच के खिलाफ दर्ज कराया एफआईआर, तीन गिरफ्तार

♦ पत्नी का आरोप पहले दी थी हत्या की धमकी, फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी तेज

केटी न्यूज/डुमरांव

पुराना भोजपुर के रामजी राम हत्याकांड में पत्नी शोभा देवी ने एक ही परिवार के पांच लोगों को नामजद करते हुए नया भोजपुर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि फरार चल रहे दो आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

बता दें कि बुधवार की देर शाम पुराना भोजपुर दलित बस्ती निवासी रामजी राम धुआं सुलगा रहा था, जिसका विरोध पड़ोसियों ने किया तथा इसी बात पर उपजे विवाद में पड़ोसियों ने पटक-पटक व लात घूसों से पिट उसकी निर्मम हत्या कर दी।

इस मामले में उसकी पत्नी ने झलकू राम, उसके पिता लालमुनी राम, माता प्रमिला देवी, लालमुनी के भाई साधु राम व उसकी पत्नी धर्मशीला देवी को नामजद किया है। पुलिस ने झलकू, प्रमिला व लालमुनी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि साधु राम तथा उसकी पत्नी धर्मशीला देवी फरार हो गए है। जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

पुलिस को दिए आवेदन में मृतक की पत्नी ने इस बात का जिक्र किया है कि आरोपित अपराधिक प्रवृति के है तथा उनपर पूर्व में भी डकैती का मामला दर्ज है। वहीं, उसने इस बात का जिक्र भी किया है कि तीन दिन पूर्व झलकू ने मेरे पति की हत्या करने की धमकी दी थी। दूसरी तरफ इस घटना के बाद से गांव में गुटीय तनाव कायम है। हालांकि, पुलिस की सक्रियता से स्थिति नियंत्रित है। नया भोजपुर थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि पुलिस इस मामले को काफी गंभीरता से ले रही है। अबतक तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है, फरार चल रहे दो आरोपितों को शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पति की हत्या से बदहवास है शोभा : घटना के बाद से मृतक रामजी राम की पत्नी शोभा बदहवास हो गई है। बता दें कि उसका इकलौता पुत्र कोरोना की भेंट चढ़ चुका है, जबकि घर में उसके अलावे सिर्फ एक जवान बेटी बची है। जिसकी शादी की चिंता के साथ ही दो वक्त की रोटी की समस्या भी अब उसके समक्ष खड़ी हो गई है। यहीं, कारण है कि घटना के बाद से उसके आंसू नहीं थम रहे है। वहीं, ग्रामीणों का कहना है कि मृतक बकरी पालन व मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करता था, लेकिन उसकी हत्या के बाद अब उसकी विधवा व बेटी के समक्ष चुनौतियों का पहाड़ खड़ा हो गया है।

काला दिवस पर प्रभावित किसानों व मजदूरों ने निकाला प्रतिरोध मार्च, लगाया आरोप

बिजली कंपनी से मिल किसानों एवं मजदूरों का हक मार रहा है प्रशासन

♦ कलेक्ट्रेट के समक्ष आक्रोशित किसान व मजदूरों ने दिया धरना

केटी न्यूज/बक्सर

भावित किसान खेतिहर मजदूर मोर्चा, चौसा एवं संयुक्त किसान मोर्चा के तत्वावधान में गुरुवार को हुए उत्पीड़न के खिलाफ जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन एवं धरना दिया गया। यह विदित है कि जिला प्रशासन द्वारा हुए सुनियोजित साजिश के तहत बनारपुर, कोचाढी एवं मोहनपूरवा गांव में सैकड़ों पुलिस को लेकर आतंकी की तरह हुई बर्बरतापूर्ण हमला हुआ था।

इसके खिलाफ आज काला दिवस मनाया गया तथा विशाल प्रतिरोध मार्च निकाला गया। मार्च बक्सर के किला मैदान से जिला समाहरणालय पहुंचकर विराट धरने में तब्दील हो गया। सभा की अध्यक्षता प्रभावित किसान खेतिहर मजदूर मोर्चा चौसा बक्सर के अध्यक्ष राम प्रवेश यादव ने की और मंच संचालन डा. विजय नारायण राय ने किया किया ।

रैली का नेतृत्व भारतीय किसान यूनियन बिहार प्रदेश प्रभारी दिनेश कुमार तथा ऑल इण्डिया किसान सभा के राष्ट्रीय सचिव अशोक प्रसाद सिंह ने किया और रैली को संबोधित किया। रैली को संबोधित करते हुए भारतीय किसान यूनियन के नेता दिनेश कुमार ने कहा कि आज किसानों की देय सुविधाओं से वंचित किया जा रहा है। चौसा थर्मल पावर निर्माण में हो रही लूट ऐसे ही जारी रहा तो इसके परिणाम गंभीर होंगे। मजदूरों के नाम पर आवंटित राशि को किसानों को और किसानों को मिलने वाली राशि को भ्रष्ट अफसर और चोर कंपनियां लूट रही है। किसानों के उत्पीड़न के गुनहगार अफसर के खिलाफ आज तक प्राथमिकी दर्ज नहीं होना यह साबित करना है कि इसके पीछे सत्ता का समर्थन है। बक्सर एवं इसके आसपास के क्षेत्रों में इन्हीं भ्रष्ट अफसरों के चलते भाजपा ओर एनडीए का खाता नहीं खुला था और यही स्थिति रही तो आने वाले विधानसभा चुनाव में इनके कुल में कोई रोने वाला नहीं बचेगा।

स्वामी सहजानंद सरस्वती देश के सबसे बड़े किसान नेता थे : राष्ट्रीय सचिव अशोक प्रसाद सिंह ने कहा कि किसानों के संघर्ष के कारण रेल कोरिडोर एवं वाटर पाईपलाइन का रुट बदला और आर एण्ड आर स्कीम में हो रहे लुट को बंद कर किसानों एवं मजदूरों को भुगतान हेतु 60 करोड़ रुपये का तत्काल आवंटन किया। स्वामी सहजानंद सरस्वती जो देश के सबसे बड़े किसान नेता थे। स्वामी सहजानंद सरस्वती ने सन्यासी ग्रहण कर भगवान की खोज में पूरे देश का चक्कर लगाया। लेकिन उन्होंने लिखा कि मुझे कहीं भगवान नहीं मिला। मुझे तो भगवान किसानों में दर्शन हुआ। उन्होंने कहा कि किसान सिर्फ अन्नदाता नहीं है, वह जीवन दाता भी है । किसान नेता रैली में शामिल अन्य नेताओं में प्रमुख अजय मिश्रा, जयमंगल पांडेय, जगतारन राम, रमेश राम, शिवजी सिंह, सियाराम सिंह, नन्द कुमार राम, घनश्याम चौधरी, तेतरी देवी, रामनजर राय, जितेंद्र राय, शैलेश राय, हरिश्चंद्र साह, ओमकार चौहान, रामाकांत राजभर, नन्दलाल सिंह, नरेन्द्र तिवारी, शर्मा तिवारी, गोरख नाथ पांडेय एकराम खां, लाला राय, राधाप्रसाद राय, गुड्डु सिंह, के नाम उल्लेखनीय हैं।

भाकपा-सीपीएम ने राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

बक्सर। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के राज्यस्तरीय आह्वान पर गुरुवार को संयुक्त रूप से जिला मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकताओं ने अपनी 15 सूत्री मांगों को लेकर जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। दोपहर करीब 12 बजे स्थानीय ज्योति प्रकाश चौक से प्रदर्शन शुरू हुआ। कार्यकर्ता बदलो सरकार, बचाओ बिहार, इंकलाब जिंदाबाद, भ्रष्टाचार बंद करो और महंगाई पर लगाम लगाओ जैसे नारों के साथ जुलूस की शक्ल में जिला मुख्यालय पहुंचे। प्रदर्शन के दौरान भाकपा एवं सीपीएम के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। ज्ञापन में पीडीएस को मजबूत करने, एमएसपी की गारंटी सुनिश्चित करने, किसानों की बिना सहमति भूमि अधिग्रहण पर रोक लगाने, बेघर परिवारों को 10 डिसमिल जमीन और मकान देने, सामाजिक सुरक्षा पेंशन को बढ़ाकर तीन हजार प्रतिमाह करने सहित कई अहम मांगें रखी गईं। मौके पर पूर्व सांसद तेजनारायण सिंह, वरिष्ठ नेता ज्योतेश्वर सिंह उर्फ बालक दास, परमहंस सिंह, अरुण कुमार ओझा, नागेंद्र मोहन सिंह सहित कई नेताओं ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन में रूपनारायण सिंह, धीरेंद्र कुमार, रामजी सिंह, संतु राम, कपिल पासवान, छितिज केसरी, मनोज केशरी सहित बड़ी संख्या में कार्यकताओं ने भाग लिया।

106.25 करोड़ की वसूली के लिए धारा-07 के तहत जारी होगा नोटिस

बक्सर। राज्य राजस्व पर्षद के अध्यक्ष-सह-सदस्य केके पाठक की अध्यक्षता में गुरुवार को बिहार राज्य खाद्य निगम से संबंधित प्रमादी मिलर के विरूद्ध दायर नीलाम पत्र वाद एवं अन्य नीलाम पत्र वादों की भी समीक्षा की गयी। बक्सर जिलान्तर्गत अब तक कुल 12377 नीलाम पत्र वाद लंबित है, जिसकी कुल सन्निहित राशि 245.69 करोड़ है तथा बिहार राज्य खाद्य निगम से संबंधित प्रमादी मिलर के विरूद्ध दायर नीलाम पत्र वादों की संख्या 143 है। जिसकी कुल सन्निहित राशि 106.25 करोड़ की वसूली के लिए केके पाठक ने सभी नीलाम पत्र पदाधिकारी नीलाम पत्र वादों पर धारा 07 अन्तर्गत नोटिस निर्गत कर उसका तामिला कराना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

सभी नीलाम पत्र पदाधिकारियों को निदेशित किया गया कि 20 सबसे पुराने नीलाम पत्र वादों एवं 20 सबसे बडे बकायेदारों से संबंधित नीलाम पत्र वादों को चिन्हित करते हुए प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई करते हुए निष्पादित करना सुनिश्चित करेंगे। नीलाम पत्र वादों में इह तथा डीडब्ल्यू की संख्या बढ़ाने हेतु निदेशित किया गया। वहीं, पुलिस अधीक्षक नीलाम पत्र वादों में निर्गत बीडब्लयू तथा डीडब्ल्यू का जल्द-से-जल्द तामिला कराना सुनिश्चित करेंगे।

31 मार्च तक नहीं जमा हुआ लगान तो रैयतों पर जारी होगा नीलाम पत्र

सावधान: सख्त हुई प्रभारी डीएम के दो टूक

♦ चौसा, सिमरी, बक्सर, चक्की, चौगाईं व डुमरांव के सीओ को शो-कॉज जारी

केटी न्यूज/बक्सर

प्रभारी डीएम सह एडीएम कुमारी अनुपम सिंह ने राजस्व संबंधी कार्यों की समीक्षा की। इस क्रम में उन्होंने जिले के सभी अधिकारियों को दिनांक 31 मार्च तक लगान नहीं जमा करने वाले रैयतों पर नीलाम पत्र दायर कर कार्रवाई करने का सख्त निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि फरवरी माह में विभाग की समीक्षा में पाया गया कि विगत माह के निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप संबंधित सीओ द्वारा कार्य नहीं किया गया है, जो खेद का विषय है। सभी अंचल अधिकारी को निदेश दिया गया कि विगत माह में दिये गये लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु राजस्व संबंधी प्राथमिकता वाले कार्यों को ससमय पूर्ण करते हुए रैंकिंग में प्रगति लाना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने चौसा, सिमरी, बक्सर, चक्की, चौगाई व डुमरांव का रैंकिंग काफी खराब रहने के कारण स्पष्टीकरण करने का निदेश दिया।

अभियान बसेरा 2 के तहत अंचलवार नावानगर 336, डुमरांव में 218, सिमरी में 392, बक्सर में 343 एवं इटाढ़ी में 358 भूमिहीन सर्वेक्षित परिवारों को नॉट फॉर अलॉटमेंट दशार्या गया है, जो संदेहास्पद प्रतीत होता है।

वहीं, भूमि सुधार उप समाहर्त्ता, बक्सर एवं डुमरांव को निदेशित किया जाता है कि अपने अपने क्षेत्र अन्तर्गत संबंधित अंचल में भौतिक रूप से जांच कर एक सप्ताह के अन्दर प्रतिवेदन समर्पित करेंगे कि किन-किन कर्मचारियों के द्वारा यह कृत्य किया गया है। यदि जांच के क्रम में पाया जाता है कि जान-बुझकर भूमिहीन सर्वेक्षित परिवारों को नॉट फॉर अलॉटमेंट दशार्या गया है, तो अनुशासनिक कार्रवाई का प्रस्ताव समर्पित करेंगे। बैठक में उपस्थित सभी अंचल अधिकारियों को निदेशित किया गया कि अपने स्तर से भी नॉट फॉर अलॉटमेंट दशार्या गये भूमिहीन सर्वेक्षित परिवारों की जांच कर संबंधित कर्मचारी पर कार्रवाई का प्रस्ताव अनुशंसा के साथ उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।

फसल क्षतिपूर्ति योजना का 31 मार्च तक करें ऑनलाइन आवेदन: बीएओ

केटी न्यूज/नावानगर

♦ अधिकतम दो हेक्टेयर तक मिलेगा का लाभ

बिहार कृषि सहायता योजना 2024-25 के तहत फसल क्षतिपूर्ति योजना मद में ऑनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया शुरू है। किसान इस योजना के लाभ लेने के लिए 31 मार्च तक आवेदन ऑनलाइन कर सकते हैं। इसकी जानकारी बीएओ दिनेश सिंह ने दिया।

उन्होंने बताया कि किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा प्रति वर्ष बिहार कृषि सहायता योजना चलाया जाता है। जिसमें किसानों की फसल क्षतिपूर्ति होने पर लाभ दिया जाता है। जैसे बाढ़, सूखा, ओलावृष्टि जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण फसल क्षति हो जाती है, तो उन्हें सरकार द्वारा आर्थिक सहायता देती है। योजना राज्य के किसानों को विपरीत मौसम और अन्य आपदाओं से हुए फसल नुकसान पर राहत प्रदान करेगी। उन्होंने बताया कि फसल क्षतिपूर्ति योजना का लाभ लेने के लिए संबंधित किसानों को 31 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन करना होगा। साथ ही फसल क्षतिपूर्ति होने पर अधिकतम दो हेक्टेयर तक किसानों को योजना का लाभ दिया जाएगा। योजना राज्य के किसानों को विपरीत मौसम और अन्य आपदाओं से हुए फसल नुकसान पर राहत प्रदान करेगी। योजना का पूरा संचालन ऑनलाइन किया जाएगा। मकई, राई और मसूर की फसल करने वाले किसानों को इसका फायदा मिलेगा।

ठनका गिरने से युवक की मौत

केटी न्यूज/बक्सर

इटाढ़ी थाना क्षेत्र के मंगोलपुर गांव में गुरुवार को पशुओं के चारे के लिए घास काटने गए एक 22 वर्षीय युवक की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक की पहचान शंभू नोनिया के पुत्र दीपक नोनिया के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार दीपक सुबह घर से कुछ दूर स्थित खेत में घास काटने गया था। इसी बीच मौसम अचानक खराब हो गया। तेज गरज-चमक के साथ बारिश शुरू हुई, तभी आसमान से गिरी बिजली की चपेट में आकर दीपक गंभीर रूप से झुलस गया और उसकी मौत हो गई।

जानकारी मिलते ही परिजन व ग्रामीण मौके पर पहुंचे। परिजनों ने तत्काल उसे अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दीपक चार भाइयों में सबसे छोटा था। उसकी असमय मौत से परिवार सदमे में है और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। इटाढ़ी थानाध्यक्ष सोनू कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। वहीं, स्थानीय प्रशासन ने सरकारी आपदा राहत कोष से उचित सहायता देने का आश्वासन दिया है।

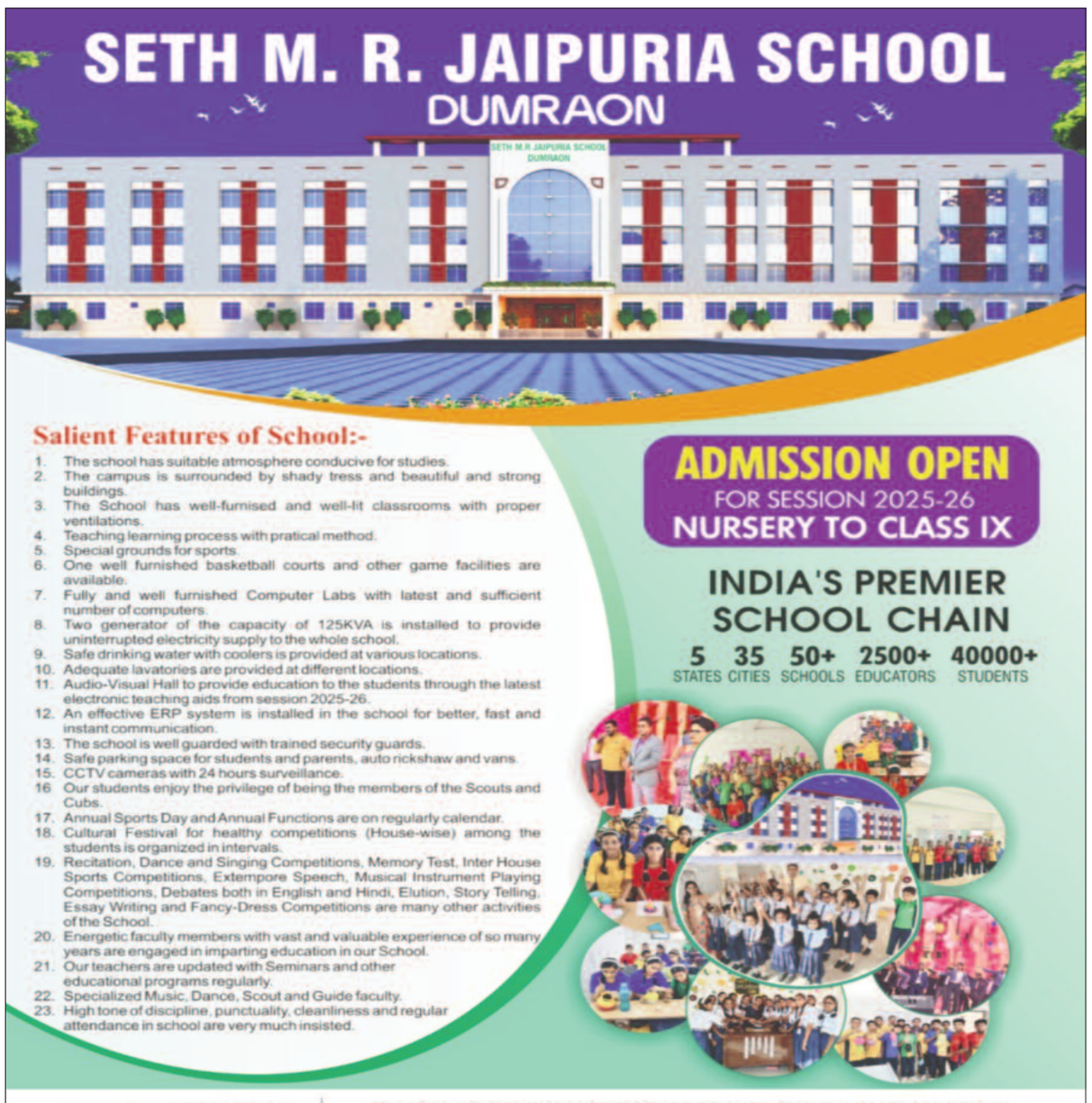

भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष स्व. बबन उपाध्याय की दूसरी पुण्यतिथि मनाई गई

कठिन परिस्थितियों में भी बबन जी ने भाजपा को दी थी मजबूती: चौधरी राम विनोद राय

केटी न्यूज/बक्सर

सदर प्रखंड के अहिरौली स्थित भाजपा कार्यालय में पार्टी कार्यकताओं द्वारा गुरुवार को भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष स्व. बबन उपाध्याय की दूसरी पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर एक विशेष सभा का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता नव-मनोनित जिला उपाध्यक्ष निर्भय राय ने जबकि संचालन जिला महामंत्री लक्ष्मण शर्मा ने किया।

कार्यक्रम की शुरूआत स्व. बबन उपाध्याय के तैल्य चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इस दौरान उपस्थित नेताओं और कार्यकताओं ने उनके योगदान को याद करते हुए श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने स्व. उपाध्याय को भारतीय जनता पार्टी का सच्चा सिपाही बताया, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में संगठन को मजबूत किया और कार्यकताओं को एकजुट कर पार्टी को नई दिशा दी। सभा को संबोधित करते हुए राम विनोद राय, राजेश सिन्हा, रानी चौबे, विनोद राय, विंध्याचल सिंह, शिशिर चौबे, सतेन्द्र कुंवर, मदन दुबे और स्व. उपाध्याय के सुपुत्र ज्ञान प्रकाश उर्फ मिन्टु उपाध्याय ने उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला।

वक्ताओं ने कहा कि स्व. बबन उपाध्याय ने भाजपा को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया था और उनके विचार व आदर्श आज भी कार्यकताओं को प्रेरणा देते हैं। वे जनसंघ के समय विपरित परिस्थितियों में जुड़े थे। उन्होंने जनसंघ से लेकर भाजपा तक के सफर में अपने खून पसीने से संगठन को सींचा था। स्व. बबन उपाध्याय का जन्म वर्ष 1946 में भरखरा गांव में हुआ था। अपने कार्यकाल में उन्होंने भाजपा को मजबूती प्रदान की और कठिन समय में भी पार्टी को आगे बढ़ाने का कार्य किया। वरिष्ठ भाजपा नेता चौधरी राम विनोद राय ने उनसे अपने व्यक्तिगत लगाव के साथ ही संगठन के प्रति उनके समपर्ण, कार्यकताओं के प्रति लगाव तथा देश को परम वैभव तक पहुंचाने के संकल्प की सराहना की और कहा कि बक्सर में भाजपा को मजबूत करने में उनका योगदान महत्वपूर्ण है।

इस अवसर पर मुख्य रूप से मिठाई सिंह, मनोज पाण्डेय, हिमांशु चतुवेर्दी, सौरभ तिवारी, पुनीत सिंह, शिला त्रिवेदी, संध्या पाण्डेय, पुष्पांजलि देवी, उषा दुबे, सतीश दुबे तथा उमाशंकर राय जिला मीडिया प्रभारी सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विशेषः अल्लाह की इबादत और सरस्वती वंदना का जरिया थी उस्ताद बिस्मिल्लाह खां की शहनाई

♦ बिस्मिल्लाह की याद में आयोजित होगा समारोह, तैयारी पूरी

केटी न्यूज/डुमरांव

राजा-महाराजाओं के शहर डुमरांव के बंधन पटवा मुहल्ले में 21 मार्च 1916 को उस्ताद बिस्मिल्लाह खां का जन्म पैगंबर खां के घर हुआ था। बचपन से ही शहनाई से उनका अटूट रिश्ता जुड़ गया। डुमरांव के बांके बिहारी मंदिर

में शहनाई को होठों से लगाकर बजाने की शुरूआत की थी। उस वक्त किसी को क्या पता था कि शहनाई में सुर फूंकने वाला यह बालक विश्वस्तर पर अपनी कला का जादू बिखेर देगा।

आठ साल की उम्र में अपने मामा के साथ वाराणसी चले आये। यहां गंगा के किनारे रियाज कर पूरी दुनिया को शहनाई का दिवाना बना दिया। बिस्मिल्लाह खां ने अपने लिए वह मुकाम बनाया है कि जब-जब शहनाई का नाम लिया जाता है उनका नाम सबसे पहले आता है। एक तरह से शहनाई और बिस्मिल्लाह एक दूसरे के पर्याय हैं। धर्म की सीमाओं से परे भारतरत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खां मां सरस्वती के अनन्य भक्त थे। संगीत के माध्यम से उन्होंने एकता, शांति और प्रेम का संदेश दिया था। 1947 में आजादी की पूर्व संध्या पर जब लालकिले पर देश का झंडा फहराया गया तो उनकी शहनाई ने भी वहां आजादी का प्रेम संदेश बांटा था।

भारत रत्न सहित कई पुरस्कारों से सम्मानित हैं उस्ताद : उस्ताद बिस्मिल्लाह खां अपने फन के इस कदर माहिर थे कि उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से नवाजा गया। 2001 में भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से उन्हें सम्मानित किया गया। इसके अलावे उन्हें 1956 में उन्हें संगीत नाटक अकादमी का पुरस्कार दिया गया। 1961 में बिस्मिल्लाह खां को पद्मश्री से सम्मानित किया गया। 1968 में पद्मभूषण और 1992 में ईरान द्वरा तालार मौसिकी का पुरस्कार मिला। 21 अगस्त 2006 को उनका निधन हो गया।

उस्ताद के नाम से खुलेगा संगीत महाविद्यालय : अपनी प्रगति यात्रा के दौरान बक्सर आये सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उस्ताद बिस्मिल्लाह खां की याद में उनके नाम से संगीत महाविद्यालय खोलने की घोषणा की है। घोषणा होते ही संगीत प्रेमियों के साथ शहरवासियों में खुशी व्याप्त है। रेलवे ने भी उस्ताद के यादों को संजोने का प्रयास किया है। डुमरांव स्टेशन के वेटिंग हॉल की दीवारों पर उस्ताद की तस्वीरें उकेरी गयी है।

राज हाईस्कूल मैदान में बिस्मिल्लाह खां महोत्सव आज

स्थानीय राज हाई स्कूल के मैदान में बिस्मिल्लाह खां महोत्सव शुक्रवार को धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। शाम चार बजे यह कार्यक्रम प्रारंभ होगा। कार्यक्रम में गायक राकेश राज सानू व गायिका श्यामा शैलजा के अलावे प्रयास रंगमंडल पटना द्वारा उस्ताद बिस्मिल्लाह खां लघु नाटक, उस्ताद बिस्मिल्लाह खां घराना द्वारा शहनाई वादन, सुफियान ग्रुप भागलपुर, संतूर वादक चंद्रशेखर कुमार व लोक गायक सत्येंद्र संगीत भी अपनी मधुर आवाज से समां बांधेंगे। इनके अलावे स्थानीय कलाकर भी इस समारोह में शामिल होंगे।

खबरें फटाफट

पौधरोपण कर युवा नेता ने मनाया जन्मदिन

डुमरांव। युवा भाजपा नेता दीपक यादव ने अपने जन्मदिन के अवसर पर डुमरांव के शहीद स्मारक पार्क में स्वच्छता अभियान एवं पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान उनके नेतृत्व में युवाओं ने पार्क में लगे शहीदों की मूर्तियों तथा परिसर की विधिवत सफाई की एवं पार्क में फलदार पेड़ लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। भाजपा के जिला प्रवक्ता शक्ति राय ने कहा कि दीपक यादव ने अपने जन्मदिन के अवसर पर शहीद स्मारक पार्क की सफाई की और इस प्रकार पर्यावरण संरक्षण व देशभक्ति का जो संदेश दिया, यह एक प्रशंसनीय कार्य है जो न केवल पार्क की सफाई में मदद करता है, बल्कि समुदाय में देशभक्ति एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता को भी बढ़ाता है।

वारंटी को गिरफ्तार

नावानगर। सिकरौल पुलिस ने थाना क्षेत्र के परमेश्वरपुर गांव में छापेमारी कर एक कोर्ट के वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार कोर्ट वारंटी उक्त गांव के हरेराम महतो बताया जाता है। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार वारंटी काफी दिनों से फरार चल रहा था। बुधवार की देर शाम गुप्त सूचना पर वारंटी को उसके घर से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

कठार पहुंचे एफसीआई के महाप्रबंधक ने निरीक्षण के दौरान कहा-

न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रुपए पर होगी गेंहू की खरीदारी

♦ महाप्रबंधक ने गेंहू खरीद में सरकार की पॉलिसी की किसानों व एफपीओ प्रतिनिधियों को दी जानकारी
♦ एक अप्रैल से खुलेंगे सभी गेंहू क्रय केंद्र

केटी न्यूज/सिमरी

एक अप्रैल से गेहूं की खरीद के लिए क्रय केन्द्र खोल दिए जाएंगे। इसकी प्रशासनिक तैयारी तेज हो गई है। गुरूवार को भारतीय खाद्य निगम, बिहार के महाप्रबंधक (क्षेत्र) अमित भूषण ने सिमरी प्रखंड अंतर्गत कठार गांव पहुंच गेंहू क्रय केंद्र का निरीक्षण किये। इस दौरान उन्होंने एफपीओ प्रतिनिधि व क्षेत्रीय किसानों के साथ विपणन वर्ष 2025-26 के दौरान गेहूं खरीद के सम्बंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। आयोजित बैठक की बैठक की अध्यक्षता मंडल प्रबंधक राजेश सिंह पांगती ने की।

महाप्रबंधक ने भारतीय खाद्य निगम एवं भारत सरकार की पॉलिसी के संबंध में बताया कि एक अप्रैल से कठार सहित जिले के सभी सात गेंहू क्रय केंद्र औपचारिक रूप से खुल जाएंगे। जहां किसान आसानी से अपना आवेदन कर के न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रुपए प्रति क्विंटल की दर से गेहूं बेचकर सीधे अपने बैंक खाते में 48 घंटे के भीतर भुगतान प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसान के पास अधिक मात्रा में गेहूं उपलब्ध है और वह भारतीय खाद्य निगम को अपना गेंहू बेचना चाहता तो वे अपना नजदीकी क्रय केंद्र अथवा एफसीआई के कर्मियों से इच्छुक किसान संपर्क कर सकते है।

किसानों के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल बनाने हेतु बिहार सरकार के कृषि विभाग द्वारा संचालित डीबीटी पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण की सुविधा दी गई है। मंडल प्रबंधक ने बताया कि बिहार में कृषि विभाग के डीबीटी पोर्टल पर पंजीकृत किसान नजदीकी सरकारी गेहूं खरीद केंद्र पर न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रुपए प्रति क्विंटल की दर से गेहूं बेचकर सीधे अपने बैंक खाते में 48 घंटे के भीतर भुगतान प्राप्त कर सकते हैं। बैठक के दौरान किसानों को गेहूं खरीद प्रक्रिया की सभी शर्तों और आवश्यकताओं की विस्तृत जानकारी दी गई, ताकि वे सरकारी नीतियों का पूरा लाभ उठा सकें। इस बैठक में मंडल कार्यालय के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे, जिनमें प्रबंधक (अधिप्राप्ति) राहुल कुमार, प्रबंधक (गुण नियंत्रण) प्रवीण कुमार सिंह, राकेश कुमार सिंह, प्रबंधक (कार्मिक) मनोज कुमार सिंह, अमरनाथ पाठक, राजकुमार सिंह सहित दर्जनों क्षेत्रीय किसान मौजूद रहें।

बक्सर के अधीन तीन राजस्व जिले

महाप्रबंधक अमित भूषण ने बताया कि सरकार ने विपणन वर्ष 2025-26 के दौरान गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य में 150 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की है, जिससे यह 2425 रुपये प्रति क्विंटल हो गया है। उन्होंने एफपीओ (फार्मर प्रोड्यूसर आगेर्नाईजेशन) के प्रतिनिधियों को उनके सशक्त भागीदारी एवं उनसे जुड़े किसानों को सरकारी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अपना गेहूं बेचने हेतु जागरूक करने की पहल की। उन्होंने बताया कि मंडल कार्यालय, बक्सर के अधीन तीन राजस्व जिले बक्सर, रोहतास और कैमूर आते हैं। मंडल प्रबंधक ने बताया कि इन जिलों में कुल 30 गेहूं क्रय केंद्र खोले जाएंगे। बक्सर जिले में 7, रोहतास में 10 और कैमूर में 13 क्रय केंद्रों की स्थापना की जाएगी, जहां किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीद की जाएगी।

मजदूरों व फुटपाथी दुकानदारों के मुद्दों पर उठे कई सवाल

डुमरांव। नगर के एक सभागार में डुमरांव विधान सभा चुनाव को लेकर दलित, महादलित, पिछड़ अति पिछड़ा, अल्पसंख्यक, फुटपाथी संघ का कार्यक्रम आयोजित हुआ। मुख्य अतिथी के रूप मे डुमरांव विधानसभा के पूर्व प्रभारी रवि उज्जवल कुशवाहा ने लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा की नीतीश कुमार जी के कार्यो पर कोई अंगुली नही उठा सकता है। समाज के सभी वर्गो के लिये उन्होंने कार्य किया है। उन्होंने कहा कि डुमरांव विधानसभा के आये हुए महत्वपूर्ण साथियो से कहना चाहता हूं। की 2025 के विधानसभा चुनाव मे ऐसे व्यक्तित्व वाले को जिताकर विधानसभा पहुंचाईये जो की वो वादा ना करे, बल्कि आपके काम करने के ऐग्रीमेन्ट की गारन्टी दे। उज्जवल ने घोषणा की डुमरांव विधानसभा के लोगों की समस्या को सुनने जानने के लिये 14 अप्रैल 2025 को संविधान निमार्ता बाबा साहब भिम राव अम्बेदकर की जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर आशिर्वाद लेकर डुमरांव विधानसभा में जनता ऐग्रीमेन्ट पद यात्रा की शुरूआत करूंगा। विधानसभा के अंतर्गत 32 पंचायत और नगर के 35 वार्डो का पद यात्रा कर एक-एक गांव व मोहल्ला जाऊंगा। पद यात्रा में सभी वर्ग के नेता मौजूद रहेंगे। इस दौरान फुटपाथी संघ के मिंटू हाशमी के द्वारा 5 सूत्री मांग को भी रखा गया। इस पर उन्होंने कहा कि यदि मांग पूरी नहीं होती है तो 2 अप्रैल 2025 को डुमरांव नगर मे अनिश्चित कालीन अनशन पर रवि उज्जवल बैठेंगे।

एक नजर

नया भोजपुर पुलिस की अनोखी पहल, थाना परिसर में आयोजित की इफ्तार पार्टी

डुमरांव। रमजान के इस महीने में गंगा जमुनी तहजीब को मजबूत करने के लिए कई स्तर पर प्रयास किए जा रहे है। इसी कड़ी में गुरूवार को नया भोजपुर थानाध्यक्ष ने अनोखी पहल करते हुए थाना परिसर में इफ्तार पार्टी का आयोजन किये। खास यह कि इस इफ्तार पार्टी में दोनों संप्रदाय के लोग शामिल हुए तथा साथ बैठ कर इफ्तार के लजीज व्यंजनों का लुफ्त उठाया। थानाध्यक्ष ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य सांप्रदायिक सौहार्द को बढ़ावा देने और गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल पेश करना था। रोजा इफ्तारी कार्यक्रम में हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। थानाध्यक्ष ने सभी का स्वागत किया और बताया कि यह पहल आपसी एकता और भाईचारे को मजबूत करने के लिए की गई है। उन्होंने कहा कि पुलिस और जनता के बीच भरोसे को और गहरा करने के लिए ऐसे कार्यक्रम जरूरी हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि रमजान का महीना बहुत पाक महीना होता है। इस महीने को रोजे व इबादत के लिए जाना जाता है। उन्होंने दोनों संप्रदाय के लोगों को साथ मिलकर पर्व त्योहार मनाने की अपील की और कहा कि भाईचारा को मजबूत करने का प्रयास सभी को करना चाहिए। इस इफ्तार पार्टी में खजूर, फल, शरबत और पारंपरिक व्यंजन परोसे गए। हिंदू समुदाय के लोगों ने मुस्लिम रोजेदारों का आदर करते हुए उनके साथ रोजा खोला। उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को रमजान की मुबारकबाद दी और अमन-चैन की दुआ मांगी। मौके पर मौजूद एएसआई रहमान खान ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से आपसी मतभेद मिटते हैं और भाईचारे को बढ़ावा मिलता है। थाने में रोजा इफ्तारी का आयोजन करना एक सराहनीय कदम है। वहीं, एएसआई राजीव कुमार ने कहा कि धर्म से ऊपर इंसानियत है, और इस तरह के आयोजन से हम सभी को एकता का संदेश मिलता है। इस सकारात्मक पहल से समाज में एकता, शांति और सद्भावना का माहौल बन गया। मौके पर एसआई वकार अहमद, सुमन कुमार, एएसआई मो. शाहिद, एएसआई अमृत लाल, मो. फिरोज सहित कई अन्य लोग मौजूद रहें।

आग से बचाव व सावधानी के लिए लोगों का जागरूक होना जरूरी: बक्सर एसपी

♦ एसपी ने हरी झंड़ी दिखा अग्निशामक जागरूकता रथ को किया रवाना

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार अग्निशामक विभाग द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता अभियान को गति देने के लिए गुरुवार को बक्सर एसपी शुभम आर्य ने अग्निशामक जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

यह जागरूकता अभियान अग्नि सुरक्षा और सावधानी के महत्व को लेकर लोगों को जागरूक करने के लिए चलाया जा रहा है।

इस अवसर पर एसपी ने कहा कि अग्नि सुरक्षा और सावधानी के महत्व को लेकर लोगों को जागरूक करना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस जागरूकता अभियान के माध्यम से लोगों को अग्नि सुरक्षा के बारे में जानकारी दी जाएगी और उन्हें सावधानी के महत्व को लेकर जागरूक किया जाएगा। एसपी ने कहा कि अधिकांश अगलगी की घटनाएं लापरवाही तथा अज्ञानता के कारण होती है। बिहार अग्निशामक विभाग द्वारा चलाए जा रहे इस जागरूकता अभियान में लोगों को अग्नि सुरक्षा के बारे में कई अहम जानकारी माक ड्रिल तथा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दी जाएगी और उन्हें सावधानी के महत्व को लेकर जागरूक किया जाएगा। इस अभियान के माध्यम से लोगों को अग्नि सुरक्षा के बारे में जानकारी देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस जागरूकता अभियान के लिए एसपी ने सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। मौके पर अग्निशमन विभाग के पदाधिकारी और कर्मी मौजूद थे।

शक्ति राय बने भाजपा के जिला प्रवक्ता

डुमरांव। डुमरांव निवासी व भाजपा नेता शक्ति राय को जिला भाजपा का प्रवक्ता बनाया गया है। जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश भुवन द्वारा गठित नई कार्यसमिति में उन्हें यह जिम्मेवारी मिली है। शक्ति को बक्सर भाजपा का प्रवक्ता बनाए जाने पर स्थानीय भाजपा कार्यकताओं में खुशी की लहर दौड़ गई है। भाजपा कार्यकताओं ने इस पुनीत कार्य के लिए जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश भुवन को बधाई दी है। कार्यकताओं ने कहा कि शक्ति को भाजपा का प्रवक्ता बनाए जाने से जिले में भाजपा को मजबूती मिलेगी। कार्यकताओं ने कहा कि शक्ति राय के पास संगठन का अपरा अनुभव है तथा वे अपने व्यवहार कुशलता के कारण भी कार्यकताओं के बीच खासे लोकप्रिय है। बधाई देने वालों में दीपक यादव, संटू मित्रा, अभिषेक चौरसिया, नगर अध्यक्ष विजय कुशवाहा, ग्रामीण मंडल के पूर्व मंडल अध्यक्ष राजीव कुमार उर्फ बब्लू पाठक, संतोष मिश्रा, पवन जायसवाल, लक्ष्मण कुमार माली, अरविंद कुमार व अन्य शामिल रहे।

डुमरांव नगर परिषद की अध्यक्ष ने प्रधान सचिव को सौंपा ज्ञापन

स्टेडियम, बस स्टैंड व स्ट्रॉम वॉटर ड्रेनेज सिस्टम निर्माण की नप अध्यक्ष ने की मांग

♦ विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में नप अध्यक्ष ने लिया हिस्सा

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर परिषद की चेयरमैन सुनीता गुप्ता ने नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव को ज्ञापन सौंप डुमरांव में स्टेडियम, बस स्टैंड व स्ट्रोम वॉटर डेन्नेज सिस्टम का निर्माण कराने की स्वीकृति देने की मांग की है।

उन्होंने प्रधान सचिव को दिए मांग पत्र में बताया है कि डुमरांव में स्टेडियम, बस स्टैंड व स्ट्रोम डेन्नेज सिस्टम की सख्त जरूरत है। कई बार यहां की जनता भी इसकी मांग कर चुकी है। प्रधान सचिव को मांग पत्र सौंपने के बाद उन्होंने बताया कि प्रधान संपादक से आश्वासन मिला है। जल्दी ही डुमरांव में स्टेडियम, बस स्टैंड व स्ट्रोन डेन्नेज सिस्टम को स्वीकृति मिलेगी।

बता दें कि 16वे वित्त आयोग का बिहार राज्य परिभ्रमण पर विभिन्न शहरों के आयुक्त और मुख्य पार्षद तीन दिवसीय परिभ्रमण पर गए हुए थे। इसी परिभ्रमण के दौरान नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव में गई डुमरांव नगर की मुख्य पार्षद सुनीता गुप्ता ने होटल के सभागार में गई। वहां उन्होंने प्रधान सचिव से मिल उनको पांच सूत्री मांग पत्र सौंपा।

मुख्य पार्षद के द्वारा सौंपे गए मांग पत्र में नगर परिषद के क्षेत्रान्तर्गत स्टेडियम बनवाने के साथ ही बस स्टैंड एवं स्ट्रोम वॉटर ड्रेनेज सिस्टम की मांग की गई है। साथ ही उन्होंने मांग पत्र में शीघ्र ही बाइपास रोड बनवाने पर भी जोर दिया है। मुख्य पार्षद ने प्रधान सचिव से शहर के लिये जरूरी समस्याओं को दूर करने के लिये मांग पत्र सौंपे जाने पर नगरवासियों में काफी खुशी है।

रोहतास पुलिस को मिली बड़ी सफलता, 77 किग्रा अफीम किया जब्त

हरियाणा जा रही 5 करोड़ की अफीम के साथ 4 तस्कर धराये

केटी न्यूज/सासाराम

- गुप्त सूचना के आधार पर आरपीएफ ने की कार्रवाई

आरपीएफ ने डेहरी स्टेशन से हरियाणा अंबाला जा रहे चार अफीम तस्करों को पांच बैग में भरे करीब 77 किलो अफीम के साथ गिरफ्तार किया है। जब्त अफीम कि अनुमानित कीमत करीब पांच करोड़ रुपए बताई जाती है। इस संबंध में जानकारी देते हुए डेहरी स्टेशन के आरपीएफ इंस्पेक्टर राम विलास राम ने बताया कि गुप्त सूचना मिली की डैहरी स्टेशन से तस्कर भारी मात्रा में अफीम लेकर जाने वाले हैं।

मामले की जानकारी होते ही राम विलास राम के नेतृत्व में विशेष टीम बनाई गई और डेहरी स्टेशन के विभिन्न प्लेटफार्म पर तलाशी अभियान शुरू किया गया। इस क्रम में प्लेटफार्म नंबर तीन पर कुछ संदिग्ध व्यक्ति को बड़े बैगों के साथ दिखे। उनसे जब बैगों की जांच कराने को कहा गया, तो आनाकानी करने लगे। वहीं कड़ाई से बैंगों की जांच की गई तो उसमें अफीम भरा पाया गया। इसके बाद सभी को थाने में लाकर पूछताछ की गई उसके बाद गिरफ्तार कर लिया गया। बताया कि चार तस्कर गिरफ्तार किए गए हैं। जिनके नाम शैलेंद्र, धीरज, शिवकुमार, एवं धनराज हैं। इनमें से दो अफीम तस्कर गया के व दो छपरा जिलों में रहने वाले हैं।

गया से लेकर आए थे डेहरी : आरपीएफ इंस्पेक्टर राम विलास राम ने बताया कि इसे गया जिले के शेरघाटी से अफीम को लेकर बस से डेहरी आए थे। इसके बाद वो डेहरी से ट्रेन के द्वारा अंबाला हरियाणा जाने वाले थे। इनके पास गंगा–सतलज ट्रेन से जाने का आरक्षित टिकट भी है। बताया कि इनके पास से पांच बैग बरामद किए गए है, जिनमें कुल लगभग 77 किलो अफीम हैं। बताया कि इनका आपराधिक इतिहास को खंगाला जा रहा है। सभी के मोबाइल जब्त कर लिए गए हैं, इनके कनेक्शन की जानकारी ली जा रही है। इनके परिजनों को सूचना दी गई है। बताया कि चारों को जीआरपी को सुपुर्द कर दिया गया है, जहां इनपर प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

हथियार के साथ बर्थडे पार्टी मना रहे तीन दोस्त गिरफ्तार

आरा। भोजपुर के बिहिया में तमंचे के साथ बर्थडे पार्टी मना रहे तीन दोस्तों को महंगा पड़ गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों को एक देसी पिस्टल के साथ धर दबोचा। गिरफ्तार अभियुक्तों में बिहिया निवासी गोलू कुमार, उसी थाने के चकरही गांव निवासी पिंकू कुमार और शाहपुर थाना क्षेत्र के हरिहरपुर गांव निवासी उमाशंकर यादव शामिल हैं। इनके पास से देसी पिस्टल के अलावा एक मैगजीन और एक बाइक भी जब्त की गयी है।? तीनों को बुधवार की रात बिहिया के साहेब टोला स्थित एक पैलेस से गिरफ्तार किया गया है। एसपी राज की ओर से गुरुवार को प्रेस बयान जारी कर गिरफ्तारी की जानकारी दी गई है। पुलिस के अनुसार बुधवार की रात साहेब टोला स्थित एक पैलेस में कुछ लड़के अवैध हथियार के साथ बर्थडे मना रहे थे। तभी पुलिस को सूचना मिल गयी। इस आधार पर पुलिस धमक गयी और तीनों को पिस्टल के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में तीनों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गयी है। बता दें कि जिले में शादी-विवाह के साथ ही बर्थडे और श्राद्ध कर्म तक में भी हथियार लहराने का शौक बढ़ता जा रहा है।

कार्य में विलंब होने पर की जाएगी कड़ी कार्रवाई: डीएम

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर के उदवंतनगर प्रखंड के चकरदह गांव स्थित महादलित टोले में गुरुवार को लगे विशेष विकास शिविर का जायजा लेने और ग्रामीणों से रुबरु होकर योजनाओं के लाभ मिलने की जानकारी लेने डीएम तनय सुल्तानिया पहुंचे। डीएम ने क्षेत्र भ्रमण के दौरान चकरदह में आयोजित विशेष विकास शिविर का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने महादलित समुदाय के लोगों से उनकी समस्याएं सुनी और उन्हें सरकार की ओर से चलाई जा रही विभिन्न विभागों की संचालित योजनाओं की जानकारी देते हुए लोगों को लाभ उठाने की अपील की। विशेष शिविर में ऑन द स्पॉट जाति प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड समेत कई कार्यों का निष्पादन किया जा रहा है। डीएम ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत शौचालय निर्माण, हर घर नल-जल योजना समेत अन्य सरकारी योजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। डीएम ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी छूटे हुए पात्र लाभुकों को सभी तरह की सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही डीएम ने कार्य में विलंब होने पर कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी। बता दें कि सरकार की योजनाओं का लाभ सीधे तौर पर महादलित समुदाय के लोगों को देने के लिए विशेष विकास शिविर लगाये जा रहे हैं। हालांकि, कई जगहों पर कैंप लगने के बावजूद लोगों के समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा है। वैसे लापरवाह अफसरों को सख्त चेतावनी दी गई है और लोगों को शत-प्रतिशत लाभ दिलाने को कहा गया है। मौके पर डीडीसी डॉ अनुपमा सिंह, निदेशक डीआरडीए, जिला कल्याण पदाधिकारी, बीडीओ कपूरी ठाकुर, सीओ हरिकेश त्रिपाठी समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

बराप में रक्षा बाबा नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का प्रमुख ने किया उद्घाटन

गड़हनी। स्थानीय प्रखंड के बराप खेल मैदान में ग्रामीणों के सहयोग से बुधवार के रात दो दिवसीय रक्षा बाबा नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन-4 का आयोजन किया गया। जिसका विधिवत उद्घाटन गड़हनी प्रखंड प्रमुख बिनोद यादव,अगिआंव अंचल इंस्पेक्टर अनिल कुमार,थानाध्यक्ष रणवीर कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काट कर कीया। प्रमुख ने कहा कि इस तरह के आयोजन से खिलाड़ियों में ऊर्जा मिलती है। ग्रामीणों की मांग पर उन्होंने कहा कि समय कम बचा है फिर भी कला एवं संस्कृति मंत्रालय को लेटर लिख खेल मैदान की कायाकल्प किया जाएगा। इसके लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

गीधा आगजनी कांड के पीड़ित परिवार से मिले बड़हरा विधायक, हरसंभव मदद का दिया भरोसा

केटी न्यूज/आरा

गुरुवार को बड़हरा विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह पिछले दिन कोईलवर प्रखंड के गीधा मे हुए अग्निकांड मे मृतक दूधनाथ पासवान के घर पहुंचे। गीधा अग्निकांड मे गृह मालिक दूधनाथ पासवान का घर जलकर राख हो गया था। उसमे दूधनाथ पासवान सहित गाय और दर्जनों बकरियो की जलकर मौत हो गई थी। बड़हरा विधायक गीधा शोकसंतृप्त परिवार से मिलकर सांत्वना दी और परिवार को हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। उन्होने तत्काल मृतक की पत्नी को पाँच हजार रूपए का आर्थिक मदद किया। बड़हरा विधायक ने भोजपुर जिलाधिकारी से मोबाईल पर बात कर सरकारी मुआवजा की राशी देने की बात कही। जिलाधिकारी द्वारा चार लाख रूपए मुआवजा राशी और तत्काल बीस हजार रूपए राशी देने की स्वीकृति दी गई। इस दुख की घड़ी में विधायक ने परिवार को सांत्वना दिया और पशुओ की क्षति होने पर पशुपालन पदाधिकारी से भी बात की और जांच करा कर मुआवजा राशि दिलाने की बात कही। विधायक ने कहा कि यह घटना बहुत दुखद है। इस घटना से परिवार का मालिक का मौत हो गया और साथ मे पशुधन सहित संपत्ति का समूल नष्ट हो गया है। इस दुख की घड़ी में मेरे और सरकार द्वारा हर संभव मदद किया जाएगा।

स्कूल गार्ड की संदिग्ध मौत, सांप डंसने की आशंका

केटी न्यूज/सासाराम

रोहतास के शिवसागर ब्लॉक के रायपुरचौर मध्य विद्यालय में गुरुवार को नाइट गार्ड की मौत हो गई। मृतक अशोक कुमार सिंह स्कूल के शौचालय के पास गिरा हुआ मिला था। इलाज के लिए अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के संबंध में स्कूल के हेडमास्टर अनिल कुमार ने बताया कि हमारे यहां सफाई कर्मचारी से सुबह घंटे भर बातचीत किया। इसके बाद सफाई कर्मी अपने झाड़ू लेकर सफाई में लग गया।

बताया गया कि सांप काटने से मौत हुई है। लेकिन मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी सूचना पुलिस दी गई है। बताया गया कि वह परिसर में बने शौचालय के पास नल से हाथ धो रहा था। तभी अचानक गिर गया और वहां उनका बच्चा रोने लगा। तब सफाई कर्मी मौके पर पहुंचे। घटना के बाद गार्ड के मुंह से झाग निकला था। जब उसे अस्पताल ले गए तो उनकी मृत्यु हो गई थी।

सांप के काटने से मौत की आशंका : सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे बड्डी थानाध्यक्ष रामवृक्ष कुमार ने मुआयना किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेजा है। मृतक व्यक्ति की पहचान रामबली के बेटे अशोक कुमार सिंह निवासी ग्राम खडिहा के रूप में हुई है। बड्डी थानाध्यक्ष ने मौत की पुष्टि करते हुए बताया कि परिजनों ने सांप काटने की बात कही है।

गार्ड की मौत से सदमे में परिजन : इस घटना के बाद मृतक के परिवार में शोक की लहर है। मृतक की पत्नी रोते हुए बेहोश हो जा रही थी। घटना के बाद स्कूल में शोक की लहर है।

आभूषण कारीगर से सोना लूट में नाबालिग गिरफ्तार

आरा। शहर के नवादा थाना क्षेत्र के जापानी कृषि फॉर्म के समीप आभूषण कारीगर से 630 ग्राम सोना लूट के मामले में पुलिस ने एक किशोर को गिरफ्तार किया है। मामले में पुलिस ने छह अपराधियों को पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। साथ ही, लुटे गये जेवर की भी बरामदगी की गयी थी। बता दें कि 15 जनवरी की सुबह कश्यप नगर में रहने वाले मूल रूप से पटना निवासी नागेंद्र कुमार से विश्वविद्यालय के पास जापानी कृषि फॉर्म के समीप दो बाइक सवार चार अपराधियों ने करीब 630 ग्राम सोने का आभूषण छीन लिया था। इस संबंध में नवादा थाने में लूट की प्राथमिकी दर्ज की गयी थी।

यूपी से पटना जा रही 12 लाख की शराब जब्त

आरा। पिकअप पर लदी यूपी से पटना जा रही 12 लाख रुपए की विदेशी शराब बक्सर-पटना फोरलेन पर बिहिया थाना क्षेत्र के अमराई कल्याणपुर मोड़ के पास उत्पाद विभाग की टीम ने वाहन जांच के दौरान जब्त की। साथ ही, दो शराब तस्करों को गिरफ्तार किया गया। टीम की इस कार्रवाई से अवैध शराब के कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। सहायक उत्पाद आयुक्त को गुप्त सूचना मिली थी। इसके बाद टीम का गठन कर छापेमारी और वाहन जांच का आदेश दिया गया। टीम की ओर से वाहन जांच शुरू की गई। इस दौरान पिकअप के डाले में रखे प्लाई के नीचे बने बॉक्स में भारी मात्रा में विदेशी शराब जब्त की गई, जिसका बाजार मूल्य 12 लाख रुपए बताया जा रहा है।

बिजली काटे जाने से गुस्साए ग्रामीणों ने किया हमला पांच कर्मचारी घायल, लाइनमैन की हालत नाजुक

केटी न्यूज/सासाराम

सासाराम के नोखा थाना क्षेत्र के गंगहर गांव में बिजली विभाग के धावा दल पर ग्रामीणों ने हमला बोल दिया। जिसमें बिजली विभाग के पांच कर्मचारी घायल हो गये। जिसमें एक लाइनमैन चितरंजन कुमार की हालत गंभीर बनी हुई है। घायलों को इलाज के लिए सासाराम सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बताया जाता है कि नोखा के गंगहर गांव में बिजली विभाग का कैंप लगा हुआ था। इसी दौरान बिजली विभाग के कुछ कर्मी ग्रामीणों से उनके बकाये पैसे की वसूली के लिए घर-घर जाने लगे। जिन लोगों का बिजली का बकाया था। उनके घर के बिजली कनेक्शन को काट दिया गया। बिजली काटे जाने से गुस्साएं दो दर्जन की संख्या में आए लोगों ने बिजली विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों पर जानलेवा हमला कर दिया। जिसमें कई लोग घायल हो गए हैं। आनन-फानन में घायलों को इलाज के लिए सासाराम के सदर अस्पताल ले जाया गया। जहां सभी का इलाज जारी है।

बिजली विभाग के कनीय अभियंता अरविंद कुमार ने बताया कि बकाया बिजली बिल जमा नहीं करने पर घर का कनेक्शन काट दिया गया था। घर की बिजली काटे जाने से आक्रोशित ग्रामीणों ने बिजली विभाग के कर्मियों पर लाठी-डंडे से हमला कर दिया। फिलहाल बिजली विभाग के अधिकारी आगे की कार्रवाई में जुट गये हैं। हमलावरों के खिलाफ केस दर्ज कराया जा रहा है। केस दर्ज होने के बाद पुलिस आगे की कार्रवाई शुरू करेगी।

चारपोखरी के जैतपुरा में निरंकारी मिशन का हुआ मिनी संत समागम

यह शरीर नश्वर, इसे एक दिन मिट्टी में ही मिल जाना है : जवाहर प्रसाद

केटी न्यूज/आरा

चारपोखरी प्रखंड के जैतपुरा गांव में गुरुवार को सन्त निरंकारी मिशन के बैनर तले एक विशाल मिनी संत समागम का आयोजन लंगर प्रसाद के साथ किया गया यह संत समागम निरंकारी मंडल के केंद्रीय ज्ञान प्रचारक सह मुजफ्फरपुर के संयोजक महात्मा जवाहर प्रसाद के अध्यक्षता में रखी गई थी। इसका संचालन पिरो ब्रांच के मुख्य महात्मा अनिल कुमार ने किया। मिनी समागम में आरा, पिरो गड़हनी, चरपोखरी, जितौरा, भकुरा सहित जिले के कई प्रखंड व आसपास के संत महात्माओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

समागम को संबोधित करते हुए जवाहर प्रसाद ने बताया कि निरंकारी मिशन एक विचार धारा हैं, मिशन द्वारा इनसानियत का पाढ़ पढ़ाया जाता है, सतगुरु बाबा जी बताया करते हैं कि मानव का कद्र दिल से करें। ताकि मानवता जो है वह फिर से खिल उठे। परमात्मा को सतगुरु के द्वारा जाना जा सकता हैं। यह शरीर नश्वर है और इसे मिट्टी में ही मिल जाना है। भगवान हर जगह निरंकार रूप में विराजमान है सब कुछ है यही हैं,मानव शरीर एक बार मिला हैं बार-बार मिलने वाला नही हैं।अंत मे उन्होंने बताया कि आज में सुकून,कल में सुकून,सतगुरू के ज्ञान से हर पल में सुकून, हर इंसान को सिर्फ सुकून चाहिए।

चरपोखरी के जैतपुरा में भोजपुर के विभिन्न जगहों से संत महात्माओं ने भी अपने सगे संबंधियों के साथ बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। साथ ही सेवादल के भाई बहनों ने बुधवार के शाम से ही बहुत अच्छी तरह से साफ सफाई करने में अहम भूमिका निभाई। समागम स्थल को दुल्हन की तरह से सजाया गया था। समागम का कार्यक्रम चारपोखरी शाखा के मुखी शिवकुमार शर्मा के देखरेख में सम्पन्न हुआ। वहीं एकाउंटेंट महात्मा संतोष ठाकुर ने भी कई अहम जिम्मेदारी निभाई। सभी उपस्थित महात्माओं के लिए खाने पीने की भरपूर व्यवस्था की गई थी। इस मौके पर शिवकुमार राय, श्री प्रकाश गुप्ता, बलराम केशरी, इंचार्ज प्रदीप शर्मा, ओमप्रकाश ओमी जी,शशिकांत शर्मा, एमएम जोशी, वार्ड पार्षद ओमप्रकाश, सुरेन्द्र पण्डित, कन्हैया जी, बीरेन्द्र जी, कृष्णा जी सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

गोड्डा नगर थाना परिसर में लगी आग, 40 बाइक और एक सूमो जलकर खाक

गोड्डा, एजेंसी। गोड्डा नगर थाना परिसर में अचानक आग लगने से बड़ी संख्या में जब्त वाहन जलकर खाक हो गए. इस आग में एक टाटा सूमो और 40 बाइक पूरी तरह जल गई. आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है. पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है. जानकारी के अनुसार, थाना परिसर में जब्त वाहनों में अचानक आग लग गई. इससे पहले कि कोई कुछ सोच पाता और आग पर काबू पाया जाता, देखते ही देखते आग की लपटें तेज हो गईं. आग इतनी भयावह थी कि पूरे परिसर में अफरा तफरी मच गई. आग की लपटों ने वहां खड़ी गाड़ियों को पूरी तरह से अपनी चपेट में ले लिया जिसमें एक टाटा सूमो और 40 बाइक पूरी तरह जल कर खाक हो गए. आग को देखते ही थाना प्रभारी ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई, जिसके बाद अग्निशमन वाहन मौके पर पहुंचे और घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका.

जयराम महतो ने झारखंड में परिसीमन पर रखी अपनी राय, कहा- पहले जातीय जनगणना का निष्कर्ष आना जरूरी

रांची, एजेंसी। डुमरी से झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के विधायक जयराम महतो ने परिसीमन से पहले राज्य में जातीय जनगणना कराने और उसका निष्कर्ष को सामने लाने की बात की है. बुधवार को विधानसभा परिसर में विधायक जयराम महतो ने कहा कि जनसंख्या के हिसाब से विधानसभा सदस्यों की संख्या आरक्षित होनी चाहिए. झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के विधायक जयराम महतो ने कहा कि राज्य में बड़ी आबादी होने के बावजूद कुड़मी शुरू से उपेक्षित और प्रताड़ित है. राज्य के कुड़मियों ने हमेशा सिर्फ कुर्बानी दी है. लेकिन उनका हक और अधिकार नहीं मिला है. एनआरसी को लेकर विधायक जयराम महतो ने कहा कि झारखंड में एनआरसी से ज्यादा 1932 के खतियान पर आधारित स्थानीय नीति जरूरी है. विधायक जयराम महतो ने कहा कि राज्य में आदिवासियों की संख्या घटी है या नहीं, इसकी जानकारी नहीं है. लेकिन ऐसा लगता है कि आदिवासियों की आबादी प्रतिशत में कम हुआ है. 22 मार्च को आदिवासी संगठनों द्वारा झारखंड बंद पर विधायक जयराम महतो ने कहा कि जब किसी भी समाज की अस्मिता पर संकट आएगा तो आंदोलन होगा. उन्होंने एक सवाल का जवाब में कहा कि सदन में जो वाद विवाद होते हैं, जो मुद्दा उठता है, उसपर जांच कराकर कार्रवाई होनी चाहिए.

झारखंड विधानसभा में अवैध निकासी पर हंगामा

रांची, एजेंसी। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के 13वें दिन बुधवार को पेयजल विभाग में हुई अवैध निकासी को लेकर सत्ता पक्ष ने अपनी ही सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया। कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव ने सरकार के जवाब पर नाराजगी जताते हुए कहा, खोदा पहाड़, निकली चुहिया! उन्होंने प्रभारी मंत्री योगेंद्र प्रताप को चेताते हुए कहा कि सिर्फ जोर से बोलने से भ्रष्टाचार पर पर्दा नहीं डाला जा सकता। विवाद के केंद्र में उच्च वर्गीय लिपिक संतोष कुमार हैं, जो 15 वर्षों से एक ही स्थान पर पदस्थापित थे। संतोष ने अपने 27 पन्नों के स्पष्टीकरण में अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। विधायक प्रदीप यादव ने मांग की कि वित्त विभाग को स्पष्ट करना चाहिए कि इस मामले में अब तक क्या कार्रवाई हुई है। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि सरकार भ्रष्टाचार के मामले पर जीरो टॉलरेंस पर काम कर रही है। अवैध निकासी मामले में कोई पदाधिकारी बख्से नहीं जाएंगे। संतोष कुमार पर दो करोड़ 71 लाख अवैध निकासी का केस दर्ज हुआ है। वित्त विभाग के अंतरविभागीय सात सदस्यीय कमेटी की अनुशंसा के आलोक में वित्त विभाग के चार पदाधिकारी मनोज सिन्हा, सुनील सिन्हा, मनोज सिन्हा और मीरा कुमारी गुप्ता को सस्पेंड कर दिया गया है।प्रभारी मंत्री योगेंद्र प्रताप ने कहा कि पूर्व वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव ने इस मामले में एसीबी और सीआइडी जांच की अनुशंसा की थी। इस पर विधायक और पूर्व वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव ने कहा कि मैं 28 साल पुलिस विभाग में रहा। बिहार में सीआइडी का चीफ तीन साल रहा। सीआइडी का नाम भी है बदनाम भी। एक केस में फंसा दो, दूसरा धंसा दो और तीसरा दूध का दूध और पानी का पानी कर दो। निर्भर करता है कि इरादे क्या है और करना क्या चाहते हैं।

जैक मैट्रिक पेपर लीक मामला: कसता जा रहा कोडरमा पुलिस का शिकंजा

गिरिडीह, एजेंसी। मैट्रिक प्रश्न पत्र की चोरी फिर लीक के मामले में कोडरमा पुलिस का जांच अभी भी जारी है. अभी भी इस मामले में गिरिडीह शहरी आजीविका केंद्र स्थित स्ट्रांग रूम में प्रश्न पत्र को सीरियल नंबर से रखने वाले शिक्षकों से पूछताछ बाकी है.

25 फरवरी को मामला का पटाक्षेप करते हुए मुख्य आरोपी समेत छह को गिरफ्तार करने वाले कोडरमा एसडीपीओ अनिल कुमार सिंह और उनकी टीम ने अभी तक इस मामले में तिसरी बीडीओ मनीष, तिसरी अग्रवाल प्लस टू उच्च विद्यालय के केन्द्राधीक्षक रहे घनश्याम गोस्वामी, स्ट्रांग रूम के प्रभारी राहुल चंद्रा, स्ट्रांग रूम में तैनात पुलिस पदाधिकारियों के साथ साथ अन्यों से पूछताछ हुई है. अब मामले में शिक्षकों से पूछताछ बाकी है.

मजदूरों को नहीं किया गया चेक : अभी तक पुलिसिया अनुसंधान में एक बात साफ हो चुकी है कि प्रश्न पत्र को मालवाहक से स्ट्रांग रूम के अंदर रखने में घोर लापरवाही बरती गई. जिन मजदूरों को प्रश्न पत्र को मालवाहक से उतारने से लेकर स्ट्रांग रूम तक ले जाने का जिम्मा मिला था, उनकी चेकिंग ही नहीं गई. मजदूर जब प्रश्न उतारने के लिए पहली बार पहुंचे उस वक्त भी उन्हें चेक नहीं किया गया. वहीं, जब सभी प्रश्न पत्र स्ट्रांग रूम के अंदर रख दिए गए और मजदूर जाने लगे उस वक्त भी मजदूरों की चेकिंग नहीं की गई.

इस तरह की अन्य चूक भी एसडीपीओ अनिल कुमार सिंह को मिली है. ऐसे में सवालों के घेरे में स्ट्रांग रूम के प्रभारी, सुरक्षा कर्मियों, सुरक्षा में तैनात पुलिस

पदाधिकारी के साथ साथ कोषागार पदाधिकारी भी हैं. कहा जा रहा है जल्द ही कोडरमा पुलिस एक बार फिर से गिरिडीह पहुंचेगी और कइयों से पूछताछ करेगी. मैट्रिक परीक्षा के प्रश्न पत्र चोरी कर वायरल करने के मामले में अभी तक दस लोगों को जेल भेजा गया है. अभी इस मामले में अनुसंधान जारी है. कइयों से अभी आगे भी पूछताछ होगी. लापरवाही किसकी थी इसकी भी पड़ताल चल रही है. अनिल कुमार सिंह, एसडीपीओ, कोडरमा

क्या है पूरा मामला : यहां बता दें कि जैक द्वारा ली जा रही मैट्रिक की परीक्षा के दो विषय हिंदी और अंग्रेजी का प्रश्न पत्र पहले सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था. फिर जब दोनों विषय की परीक्षा हुई तो यह साफ हो गया कि वायरल प्रश्न पत्र और परीक्षा में मिले प्रश्न हूबहू हैं. ऐसे में जैक ने दोनों परीक्षा को रद्द कर दिया और गिरिडीह तथा कोडरमा डीसी को एसआईटी बनाते हुए मामले की जांच शुरू करने का निर्देश दिया. जिसके बाद दोनों जिला में एसआईटी का गठन किया गया.

कोडरमा एसआईटी में शामिल एसडीपीओ अनिल कुमार सिंह और डीएसपी रतिभान सिंह ने हरेक बिंदु पर जांच आरंभ की. पहले दो लोगों को गिरफ्तार किया गया. इनसे पूछताछ हुई तो अनिल सिंह की टीम ने गिरिडीह ने दबिश बनाना शुरू कर दिया अंततः गिरिडीह से ही मामले का पटाक्षेप हो गया. यहां से छह लोगों को पकड़ा गया जिसके बाद यह साफ हुआ कि प्रश्न पत्र की चोरी गिरिडीह शहरी इलाके में अवस्थित स्ट्रांग रूम में मालवाहक से पेपर रखने दौरान की गई. इस प्रकरण के बाद स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था की कलई ही खुल गई. अभी तक इस मामले में कोडरमा पुलिस ने दस लोगों को जेल भेजा है.

रागी पापड़ का स्वाद हजारीबाग के लोगों को बना रहा दीवाना, रंग लाई सिमडेगा की महिला की मेहनत

हजारीबाग, एजेंसी। रागी एक मोटा अनाज है. आमतौर पर लोग रागी के आटे के बारे में जानते हैं, लेकिन अब रागी के कई प्रोडक्ट्स बाजार में आ रहे हैं. उनमें से एक प्रोडक्ट की चर्चा इन दिनों हजारीबाग में खूब हो रही है. दरअसल, हजारीबाग में आयोजित एक कार्यक्रम में सिमडेगा जिला के कोलेबिरा निवासी महिला ने स्टॉल लगाया है. जहां महिला रागी के प्रोडक्ट की बिक्री कर रही हैं.

हजारीबाग के लोगों को भा रहा रागी का पापड़ : स्टॉल पर सिमडेगा की महिला कुलीन होरो रागी का पापड़ बेच रही हैं. जिसे खरीदने के लिए लोग उमड़ रहे हैं. हजारीबाग के लोगों को रागी के पापड़ का स्वाद काफी भा रहा है. इस कारण उनका प्रोडक्ट हाथों-हाथ बिक जा रहा है. आलम यह है कि उनका बनाया हुआ पापड़ पूरे राज्य भर में खूब बिक रहा है. जिससे कुलीन होरो को प्रसिद्धि भी मिल रही है और आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ हुई है.

योजना के तहत लिया था 4.30 लाख का लोन : कुलीन होरो ने बताया कि प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के तहत उन्होंने 4.30 लाख रुपये का लोन लिया था. 2024 के मार्च महीने में उन्होंने रागी का पापड़ बनाने का व्यवसाय शुरू किया. धीरे-धीरे व्यवसाय कुछ किस कदर बढ़ा कि उनकी पहचान भी बनती चली गई. इस व्यापार में कुलिन होरो के परिवार वालों ने उनकी काफी मदद की.

उन्होंने कहा कि रागी के पापड़ की डिमांड इतनी है कि अब डिमांड पूरा करना मुश्किल होता है. साथ ही व्यस्तता की वजह से बच्चों को समय नहीं दे पाती हैं. उन्होंने बताया कि वो अन्य महिलाओं को भी इस व्यवसाय से जोड़ना चाहती हैं. साथ ही अन्य महिलाओं को प्रेरित भी कर रही हैं कि प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना का लाभ लेकर खुद का व्यवसाय शुरूकरें.

मोटे अनाज के फायदे बताए : कुलिन होरे ने बताया कि रागी एक मोटा अनाज है. जिसे अंग्रेजी में फिंगर मिलेट भी कहते हैं. यह पोषक तत्वों से भरपूर होता है और इसे सुपरफूड भी कहा जाता है. रागी का इस्तेमाल रोटी, लड्डू और स्नैक्स बनाने में किया जाता है. रागी के कई फायदे हैं. इसे देखते हुए एक नया प्रोडक्ट बाजार में लॉन्च किया है.

बीजेपी विधायक ने की एक गलती और आग-बबूला हो गए स्पीकर, दे डाली चेतावनी

रांची, एजेंसी। झारखंड विधानसभा में बुधवार को शून्यकाल के दौरान पांकी के भाजपा विधायक कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने आसन पर पक्षपात का आरोप लगाया। विरोध में सूचना से संबंधित कागज फाड़ दिया। आसन पर विपक्ष को समय नहीं देने का आरोप लगाया, इस पर विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्रनाथ महतो नाराज हो गए।

विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्रनाथ महतो ने कहा कि अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आसन को कमजोर नहीं समझें। दरअसल, विधायक कुशवाहा शशिभूषण मेहता शून्यकाल के दौरान अपना प्रश्न पढ़ रहे थे। पढ़ते वक्त वे कुछ देर रुक गए। दो-तीन सेकेंड इंतजार करने के बाद स्पीकर ने कहा कि आपके प्रश्न को पढ़ा हुआ मान लिया गया।

विधानसभा अध्यक्ष ने इसी दौरान टुंडी के झामुमो विधायक मथुरा महतो को अपनी सूचना पढ़ने के लिए बोला, जिसके बाद वे खड़े भी हो गए। इसपर मेहता नाराज हो गए।

आसन पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि वे क्यों रात में 12 बजे शून्यकाल के लिए प्रश्न डालते हैं और यहां आकर बैठते हैं, जब पढ़ने के लिए वक्त ही नहीं दिया जाता। इसके बाद अपनी सूचना

को फाड़ दिया।

संसदीय कार्यमंत्री राधा कृष्ण किशोर ने इस पर कहा कि नियमानुसार प्रश्नकाल का प्रश्न 50 शब्द से अधिक नहीं होना चाहिए, लेकिन हम लंबा सवाल भी पढ़ते हैं। इसके बावजूद स्पीकर पूरी बात रखने देते हैं। सदन में इस तरह का व्यवहार ठीक नहीं। उन्होंने पक्ष और विपक्ष के विधायकों से ऐसा व्यवहार नहीं करने का आग्रह किया।

हटिया के भाजपा विधायक नवीन जायसवाल ने सदन में कहा कि हरमू हाउसिंग कॉलोनी में हेल्थ सेंटर की जमीन पर जलमीनार बनाया जा रहा है। यह जमीन हेल्थ सेंटर के लिए है।

इसे आवास बोर्ड ने जुडको को दे दिया है। इसका स्थानीय लोग विरोध कर रहे हैं। विरोध करने पर प्रशासन ने कई लोगों पर झूठी प्राथमिकी दर्ज करा दी है। उन्होंने जलमीनार दूसरी जगह बनाने का आग्रह किया।

खनन क्षेत्र में काम करने वाले मजदूर हो सकते हैं गम्भीर बीमारी के शिकार, जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

दुमका, एजेंसी। जिले में दर्जनों पत्थर खदानें और क्रशर संचालित हैं। इन खदानों में काम करने वाले मजदूर पत्थर के डस्ट के कारण गंभीर बीमारियों के शिकार हो सकते हैं। इसके लिए जरूरी है कि वे अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें। इसी के मद्देनजर मंगलवार को दुमका में खान सुरक्षा महानिदेशालय की ओर से स्वास्थ्य सह जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

खान सुरक्षा निदेशक की देखरेख में शिविर का आयोजन : खान सुरक्षा निदेशक, धनबाद साजेश कुमार, उपनिदेशक मिथलेश कुमार और दुमका उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे की उपस्थित में जिले में चल रहे पत्थर खदानों में कार्यरत श्रमिकों के लिए एक स्वास्थ्य सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उपायुक्त ने कहा कि दुमका जिले में स्टोन चिप्स का कारोबार इकलौता उद्योग है। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया जा सकता

है, ताकि इस क्षेत्र से मजदूरों के पलायन को कम किया जा सके।

उन्होंने कहा कि प्रायः यह देखा जाता है कि खनन क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों के स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर पूरी एहतियात नहीं बरती जाती है। जिस वजह से श्रमिक बीमार हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी समस्या खनन क्षेत्र में धूल से होती है। धूल के कारण श्रमिकों को सिलिकोसिस, बहरापन, फेफड़े में इनफैक्शन की समस्या होती है। आप इससे बचाव से संबंधित सभी मापदंडों का पालन करें। उन्होंने कहा कि किसी भी श्रमिक को खान कार्यों में लगाने से पूर्व उसकी मेडिकल जांच करवा लें ताकि यह मालूम हो कि वह पहले से किसी बीमारी में ग्रसित तो नहीं है। अगर ऐसा है तो उससे डस्ट फ्री क्षेत्र में ही कार्य करवाएं।

खान सुरक्षा निदेशक ने दी जानकारी : इसी क्रम में खान सुरक्षा निदेशक मध्य अंचल, धनबाद सागेश कुमार ने जांच शिविर में उपस्थित लोगों को महत्वपूर्ण बातों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि यह चिंता का विषय है कि अब तक झारखंड में लगभग 50 सिलिकोसिस के मरीज मिल चुके हैं। हमें इस बीमारी को फैलने से रोकने का कार्य करना है। इसके लिए खनन क्षेत्र में पानी के छिड़काव की व्यवसाय रखें। पूरे खनन क्षेत्र में पानी के छिड़काव मात्र से ही 80त्न डस्ट को रोका जा सकता है। कैप, मास्क का उपयोग अवश्य करें।

सिविल सर्जन ने दी जानकारी : दुमका के सिविल सर्जन डॉ बच्चा प्रसाद सिंह ने कहा कि दुमका के गोपीकांदर और शिकारीपाड़ा प्रखंड क्षेत्र के माइंस एरिया में लोगों के स्वास्थ्य की स्थिति काफी खराब है। यह डस्ट की वजह से होता है।

डस्ट में कार्य कर रहे लोगों को खांसी होना, छाती भारी होना, कान से सुनाई कम देना जैसी कई बीमारियां होती हैं। खनन कार्य में श्रमिकों को फुल बॉडी कवर करवा कर ही काम कराएं। सिविल सर्जन ने कहा कि प्रति तीन महीने में स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे और सभी श्रमिकों एवं ग्रामीणों का स्वास्थ्य जांच कराई जाएगी।

हजारीबाग को अब तक नहीं मिला स्थाई एसडीओ, बैद्यनाथ कामती बने तीसरे प्रभारी एसडीओ

हजारीबाग, एजेंसी। जिले के सदर अनुमंडल एसडीओ के पद पर किसी की नजर लग गई है. हजारीबाग को तीसरी बार प्रभारी एसडीओ मिला है. गौर किया जाए तो यह पद लोकसभा चुनाव के समय से ही सुर्खियों में है. सरकार ने हजारीबाग में सदर अनुमंडल पदाधिकारी के रूप में अशोक कुमार को पदस्थापित किया था. वे हजारीबाग के स्थायी निवासी थे. आदर्श आचार संहिता के नियमों के अनुसार उनका यहां से तबादला कर दिया गया था.

अशोक कुमार के बाद शैलेश कुमार हजारीबाग के अनुमंडल पदाधिकारी बने. 11 सितंबर 2024 को एसीबी ने उनके कार्यालय और ठिकानों पर छापेमारी की. जिसके बाद सरकार ने उनका तबादला कर दिया. शैलेश कुमार का तबादला होते ही अशोक कुमार को फिर से अनुमंडल पदाधिकारी की जिम्मेदारी सौंप दी गई. लेकिन फिर उन पर अपनी पत्नी को जिंदा जलाने का आरोप आया. जिसके बाद

कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया. गिरफ्तारी के बाद यह पद रिक्त हो गया.

अशोक कुमार की गिरफ्तारी के बाद जिले के एलआरडी राज किशोर प्रसाद को प्रभारी एसडीओ बनाया गया. इसके बाद लोकेश बरंगी भी सदर अनुमंडल के प्रभारी एसडीओ बने. अब तीसरी बार हजारीबाग जिला परिवहन पदाधिकारी बैद्यनाथ कामती को प्रभारी एसडीओ का प्रभार दिया गया है.

एसडीओ की बहाली नहीं होने से एसडीओ कोर्ट में चल रहे जमीन संबंधी मामलों का निपटारा नहीं हो पा रहा है. एसडीओ कोर्ट में मामलों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है. फाइल पर फाइल धूल फांक रही है. जिससे लोगों को परेशानी हो रही है. वहीं अधिवक्ता भी प्रतिदिन कोर्ट का चक्कर लगा रहे हैं. लेकिन उनके मामलों का निपटारा नहीं हो रहा है.

प्रभार लेने के बाद बैद्यनाथ कामती ने कहा कि उन्हें सदर अनुमंडल पदाधिकारी का प्रभार दिया गया है. हाल के दिनों में हजारीबाग में रामनवमी महापर्व और ईद है. इसको लेकर तैयारी चल रही है. सदर अनुमंडल क्षेत्र में विधि व्यवस्था बनी रहे. त्यौहार शांतिपूर्वक मनाए जाएं, यह पहली प्राथमिकता होगी.

सरहुल, रामनवमी और ईद को लेकर पुलिस ने शुरू की तैयारी

रांची, एजेंसी। मार्च और अप्रैल महीने में तीन ऐसे पर्व आने वाले हैं जिनमें दो में भव्य शोभायात्रा निकाली जाती हैं. वहीं तीसरे में नमाज अदा करने के लिए लोगों का हुजूम उमड़ता है. तीनों ही पर्वों के दौरान पुलिस को बेहद अलर्ट रहना पड़ता है. ऐसे में सरहुल, ईद और रामनवमी को लेकर रांची पुलिस ने अपनी सुरक्षा की प्लानिंग शुरू कर दी है.

ग्रामीण इलाके से शुरू हुई तैयारी

ईद, सरहुल और रामनवमी पर्व को लेकर रांची पुलिस ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं. बुधवार को रांची के ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल ने ग्रामीण इलाकों के सभी थानेदारों के साथ बैठक की, जिसमें तीनों महत्वपूर्ण त्योहारों को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए. अब तक की जानकारी के अनुसार 30 या 31 मार्च को ईद मनाया जा सकता है.

वहीं, एक अप्रैल को झारखंड का सबसे महत्वपूर्ण पर्व सरहुल को

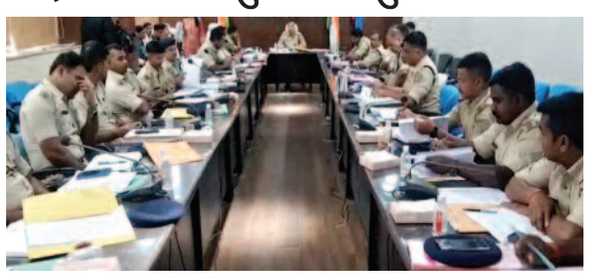

लेकर पूरे शहर में शोभायात्रा निकाली जाएगी, इसके बाद 06 अप्रैल को रामनवमी है, तीनों ही प्रमुख को लेकर रांची पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड में है. इसकी शुरुआत ग्रामीण इलाकों से की गई है. रांची के ग्रामीण एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने बताया कि सभी थानेदारों को अपने-अपने थानों में शांति समिति की बैठक करने का निर्देश दिया गया है इसके साथ ही ग्रामीण इलाकों के वैसे दागी जिन्होंने कभी ना कभी पर्व त्योहार के दौरान माहौल को खराब करने की कोशिश की है उन सभी पर नजर रखने के साथ-साथ 107 के तहत नोटिस भेजने का निर्देश दिया गया है.

रामनवमी और ईद को लेकर जिले के सांप्रदायिक तत्वों को चिन्हित किया जा रहा है. उन लोगों की सूची बनाई जा रही है जो सांप्रदायिक कांडों में संलिप्त रहे हैं. ऐसे कांडों में शामिल लोगों पर पुलिस ने थाना स्तर पर क्या कार्रवाई की है, इसके बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है. पूर्व में ईद, रामनवमी या सरहुल पूजा के दौरान वैसे लोग जिन्होंने किसी भी तरह का उपद्रव किया हो या अशांति फैलाने की कोशिश की है.

हरियाणा की तर्ज पर झारखंड में जल संचय में जुटी हेमंत सरकार, जल संसाधन विभाग के बजट पर मंत्री हफीजुल ने की बड़ी घोषणा

रांची, एजेंसी। राज्य में जल संकट को देखते हुए हेमंत सरकार हरियाणा की तर्ज पर झारखंड के तालाबों में जल संचय कर सिंचाई और पेयजल की आपूर्ति करेगी.इसकी घोषणा बुधवार 19 मार्च को विधानसभा के बजट सत्र के दौरान मंत्री हफीजुल हसन ने की. जल संसाधन विभाग के वित्तीय वर्ष 2025-26 के अनुदान मांगों पर सदन में हुई चर्चा के बाद मंत्री हफीजुल हसन सरकार की ओर से जवाब दे रहे थे.

उन्होंने कहा कि सिंचाई विभाग की योजना के तहत अब तक 5 एकड़ में बने तालाब को लिया जाता था, लेकिन सरकार ने अब इसे 2.5 एकड़ कर दिया है. इसके पीछे का मकसद यह है कि छोटे-छोटे तालाब बनाकर जल संचय किया जाए, ताकि लोगों को सिंचाई के साथ-साथ पेयजल की सुविधा उपलब्ध हो सके.इसके अलावे अब

नहर का सिस्टम सरकार ने खत्म करते हुए नदियों से अंडरग्राउंड पाइपलाइन बिछाने का निर्णय लिया है. जिससे जमीन अधिग्रहण की समस्या से निजात मिलेगी.

19 अरब, 11 करोड़, 71 लाख का बजट स्वीकृत : भोजनावकाश के बाद सदन की कार्यवाही दोपहर 2 बजे शुरू हुई. सरकार की ओर से जल संसाधन विभाग के बजट प्रस्ताव पर कटौती भाजपा के अमित यादव के द्वारा सदन में लाया गया. जिस पर दोनों पक्षों की ओर से जोरदार चर्चा हुई. कांग्रेस विधायक राजेश कच्छप ने बाबूलाल मरांडी के कार्यकाल में हुए लिफ्ट इरीगेशन कार्य की सराहना करते हुए कटौती प्रस्ताव के विरोध में बोलते नजर आए.

राजद विधायक ने की सराहना

वहीं राजद विधायक संजय सिंह यादव ने जल संसाधन विभाग के द्वारा पेश बजट की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि राज्य में लोगों को पेयजल के साथ-साथ किसानों को सिंचाई की सुविधा मुहैया करने में सरकार सफल होगी. वहीं विधायक जयराम महतो ने चर्चा में भाग लेते हुए डैमों के पानी औद्योगिक घरानों को मिलने पर चिंता जताते हुए कहा कि किसानों को सिंचाई के लिए पानी नहीं मिल पाता है. भाजपा विधायक राज सिन्हा ने जल संकट पर चिंता जताते हुए सरकार से जल आयोग के गठन की मांग की और सभी विभागों को समेकित रूप से इस समस्या से निजात पाने के लिए योजना बनाने की आवश्यकता जताई.

जल संकट पर एकमत दिखा सत्ता पक्ष और विपक्ष

सबसे खास बात यह रहा कि चर्चा के दौरान सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष जल संकट पर एकमत दिखे. अमूमन सरकार के जवाब के वक्त विपक्ष सदन से वॉक आउट करता है, लेकिन आज के कार्यदिवस की खासियत यह रही कि विपक्ष पूरे दिन भर बगैर कोई शोरगुल के बैठा रहा. अंत में सदन ने जल संसाधन विभाग के 19 अरब, 11 करोड़, 71 लाख 6 हजार का बजट प्रस्ताव स्वीकृति प्रदान की.

मंईयां सम्मान योजना में बीजेपी ने बढ़ाई टेंशन, अब क्या करेगी हेमंत सरकार?

धनसार (धनबाद), एजेंसी। 18 लाख 27 हजार 385 महिलाओं को मंईयां सम्मान योजना राशि नहीं मिलने का आरोप लगाते हुए बुधवार को भाजपा बस्ताकोला मंडल कार्यकर्ताओं ने अंबेडकर चौक पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया। सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

भाजपा नेताओं का कहना है कि सरकार को महिलाओं की भावना से नहीं खेलना चाहिए था। मंडल अध्यक्ष तरुण राय ने कहा कि हेमंत सरकार महिलाओं को आश्वासन देकर ठगने का काम कर रही है जो बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

प्रदेश मीडिया प्रभारी बप्पी बाउरी ने कहा कि सत्यापन का झूठा बहाना बनाकर गरीबों को छलने का काम किया गया है। राज्य सरकार इन सभी महिलाओं को मइंया सम्मान दें अन्यथा सड़क पर उतर कर आंदोलन को बाध्य होंगे। मौके पर रामदेव शर्मा, रिंकू सिंह, रूपेश गुप्ता, बलराम हरि, राहुल गुप्ता, प्रतिमा गिरी, संजय दास थे।झारखंड बीजेपी की प्रदेश प्रवक्ता राफिया नाज ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने दावा किया था कि 'मंईयां सम्मान योजना' के लिए बजट पूरी तरह से उपलब्ध है और बजट में झारखंड सरकार ने 1.45 लाख करोड़ रुपये का बजट मंईयां सम्मान के लिए पेश किया है।

सुभाषितम्

विजयी व्यक्ति स्वभाव से, बहिर्मुखी होता है। पराजय व्यक्ति को अन्तर्मुखी बनाती है। - प्रेमचंद

घर-घर में पैदा होगी बिजली, खेती की तरह स्थानीय स्तर पर होगी कमाई

भविष्य में भारतीय घरों के ऊपर बड़े पैमाने पर बिजली का उत्पादन तथा स्थानीय स्तर पर खपत होगी। अधिकांश घर ऊर्जा उत्पादकों के घर होंगे। घरों में स्वयं की ऊर्जा के अलावा बिजली का अतिरिक्त उत्पादन कर-के बिजली स्थानीय आधार पर बेची भी जा सकेगी। आईटी कंपनी इन्फोसिस के अध्यक्ष नंदन नीलेकणी ने यह दावा किया है। उनका कहना है, भविष्य में सौर ऊर्जा से भारतीयों को भारी कमाई हो सकती है। सौर ऊर्जा का स्टोर अब बैटरी में आसानी से हो सकता है। बैटरी में संग्रहित ऊर्जा को जरूरत के हिसाब से उपयोग में लाया जा सकता है। इसे ग्रिड के साथ जोड़कर जहां ऊर्जा की जरूरत है, वहां पर भी सप्लाई की जा सकेगी। आस-पास के घरों में बिजली सप्लाई संभव हो सकेगी। यह सब ईवी चार्जिंग के कारण संभव होगा। पिछले वर्षों में ऊर्जा से संबंधित 20 कंपनियों ने ओपन नेटवर्क लॉन्च किया है। सोलर पैनल से सौर ऊर्जा का उत्पादन तथा ईवी बैट्रीयों में संग्रहण करके बैटरी के माध्यम से ऊर्जा का लेन-देन भारत में स्थानीय स्तर पर काफी आसान हो जाएगा। डिजिटल भुगतान की तरह अब लोग आपस में ऊर्जा का लेन-देन कर सकेंगे। पुराने जमाने में जिस तरह से लोग ईंधन को अपनी आवश्यकता के अनुसार खरीदते थे, उसी तरह से अब बिजली को भी आवश्यकता अनुसार कभी भी, कहीं पर भी खरीदा और बेचा जा सकता है। सौर ऊर्जा का उपयोग विभिन्न माध्यमों से आवश्यकतानुसार किया जा सकता है। लकड़ी और गैस सिलेंडर का स्थान भी अब सौर ऊर्जा लेने जा रही है। अभी तक जनरेटर से ऊर्जा प्राप्त करने का एकमात्र तरीका था। भारत जैसे देश में जहां पर्याप्त मात्रा में सौर ऊर्जा उपलब्ध है। भारत में ऊर्जा का स्रोत और इससे होने वाली कमाई का तौर तरीका बदलने वाला है। निश्चित रूप से प्राकृतिक ऊर्जा सूर्य से प्राप्त हो रही है। इसकी लागत भी बहुत कम है। अभी जिस तरह की बैटरियां निर्मित हो रही हैं, उसमें सौर ऊर्जा को आसानी से संग्रहित करके रखा जा सकता है। जब सूरज की रोशनी नहीं होती है, उस समय भी निर्वाध रूप से बिजली प्राप्त की जा सकती है। घरों की छतों एवं खुले स्थान जहां पर सूर्य की रोशनी आसानी से पहुंच रही है वहाँ सोलर पैनल लगाकर, ईवी बेट्रियां रखकर उसमें ऊर्जा को संग्रहित कर स्थानीय स्तर पर नया कारोबार विकसित हो रहा है। वर्तमान स्थिति में स्थानीय स्तर पर खेती की तरह वैकल्पिक ऊर्जा के माध्यम से लोग स्थानीय स्तर पर ऊर्जा का कारोबार कर सकेंगे। अपने आर्थिक आधार को मजबूत कर सकेंगे। केंद्र सरकार और राज्य सरकारें जिस तरह के कानून बनाती हैं। सौर ऊर्जा के लिए जरूरी सोलर पैनल के ऊपर भारी आयातित शुल्क वसूल किया जाता है। नियम और कानून की इतनी जटिलताएं हैं, जिसके कारण भारत में सौर ऊर्जा जो सहज रूप से प्रकृति के माध्यम से उपलब्ध है उसका उपयोग और दोहन भारत में नहीं हो पा रहा है। सरकार को ऊर्जा के रूप में भारी विदेशी मुद्रा कच्चे तेल के आयात और ऊर्जा से संबंधित अन्य उपकरणों को मंगाने में खर्च करनी पड़ती है। बड़ी मात्रा में भारत सरकार को गैस भी आयात करनी पड़ती है। इसमें भारत सरकार को भारी विदेशी मुद्रा खर्च करना होती है। भारत में पूरे वर्ष सौर ऊर्जा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। केंद्र सरकार को इस दिशा में ध्यान देने की जरूरत है। आर्थिक मंदी और अर्थव्यवस्था की कमजोर हालत को देखते हुए, सौर ऊर्जा का उपयोग भारत सरकार की प्राथमिकता में होना चाहिए। सोलर पैनल और बेट्रियां उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार यदि युद्ध स्तर पर प्रयास करती है, तो इसके बहुत अच्छे परिणाम भारत में देखने को मिलेंगे। लाखों युवा और युवतियों को स्थानीय स्तर पर रोजगार भी उपलब्ध होगा। पर्याप्त मात्रा में भारत के अंदर सौर से जो ऊर्जा प्राप्त होगी, उसके बाद विदेशों से कच्चा तेल आयात कम से कम करना पड़ेगा। खाना पकाने एवं अन्य कार्यों में भी जहां बड़े पैमाने पर ऊर्जा की जरूरत होती है, उसकी भरपाई भी सौर ऊर्जा के माध्यम से संभव है।

चिंतन-मनन

धर्म क्या है?

धर्म के मुख्यतः दो आयाम हैं। एक है संस्कृति, जिसका संबंध बाहर से है। दूसरा है अध्यात्म, जिसका संबंध भीतर से है। धर्म का तत्व भीतर है, मत बाहर है। तत्व और मत दोनों का जोड़ धर्म है। तत्व के आधार पर मत का निर्धारण हो, तो धर्म की सही दिशा होती है। मत के आधार पर तत्व का निर्धारण हो, तो बात कुरूप हो जाती है। एक संत आता है। भीतर की गुफा में जाकर धर्म के तत्व अध्यात्म को जानता है। फिर वह चला जाता है। फिर मत बचा रहता है। उसके आधार पर एक संस्कृति विकसित होती है। संस्कृति के फूल खिलते हैं। काल प्रम में संस्कृति मुख्य हो जाती है। अध्यात्म गौण हो जाता है। और फिर एक संत को, एक जीवित संत को इस धरती पर आना पड़ता है। फिर से अंगारे जलाने होते हैं। फिर से दीप जलाना होता है। जो दीप कभी जला था, उसके आधार पर जो गीत रह गए थे, वे पुराने पड़ जाते हैं। फिर से एक नया दीपक जलता है। नई रोशनी आती है। नया गीत फूटता है। नई नदी बहती है। सब कुछ नूतन हो जाता है। तो कहूँगा कि तुम जानो या न जानो, तुम सब धर्म के मार्ग पर ही हो। कोई व्यक्ति ऐसा नहीं हैं, जो धर्म के मार्ग पर नहीं है। यह और बात है कि उसे पता है, या नहीं पता है। लेकिन धर्म का तत्व क्या है? धर्म का उद्गम क्या है? कहाँ पहुँचना है हमें? गंतव्य कहाँ है? उस बात को बताने के लिए ही संत इस धरती पर आता है। स्वामी विवेकानंद जी भी आए। और ये याद दिलाने के लिए आता है संत कि तुम कौन हो? अमृतस्य पुत्रा?। तुम राम-कृष्ण की संतान हो। तुम कबीर और गुरुनानक की संतान हो। तुम बुद्ध और महावीर की संतान हो। तुम क्यों दीन-हीन और दरिद्र जैसा जीवन जी रहे हो? क्यों अशांत हो, क्यों दुःखी हो? अपना स्वरूप हम भूल गए हैं। करीब-करीब ऐसे ही हम जीवन जीते हैं अपने वास्तविक स्वरूप को भूलकर।

नफरत, असमानता एवं नस्लीय भेदभाव से लड़ें

ललित गर्ग

नस्लवाद मानवता के माथे पर एक बदनुमा दाग है, यह सिर्फ. उन लोगों के जीवन को ही नुकसान नहीं पहुंचाता जो इसे झेलते हैं, बल्कि पूरे समाज को भी नुकसान पहुंचाता है। हम सभी भेदभाव, विभाजन, अविश्वास, असहिष्णुता, घृणा और नफरत से भरे समाज में जीतते नहीं, बल्कि हारते हैं। नस्लवाद के खिलाफ लड़ाई हर किसी की लड़ाई है। नस्लवाद से परे एक दुनिया बनाने में हम सभी की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसी उद्देश्य से जनजागृति का माहौल बनाने के लिये प्रतिवर्ष 21 मार्च को विश्व स्तर पर नस्लवाद के खिलाफ उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाते हैं और दक्षिण अफ्रीका में 1960 के शार्पविले नरसंहार के पीड़ितों को याद करते हैं। हम उन लोगों की आवाज एवं दर्द सुनते हैं जो नस्लवाद के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों में शामिल थे। यह दिवस नस्लीय भेदभाव को खत्म करने और समानता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है और नस्लवादी विचारों और प्रथाओं के खिलाफ चल रही लड़ाई को रेखांकित करता है, ताकि नस्लीय अलगाव से मुक्त वैश्विक समझ और एकता को बढ़ावा देते हुए नस्लमुक्त आदर्श एवं समानतामूलक दुनिया का निर्माण किया जा सके। किसी व्यक्ति के साथ उसकी त्वचा के रंग, नस्ल, जातीय मूल या जन्म के देश के आधार पर भेदभाव करना नस्लीय भेदभाव कहलाता है। नस्लीय भेदभाव के जरिए लोगों को समान अवसरों से वंचित किया जाता है या उनका अपमान किया जाता है। नस्लवाद, विदेशी लोगों के प्रति घृणा और उससे संबंधित भेदभाव और असहिष्णुता सभी समाजों में, हर जगह मौजूद हैं। 21 दिसंबर, 1965 को, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने संकल्प 2106 (एक्सएक्स) के माध्यम से सभी प्रकार के नस्लीय भेदभाव के उन्मूलन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को अपनाया, जो नस्लवाद को मिटाने के वैश्विक प्रयास में एक महत्वपूर्ण कदम था। इस वर्ष सभी प्रकार के नस्लीय भेदभाव के उन्मूलन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की 60वीं वर्षगांठ है। संयुक्त राष्ट्र की प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संधियों में से पहली के रूप में, नस्लीय भेदभाव के उन्मूलन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ने भविष्य के मानवाधिकारों की उन्नति के लिए मंच तैयार किया। 60वीं वर्षगांठ नस्लीय भेदभाव के खिलाफ की गई प्रगति पर चिंतन करने और मौजूदा चुनौतियों पर प्रकाश डालने का आान करती है। यह समानता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने और नस्लवाद को खत्म करने के प्रयासों को जारी रखने का समय है, ताकि

सभी व्यक्तियों, समाजों के लिए समान व्यवहार एवं समानतामूलक विश्व की संरचना सुनिश्चित हो सके। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत में नस्लीय भेदभावमुक्त समाज को निर्मित करने के लिये प्रतिबद्ध है। मोदी सरकार चाहती है कि नस्लवाद किसी भी स्थिति में और अवश्य ही समाप्त होना चाहिए। और हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि हर नस्ल, जाति, रंग, लिंग, पंथ में रुचि रखने वाले लोग एक-दूसरे से सुरक्षित और आपस में संबंधित है, जिससे कि हमारा आने वाला कल सौहार्दपूर्ण तथा समावेशी विकास को बढ़ावा देने वाला हो। बावजूद इसके पूर्वोत्तर राज्यों एवं अन्य समाजों में नस्लीय भेदभाव पसरा है। नस्ल प्रभावित लोगों के खिलाफ बढ़ रही आपराधिक घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण हैं। ये घटनाएं न सिर्फ राजधानी में इन राज्यों के लोगों के प्रति बढ़ती असहिष्णुता की स्थिति को दशार्ती हैं, बल्कि यहां कानून-व्यवस्था के हालात पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करती हैं। विगत एक वर्ष में दिल्ली में पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों के खिलाफ विभिन्न थानों में बड़ी संख्या में मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें जहां हत्या, हत्या के प्रयास, अपहरण जैसे गंभीर आपराधिक मामले बड़ी संख्या में हैं, वहीं महिलाओं के खिलाफ दुष्कर्म, दुष्कर्म के प्रयास, छेड़छाड़, फोन पर फब्तियां कसने व घूरने जैसी घटनाओं को लेकर दर्ज किए गए, मामलों की संख्या भी कम नहीं है। यही नहीं, दिल्ली पुलिस की साइबर सेल के पास सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर नस्लीय टिप्पणियां किए जाने संबंधी मामले भी आ रहे हैं। इस तरह तेजी से बढ़ती आपराधिक घटनाएं राजधानी में पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों में असुरक्षा का भाव पैदा कर रही हैं जो गंभीर चिंता का विषय है। ये स्थितियां भारत के नस्लीय भेदभाव के विरोध और अश्वेतों को समान अधिकार और प्रतिष्ठा दिए जाने की वकालत को भी धुंधलाती है। क्या कारण है कि देश के भीतर के सामाजिक विभाजन एवं नस्लीय भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाने के बावजूद उसे मिटा नहीं रहे हैं। भले ही ऐसी वारदातें पुलिस की नजर में छोटी हों लेकिन राष्ट्रीय अस्मिता एवं गौरवपूर्ण संस्कृति के लिये चिन्ताजनक है। तेजी से बढ़ता नस्लीय हिंसक दौर किसी एक प्रान्त का दर्द नहीं रहा। इसने हर भारतीय दिल एवं भारत की आत्मा को जख्मी बनाया है। अब इन हिंसक होती स्थितियों को रोकने के लिये प्रतीक्षा नहीं, प्रक्रिया आवश्यक है।

देश में कई विसंगतिपूर्ण एवं भेदभावपूर्ण धाराएं बलशाली हो रही हैं, जिन्होंने जोड़ने की जगह तोड़ने को महिमामंडित किया हैं, प्रेम, आपसी भाईचारे और सौहार्द की जगह नफरत, द्वेष एवं विघटन को हवा दी। शायद यही वजह है कि भारत में अब भी लोग हर तरह के वर्ग और समुदाय के साथ घुल-मिलकर रहना सीख नहीं पाए हैं। उनके अचेतन में बिठा दिए गए पूर्वाग्रह समय-समय पर खतरनाक ढंग से सामने आते रहते हैं। एक आधुनिक और सभ्य समाज का लक्षण यह है कि वह अलग-अलग धाराओं से आने वाले लोगों और विचारों को खुले मन से स्वीकारें। आज राजनेता अपने स्वार्थों की चादर ताने खड़े हैं अपने आपको तेज धूप से बचाने के लिये या सत्ता के करीब पहुंचने के लिये। सबके सामने एक ही अहम सवाल आ खड़ा है कि ह्यजो हम नहीं कर सकते वो तुम कैसे करोगे ?ह्व लगता है इसी स्वार्थी सोच ने, आग्रही पकड़ ने, राजनीतिक स्वार्थ की मनोवृत्ति ने देश को इंसानों को नस्ल, भाषा, रंग, धर्म के भेदभावों की आग में झोंक रखा है।

इक्कींसवी सदी का आदमी हवा में उड़ने लगा है, चांद पर चहलकदमी करने लगा है, ग्रह-नक्षत्रों की दुनिया में झांकने लगा है, यंत्र मानव का निर्माण करने लगा है, अपनी अधिकांश समस्याओं का समाधान कम्प्यूटर-कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) से पाने लगा है, लेकिन इंसान इंसान के बीच के भेदभाव को मिटाने की दिशा में अभी भी यथोचित सफलता नहीं मिली है। यही कारण है कि नस्लीय, लैंगिक, जातीय, भाषायी भेदभाव खड़े हैं। नस्लीय भेदभाव एक गहरा मुद्दा बना हुआ है जो अल्पसंख्यक समूहों को प्रभावित करता है। रूढ़िवादिता, पूर्वाग्रह और प्रणालीगत नस्लवाद असमान अवसरों, संसाधनों तक सीमित पहुंच और शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवा में व्यापक असमानताओं का बड़ा कारण हैं।

बिहार में खाकी पर बार, निशाने पर सरकार

कुमार कृष्णन

कुछ दिनों में बिहार के अलग-अलग जिलों में पुलिस टीम पर लगातार हमले हो रहे हैं पहले अररिया और उसके बाद मुंगेर में भी छापेमारी के लिए गई टीम पर ग्रामीणों ने हमला किया था। इस हमले में पहले अररिया और बाद में मुंगेर में पुलिस सहायक अबर निरीक्षक की मौत हो गई थी। मुंगेर में एक विवाद को सुलझाने गए सहायक अबर निरीक्षक संतोष सिंह को गांव वालों ने धारदार हथियार से हमला कर मार डाला। उसके दूसरे ही दिन मुंगेर के हवेली खड़गपुर थाना क्षेत्र के फसियाबाद में डायल 112 के पुलिस जवानों पर फिर हमला हुआ। इस हमले में एक सिपाही गंभीर रूप से जख्मी हो गया, जबकि अन्य कई पुलिस वाले ग्रामीणों के पथराव से घायल हो गए। तीन दिनों के अंदर तीसरी घटना मुजफ्फरपुर में हुई, जहां थाने पर उपद्रवियों ने पथराव किया। भागलपुर के अंतीचक थाने इलाके में भी पुलिस पर हमला हुआ। बालू माफिया से पुलिस की भिड़ंत की खबरें भी आती ही रहती हैं। शराब की सूचना पर पहुंचने वाली पुलिस भी अक्सर पिटती है। पुलिस पर सरेआम यह आरोप लगता है कि भले ही राज्य में शराबबंदी है, लेकिन पुलिस की मिलीभगत से हर जगह शराब उपलब्ध है। मुख्य मंत्री हर जगह कहते हैं कि बिहार में कानून का राज है, लेकिन यह जुमला ही सावित है रहा है। बिहार की कानून व्यवस्था को लेकर कर विपक्ष लगातार सरकार पर हमलावर है। राष्ट्रीय जनता दलके नेतृत्व वाले महागठबंधन के नेता और पूर्व उप मुख्य मंत्री तेजस्वी यादव तो पिछले कई महीनों से लगातार क्राइम बुलेटिन जारी करते रहे हैं। आम आदमी को निशाना बनाने में अपराधी अब तनिक भी संकोच नहीं करते। जनता के रक्षक भी असुरक्षित हैं। यह तीन दिनों में उन पर हमले की तीन घटनाओं से समझा जा सकता है। तेजस्वी यादव अगर इसके लिए नीतीश कुमार को जिम्मेवार ठहराते हैं तो इसमें बचाव की भी कोई गुंजाइश नहीं बचती। व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में लूट की घटनाएं भी धड़ल्ले से हो रही हैं। भोजपुर में तनिष्क शो रूप से लूट ने सबको चौंका दिया है। इस बातावरण एवं अव्यवस्था का मूल का इंसान का नैतिक पतन, भ्रष्टाचार, एवं ऐश- मौज, भोग-विलास की प्रवृत्ति है! जो लोग ब्रिटिश शासन काल एवं कांग्रेस 1990 के शासन काल की बात करते हैं वे भूल जाते हैं कि मंडल आंदोलन के पहले समाज के कुछ हीं जाति के व्यक्तियों को सम्मान के साथ जीने का अधिकार था। श्री बाबू से लेकर, केवी सहाय से जगन्नाथ मिश्र के शासनकाल में दलित पिछड़ो की सवर्णों एवं पुलिस के सामने क्या हैसियत थी किसी से छिपी नहीं थी। आज भी जो कुछ हो रहा वह समाज एवं देश की लिए शुभ नहीं है किन्तु पुलिस प्रशासन, सामान्य, प्रशासन, राजनीतिक प्रशासन यहाँ तक की मीडिया, न्यायपालिका जितना भ्रष्ट एवं वेईमान एवं निर्लज्ज हो चुकी है उसी का, परिणाम है अपराधियों का मनोबल इतना बढ़ चुका! सच्चाई है कि पुलिस द्वारा अपराधियों एवं भ्रष्टाचारियों को ही संरक्षण दिया जाता है तथा उसी संरक्षण के कारण उसका मनोबल बढ़ा हुआ है! आज के दिन कुछ अपबादों को छोड़ शायद ही कोई आइएएस, मंत्री या कोई महत्वपूर्ण पदाधिकारी , नेता ईमानदार है!

बिहार के पूर्णिया में पुलिस अधीक्षक दयाशंकर को निलंबित किया गया। उस पर आरोप था कि दयाशंकर ने ही भ्रष्टाचार का पांव पसारते हुए क दरअसल ऐसी स्थिति हाल के दिनों में ही नहीं उत्पन्न हुई है। सच तो यह है कि 2020 से ही ऐसे हालात बने हुए हैं। शायद ही कोई महीना बीतता हो, जब पुलिस पर हमले की घटना न हो। हत्या, लूट जैसी घटनाएं रोजमर्रा की बात हो गई हैं। यह सब उसी बिहार में हो रहा है, जहां 2005 से ही नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार चलती रही है। क्राइम कंट्रोल के नीतीश कुमार के तरीके को देख कर बिहार की जनता ने 2010 आते-आते उन्हें सुशाशन कुमार और सुशासन बाबू कहना शुरू किया था। बिहार के सुशासन की सर्वत्र चर्चा होने लगी थी। नीतीश कुमार ने 2013 में एनडीए छोड़ दिया। तब से ही कमोबेश यही स्थिति बनी हुई है। पहले नीतीश कुमार की हनक थी। उनका आदेश पुलिस और दूसरे महकमों के अफसरों के लिए ब्रह्म वाक्य होता था। बड़े-बड़े अपराधी जेलों में ठूंस दिए गए थे। बचे अपराधियों ने बिहार छोड़ना ही मुनासिब समझा। उनका ठिकाना दूसरे राज्य बन गए। तब नीतीश की सख्ती ऐसी थी कि उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दे रखा था कि किसी अपराधी की पैरवी अगर कोई जनप्रतिनिधि भी करने आए तो उनकी नहीं सुनना है। अफसरों ने भी सख्ती और ईमानदारी दिखाई। बिहार में क्राइम कंट्रोल हो गया और नीतीश की सख्ती की सर्वत्र सराहना होने लगी। नीतीश अगर बार-बार कहते हैं कि 2005 के पहले शाम के बाद कोई घर से निकलता था जी तो इसकी यही वजह कि उनकी सख्ती से बाद के दिनों में अपराधियों के होश फाख्ता हो गए थे। राजद नेता तेजस्वी यादव और जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर के अनुसार -नीतीश कुमार से बिहार संभल नहीं रहा। ये दोनों नीतीश कुमार की मानसिक स्थिति पर भी सवाल उठाते हैं। उन्हें बीमार और लाचार मुख्य मंत्री ठहराने का तेजस्वी को अगर मौका मिला है तो इसकी वजह सिर्फ कानून व्यवस्था की दिन प्रतिदिन बिगड़ती जा रही स्थिति है। राज्य के सुदूर इलाकों को छोड़ भी दें तो जिस पटना में सत्ता और शासन के सर्वोच्च लोग बैठते हों, वहां भी अपराध बेकाबू हैं। रोज ब रोज हत्या, फायरिंग और बम विस्फोट जैसी घटनाएं आम हो गई हैं। छिनतईबाज तो शहरों में कुकुरमुत्ते की तरह उग आए हैं। समाजसेवी विक्रम कांत के अनुसार उनकी पत्नी बर्षा ऋतु ट्रेन से उतर कर ओवर ब्रिज की पहली सीढ़ी पर चढ़ने लगी किसी गिरोह ने गले का चेन झपट लिया। राजकीय रेल पुलिस थाना में प्राथमिकी लिखाने गयी तो टाल मटोल कर कहा गया कि सीसीटीवी देखिए। जहां पर चेन खींचा गया वहां दिखाने जब कहा गया तो रेल पुलिस ने कहा वहां पर कैमरा नहीं है फिर कहा कि बड़ा बाबू से मिलिए। उसी वक्त सबौर की एक महिला प्रिया का भी चेन खींच गया। दोनों जीआरपी थाने में पहुंची थी। यह स्थिति है भागलपुर स्टेशन का। सभी अधिकारी लोग जानते हैं कि कौन खींचा है। यहां पर इस तरह का गिरोह सक्रिय है रोज ऐसी घटनाएं घट रही है और इससे सभी पदाधिकारी लोग वाकिफ हैं।

वृक्षों के बिना, जीवन की कल्पना करना मुश्किल

संजय गोस्वामी

मानवता और पृथ्वी के अस्तित्त्व हेतु वनों और पेड़ों के महत्त्व के विषय में जागरूकता बढ़ाने के लिये प्रत्येक वर्ष 21 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस मनाया जाता है। इसे विश्व वन दिवस या वर्ल्ड फॉरेस्ट्री डे के रूप में भी जाना जाता है। यह दिवस वनों के महत्व और उनके संरक्षण के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए मनाया जाता है। इस दिवस का हम सभी के जीवन में बहुत महत्व रखता है, क्योंकि वनों का अस्तित्व मानव के अस्तित्व से भी जुड़ा हुआ है। वन हमारे जीवन के विभिन्न पहलुओं को प्रभावित करते हैं। वृक्षों के बिना, जीवन की कल्पना करना मुश्किल हैपृथ्वी पर एक जटिल पारिस्थितिकी तंत्र हैं जिसमें पेड़ , झाड़ियाँ, घास और बहुत कुछ शामिल हैं। वनों के घटक जो पेड़ और पौधे हैं, वनों का एक बड़ा हिस्सा बनाते हैं। इसके अलावा, वे एक स्वस्थ वातावरण बनाते हैं ताकि जानवरों की विभिन्न प्रजातियाँ प्रजनन कर सकें और वहाँ खुशी से रह सकें। इसलिए, हम देखते हैं कि कैसे जंगल जंगली जानवरों और पक्षियों के लिए एक निवा स्थान हैं। वन्यजीवों के लिए उपयोगी होने के अलावा, वन मानव जाति को बहुत लाभ पहुँचाते हैं और उनका बहुत महत्व है।वनों का महत्ववन पृथ्वी के एक महत्वपूर्ण क्षेत्र को कवर करते हैं। वे किसी भी क्षेत्र के लिए एक महान प्राकृतिक संपत्ति हैं और उनका बहुत महत्व है। उदाहरण के लिए, वन हमारी लकड़ी, ईंधन, चारा, बांस और बहुत कुछ की सभी जरूरतों को पूरा करते हैं। वे हमें कई तरह के उत्पाद भी देते हैं जो बहुत ज्यादा वाणिज्यिक और औद्योगिक मूल्य रखते हैं। जंगल हमें कागज, रेयान, गोंद, औषधीय दवाओं और अन्य जैसे विभिन्न उत्पादों के लिए बड़ी संख्या में कच्चे माल देते हैं। इसके अलावा, जंगल एक महत्वपूर्ण आबादी के लिए रोजगार का एक प्रमुख स्रोत भी हैं। उदाहरण के लिए, लोग उनकी सुरक्षा, कटाई , पुनर्जनन, कच्चे माल के प्रसंस्करण और बहुत कुछ में शामिल हैं।इसके अलावा, वन हमारे ग्रह की भौतिक विशेषताओं को संरक्षित करने के लिए काफी हद तक जिम्मेदार हैं। वे मिट्टी के कटाव की निगरानी करते हैं और इसे होने से रोकते हैं। इसके अलावा, वे नदियों को निरंतर बहने देकर बाढ़ को कम करते हैं। इससे, बदले में, हमारी कृषि को काफी हद तक मदद मिलती है।सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वन्यजीवों के लिए आवास हैं। वे उन्हें आश्रय और भोजन प्रदान करते हैं। इसलिए, वनों की रक्षा करना और हरियाली तथा टिकाऊ भविष्य के लिए वन क्षेत्र को बढ़ाना बहुत महत्वपूर्ण है। सुधार, जब हम वन क्षेत्र की बात करते हैं, तो हमारा तात्पर्य केवल नए पेड़ लगाने से नहीं होता, बल्कि क्षरित वन भूमि में सुधार से भी होता है। इमारती लकड़ी और गैर-लकड़ी वनों की मांग को पूरा करने के लिए, हमें वन क्षेत्र को बढ़ाने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है।जंगल खत्म हो रहे हैं और पेड़ों की कटाई तेजी से हो रही है। इंसानों की दूसरी जरूरतों को पूरा करने के लिए हम बड़ी तस्वीर को भूल रहे हैं। लोगों को वन क्षेत्र को कम करने के बजाय उसे बढ़ाने के लिए कदम उठाने चाहिए। सरकार को पेड़ों की कटाई को नियंत्रित करना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष दिन अच्छा है। कारोबार में आपकी कोई डील फाइनल हो सकती है। आपके धन में वृद्धि के योग बने हैं।	**तुला** दिन फायदेमंद है और आपके सभी विवाद दूर होंगे। आपको धन सम्मान के मामले में लाभ होगा।
वृषभ आज लाभ होगा और आपका मन नई योजनाओं में लगेगा। मन को शांति मिलेगी।	**वृश्चिक** आज आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। आपको दिनभर लाभ के अवसर मिलेंगे।
मिथुन आज दिन रचनात्मक है। आप किसी कलात्मक काम को पूरा करने में दिन बिता सकते हैं।	**धनु** सावधान रहने की जरूरत है। बिजनस में थोड़ा जोखिम उठाने से आपको बड़ा फायदा हो सकता है।
कर्क दिन फलदायी है। आप जो भी काम मन लगाकर करेंगे, उसका फल आपको तुरंत मिल सकता है।	**मकर** दिन सामान्य है। आपके लिए सफलता के संयोग बन रहे हैं। आपके धन सम्मान में वृद्धि होगी।
सिंह आज करियर में लाभ होगा और आपके धन में वृद्धि के योग हैं। सिंह राशि वालों के लिए दिन व्यस्त रहेगा।	**कुंभ** धन के मामले में लाभ और तरक्की से भरा होगा। मौसम बदलने से आपकी सेहत बिगड़ सकती है।
कन्या आज करियर में लाभ का दिन है और आपको सफलता प्राप्त होने से मन काफी प्रसन्न होगा।	**मीन** आपकी सभी योजनाएं सफल होंगी। बिजनस में जोखिम उठाने से आपको फायदा होगा।

विशेष

किसानों के साथ विश्वासघात...?

पंजाब के शंभू और खनौरी बॉर्डर पर पिछले 13 महीनों से धरने पर बैठे किसानों को भगवंत मान सरकार ने सुनियोजित तरीके से हटाते हुए दोनों मोर्चों पर बुलडोजर चलवा दिया है। इससे पहले किसानों की केंद्रीय मंत्रियों के साथ हुई सातवें दौर की वार्ता विफल रही। इसी के साथ अगली बातचीत की तारीख भी बता दी गई, लेकिन यहां मान सरकार ने हाईवे खोलने के लिए किसान मोर्चा हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी। पंजाब पुलिस ने शंभू और खनौरी बॉर्डर पर कार्रवाई करते हुए कई किसानों को हिरासत में भी लिया, जिनमें से कई को पटियाला सेंट्रल जेल भेजा गया है। पुलिस ने जगजीत डलेवाल, सरवण सिंह पंढेर समेत अनेक किसान नेताओं को डिटेन किया था। इंटरनेट सेवाएं भी प्रभावित हुई, विशेष रूप से संगरूर और पटियाला जिलों में। इस पर किसान संयुक्त मोर्चा (एसकेएम) ने जहां पंजाब सरकार द्वारा किसान नेताओं की गिरफ्तारी की सख्त निंदा की वहीं कांग्रेस और भाजपा समेत अन्य दलों ने इस कार्रवाई को किसानों के साथ आप का विश्वासघात करार दिया है।

रेखा सरकार का एक महीना और काम

दिल्ली में 27 सालों बाद सत्ता में वापसी करने वाली भाजपा सरकार को एक महीना पूरा हो गया है। भाजपा ने जीत के साथ ही राजधानी दिल्ली को विकसित और विश्वस्तरीय बनाने का संकल्प लिया था। अब विपक्षी दलों के साथ ही राजनीतिक विश्लेषक भी दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता के कार्यों को लेकर सवाल खड़े कर रहे हैं, जिनके जवाब में बताया जा रहा है कि रेखा सरकार ने पहले ही महीने में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1779 अंग्रजों ने टीपू सुल्तान से बेंगलोर छीना. 1827 स्पेन में भूकम्प से छह हजार से अधिक लोग मरे. 1837 आस्ट्रियाई फोजें इटली में विद्रोह का दमन करने पहुँची. 1836 पहला सार्वजनिक पुस्तकालय कलकत्ता में खुला . 1884 फ्रोस मे श्रमिक संघों को वेधता प्रदान की गई. 1905 ब्रिटेन व फ्रांस ने रूस के खिलाफ एक समझौता किया. 1927 भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का ध्वज स्वीकार किया गया. 1939 जर्मनी ने लिथुआनिया से मेमेल अपने अधिकार मे ले लिया. 1960 दक्षिण अफ्रीका के शार्यविले में सत्तावन लोग मारे गये और आपातकालीन की घोषणा कर दी गई. 1977 आपात स्थिति को वापस ले ली गई. 1977 श्रीमति इन्दिरा गाँधी ने चुनाव हारने के बाद इस्तीफा दिया. 1992 पनडुब्बी शंकुल' का जलावतरण. 1996 भारतीय उपग्रह आई. आर.एस.- पी3 का श्रीहरिकोटा का सफल परीक्षण. 1999 सऊदी अरब का परिवहन विमान में दुर्घटनाग्रस्त जिसमें 98 लोग मारे गए. 2000 उग्रवादियों ने दक्षिण कश्मीर में 35 सिकक्खों की हत्या कर दी.

दैनिक पंचांग

21 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

शुक्रवार 2025 वर्ष का 80 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** सप्तमी 04.24 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** ज्येष्ठा 01.46 बजे रात्र को समाप्त। **योग** सिद्धि (असृक) 18.42 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 15.40 बजे तदनन्तर बव 04.24 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 21.0 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 00° 15' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872290 **जूलियन दिन** 2460755.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रमजान **तारीख** 20 **विशेष** शीतला सप्तमी।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मीन	05.44 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	मेष	07.18 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृष	08.58 बजे से
बुध	मीन में	मिथुन	10.56 बजे से
गुरु	वृष में	कर्क	13.10 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	15.26 बजे से
शनि	कुंभ में	कन्या	17.38 बजे से
राहु	मीन में	तुला	19.48 बजे से
केतु	कन्या में	वृश्चिक	22.03 ब.से
राहुकाल		धनु	00.19 बजे से
10.30 से		मकर	02.24 बजे से
12.00 बजे तक		कुंभ	04.11 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

कई सारी शारीरिक समस्याओं की वजह बन सकता है हल्दी वाले दूध का अधिक सेवन

हमारी रसोई में उपलब्ध हल्दी वो औषधि है, जो देसी नुस्खों और उपायों में रामबाण के तौर पर इस्तेमाल की जाती है। एंटीऑक्सीडेंट और एंटीइंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर हल्दी का सेवन बेहद लाभकारी माना गया है लेकिन कहते हैं न कि एक निश्चित मात्रा से अधिक औषधि का सेवन भी जहर के समान है, हल्दी दूध के अधिक सेवन में भी यही बात लागू होती है।

अगर सेहत बनाने के लिए आप भी हल्दी वाले दूध का सेवन कर रहे हैं तो आपको इससे होने वाले नुकसान के बारे में भी जान लेना चाहिए। दरअसल, हल्दी वाले दूध का अधिक सेवन कई सारी शारीरिक समस्याओं की वजह बन सकता है, तो वहीं कुछ विशेष परिस्थिति में तो ये घातक भी हो सकता है। तो चलिए जान लेते हैं कि आखिर हल्दी वाले दूध के अधिक सेवन से किस तरह की शारीरिक समस्याएं पेश आ सकती हैं।

शरीर में आयरन की कमी

आप पौष्टिकता के लिए हल्दी वाले दूध का सेवन करते हैं लेकिन आपको पता होना चाहिए इसकी अधिकता के कारण शरीर में आयरन की कमी हो सकती है। दरअसल, हल्दी में पाए जाने वाले करक्यूमिन नामक कंपाउंड, शरीर में आयरन के अवशोषण में बाधा बनता है। इसलिए जो लोग आयरन की कमी से जूझ रहे हैं, लोगों को खासतौर पर सीमित मात्रा में हल्दी वाले दूध का सेवन करना चाहिए।

लिवर की समस्या

हल्दी वाले दूध के सेवन का कारण लिवर की समस्या भी हो सकती है। असल में हल्दी में मौजूद करक्यूमिन लिवर में सूजन पैदा करता है, जिसके कारण लिवर की समस्या हो सकती है।

पेट की समस्याएं

हल्दी वाले दूध का अधिक सेवन शरीर के पीएच को प्रभावित करता है, जिसके कारण पेट में गैस और अपच की समस्या बढ़ सकती है। इसलिए अगर आप पेट की समस्या से पीड़ित हैं तो आपको हल्दी वाले दूध का सेवन से बचना चाहिए।

गर्भवती महिलाओं के लिए हानिकारक

हल्दी वाले दूध का सेवन गर्भवती महिलाओं के लिए हानिकारक माना जाता है। एक्सपर्ट की माने तो हल्दी के अधिक सेवन से गर्भाशय में ऐंठन, दर्द हो सकता है। वहीं कई बार इसके चलते ब्लीडिंग की भी समस्या हो जाती है। इसीलिए डॉक्टर्स प्रेग्नेंट महिलाओं को हल्दी वाले दूध के सेवन से बचने की सलाह देते हैं।

शरीर में एलर्जी की प्रतिक्रिया

वहीं हल्दी दूध के अधिक सेवन से आपको एलर्जिक रिएक्शन भी हो सकते हैं, दरअसल हल्दी में पाए जाने वाले कंपाउड्स के चलते कुछ लोगों को स्किन पर रैशेज और सांस लेने में दिक्कत भी होती है। इसलिए अगर आपकी बॉडी एलर्जिक है तो आपको हल्दी वाले दूध के सेवन से परहेज करना चाहिए।

मेनिनजाइटिस इंफ्लामेशन काफी खतरनाक साबित हो सकती है। यह इंफेक्शन के कारण होता है। अगर इसका इलाज ना किया जाए तो शरीर की कुछ क्षमताएं खत्म हो सकती हैं। इसलिए इसके लक्षणों को कभी नजरअंदाज ना करें।

3 चीजों से बनता है मेनिनजाइटिस तुरंत चाहिए इलाज

दिमाग को बॉडी का प्रमुख कहा जाता है। यह शरीर के बाहरी और अंदरुनी सारे काम कंट्रोल करता है। अगर इसमें कोई भी खराबी आ जाए तो शरीर में भी खराबी आने लगती है। मेनिनजाइटिस भी दिमाग और स्पाइनल कॉर्ड से जुड़ी समस्या है। इसके अंदर दिमाग और स्पाइनल कॉर्ड के आसपास के मेंब्रेन में इंफ्लामेशन आ जाती है। इसमें मरीज को तुरंत इलाज की जरूरत पड़ती है वरना शरीर कई काम करने बंद कर सकता है। यह बीमारी काफी खतरनाक है, इस कारण वर्ल्ड मेनिनजाइटिस डे की तारीख 24 अप्रैल से 5 अक्टूबर बदल दी गई। ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इसमें शामिल हो सकें।

मेनिनजाइटिस होने के पीछे इंफेक्शन होते हैं। यह वायरल, बैक्टीरियल और फंगल इंफेक्शन की वजह से हो सकता है। वायरल इंफेक्शन सबसे ज्यादा मेनिनजाइटिस के लिए जिम्मेदार देखा गया है। हालांकि दूसरे इंफेक्शन ज्यादा खतरनाक रूप ले सकते हैं।

मेनिनजाइटिस के लक्षण

इसके लक्षण कारण पर निर्भर करते हैं। हालांकि, कुछ आम संकेत निम्नलिखित हैं, जो किसी और बीमारी के कारण भी हो सकते हैं।

- भूख मरना
- चिड़चिड़ापन
- उल्टी
- डायरिया
- सांस की दिक्कत
- सिरदर्द
- बुखार
- गर्दन में अकड़न
- लाइट से सेंसिटिविटी
- ज्यादा नींद आना

बच्चों में मेनिनजाइटिस

यह इंफ्लामेशन छोटे बच्चों को भी हो सकती है। उनके अंदर निम्नलिखित लक्षण दिख सकते हैं।

- बुखार
- शरीर में अकड़न
- तेज रोना
- बच्चा शांत ना होना
- ज्यादा सोना
- चल ना पाना
- चिड़चिड़ापन

शरीर ये काम कर देता है बंद

मेनिनजाइटिस के कारण शरीर को काफी नुकसान झेलना पड़ सकता है। अगर इसका इलाज ना किया जाए तो सुनने की क्षमता, याददाश्त, देखने की क्षमता कम हो जाती है। इसकी वजह से दौरा पड़ना, माइग्रेन, ब्रेन डैमेज, सबड्यूरल एम्पायमा, हाइड्रोसेफालस भी हो सकता है।

फैल भी सकता है मेनिनजाइटिस

मेनिनजाइटिस संक्रामक भी हो सकता है। इसके कुछ प्रकार एक मरीज से दूसरे मरीज तक फैल सकते हैं। मरीज के खांसने, छींकने या चुंबन लेने से यह स्वस्थ व्यक्ति को संक्रमित बना सकता है। इंफेक्शन फैलाने वाले मरीजों में यह वायरस या बैक्टीरिया अक्सर गले या नाक में मौजूद रहता है।

सिर दर्द की समस्या से छुटकारा पाने के लिए अपनाए ये घरेलू उपाय

अक्सर सिरदर्द की समस्या से कई लोग झूझते रहते है। ज्यादातर काम-काज का प्रेशर रहने से सिरदर्द जैसी परेशानी होती है तनाव, पर्याप्त नींद नहीं लेना, ज्यादा शोर, फोन पर ज्यादा देर बात करना, ज्यादा सोचना, थकावट, सिर में रक्तप्रवाह कम होना जैसे कई कारणों से अक्सर हम सिरदर्द जैसी परेशानी से झूझते है। नियमित दो बार 10-20 मिनट ध्यान करने से शरीर व मन दोनों को आराम मिलता है। सिर में रक्तप्रवाह बढ़ता है। जिसके कारण आप सिरदर्द की परेशानी में राहत मिलती है। सिर दर्द की समस्या से छुटकारा पाने के लिए बेहतर होगा की आप शरीर को डिहाइड्रेट होने से बचाए जिससे बचने के लिए अच्छा होगा की आप पर्याप्त मात्रा में पानी पिए जिससे आप खुद को सिरदर्द की परेशानी से बचा सकते है। मसल्स और शरीर में खिंचाव रहने से भी सिर दर्द होता है ऐसे में बेहतर होगा की आप थोड़े-थोड़े अंतराल पर स्ट्रेचिंग करें ऐसा करना बेहतर होगा। इन उपायों को करके आप सिरदर्द की परेशानी में राहत पा सकते है। सिरदर्द की परेशानी से तुरंत राहत पाने के लिए योग कारागार उपाय है। शरीर में ऑक्सीजन की कमी से भी आप सिरदर्द जैसी समस्या में आराम पा सकते है।

न जिम-न डाइटिंग, हल्दी से अंदर धंसेगी लटकती तोंद

अगर आप सोच रहे हैं कि हल्दी का उपयोग सिर्फ खाने का स्वाद और रंग बढ़ाने तक सीमित है, तो आप गलत हैं। यह एक ऐसा मसाला है, जो पेट की जिद्दी चर्बी को खत्म करने की ताकत रखता है, बस आपको इस्तेमाल करना आना चाहिए।

वजन कम करने के लिए लोग कुछ भी करने को तैयार रहते हैं। लेकिन सर्दियों के दिनों में वजन कम करना बहुत मुश्किल होता है। लगातार बैठे रहने से पेट की चर्बी तो निकल जाती ही है लेकिन पेट के साथ-साथ जांघें और कमर भी मोटी दिखने लगती है। बहुत से लोग कमर और पेट के आकार को कम करने के लिए जिम जाकर घंटों एक्सरसाइज नहीं कर पाते हैं। वजन कम करने के लिए क्या करें? पेट और कमर की चर्बी कम करने और सुडौल शरीर पाने के लिए आप किचन में रखे मसालों का इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर बात करें मसालों की तो इनमें हल्दी एक ऐसा जादुई मसाला है, जो पेट की चर्बी को काटने का काम करता है। खाने को स्वाद और रंग देने वाले इस मसाले को आप वजन कम करने वाले हथियार के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। चलिए जानते हैं कि आप वजन घटाने के लिए हल्दी का उपयोग कैसे कर सकते हैं।

पेट की चर्बी का नामोनिशान मिटा सकती है हल्दी

एक अध्ययन के अनुसार, हल्दी वजन घटाने के लिए फायदेमंद है। पशु अध्ययनों से पता चला है कि हल्दी में एक शक्तिशाली यौगिक करक्यूमिन होता है, जो फैट बर्न करने का काम करता है। वजन कम करने में असमर्थ 44 लोगों पर किए गए एक अध्ययन से पता चला कि दिन में दो बार 800 मिलीग्राम करक्यूमिन लेने से उनका बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) कम हो गया। इसके अलावा कमर और कूल्हे की चर्बी भी कम हुई।

हल्दी के गुण

कच्ची हल्दी में एंटीबैक्टीरियल, एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-फंगल गुण होते हैं। इसमें विटामिन सी, पोटैशियम, प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, कॉपर, जिंक, थायमिन, राइबोफ्लेविन होता है। ये पोषक तत्व शरीर को शारीरिक समस्याओं से बचाते हैं।

वजन घटाने के लिए हल्दी वाला पानी कैसे तैयार करें?

- मोटापा कम करने के लिए आप कच्ची हल्दी को गर्म पानी में उबालकर पी सकते हैं। इस मिश्रण का खाली पेट सेवन करने से आपको तेजी से वजन घटाने में मदद मिल सकती है।
- इसके लिए 2 गिलास पानी में कच्ची हल्दी के टुकड़े डालकर उबाल लें
- जब एक गिलास पानी बचे तो आंच बंद कर दें और पानी को छानकर एक गिलास में निकाल लें
- सुबह खाली पेट सबसे पहले इसका सेवन करें।
- अगर आप हल्दी वाला पानी नहीं पीना चाहते तो आप हल्दी वाले दूध का सेवन कर सकते हैं

हाइड्रेट और रीहाइड्रेट करने का सबसे अच्छा तरीका है पानी

पानी सबसे जरूरी पोषक तत्व है और पानी पीने के ढेरों फायदे हैं. वास्तव में पानी को जीवन के लिए अमृत कहा गया है। ऐसे में जरूरी है कि आप पानी से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों के बारे में जानें क्योंकि पानी मनुष्य के शरीर का 70 फीसदी हिस्सा बनाता है और शरीर की हर कोशिका को हाइड्रेट, डीटॉक्स करता है, शरीर का तापमान सामान्य बनाए रखकर जीवनशैली को स्वस्थ बनाता है।

प्यास लगना डीहाइड्रेशन का संकेत है, इसलिए जरूरी है कि आप दिन भर पानी पीते रहें। डीहाइड्रेशन के कारण शरीर में ऊर्जा का स्तर कम हो जाता है और इम्यून सिस्टम (बीमारियों से लड़ने की ताकत) कमजोर पड़ जाता है। वे लोग जो अधिक सक्रिय रहते हैं, शारीरिक व्यायाम करते हैं, खेलते हैं, उनमें पसीना ज्यादा बहता है, ऐसे में उनके लिए अपने शरीर को नियमित रूप से हाइड्रेट करना बहुत जरूरी है। शरीर से पानी ज्यादा निकल जाने से क्रैम्प्स पड़ने लगते हैं और शरीर लेक्टेट को बफर करने में सक्षम नहीं रहता। अक्सर देखा जाता है कि एथलीट्स और बॉस्केटबॉल खिलाड़ियों को हाइपरथर्मिया हो जाता है या पानी की कमी एवं बहुत ज्यादा डीहाइड्रेशन के चलते उनका ब्लड प्रेशर गिर जाता है। ऐसी स्थिति में रीहाइड्रेट करना बहुत जरूरी है। अगर आपमें डायरिया, कम पानी पीना, पेट में फ्लू, बहुत ज्यादा दवाएं लेना जैसी स्थितियां हैं या आपने पिछली रात ज्यादा शराब का सेवन किया है तो ऐसे में शरीर को रीहाइड्रेट करना बहुत अधिक महत्वपूर्ण होता है। रीहाइड्रेशन ओरल माध्यम से या इन्ट्रावीनस तरीके से किया जा सकता है। हममें से ज्यादातर लोग पानी पीने पर ठीक से ध्यान नहीं देते। दिन भर चलने वाले वर्चुअल मीटिंग्स, असाइनमेन्ट और घर के कामों के बीच अक्सर हम पानी पीना भूल जाते हैं। ऐसी स्थिति में हमें अपने पास पानी की बोतल रख या हेल्थ ऐप के जरिए रिमाइंडर लगाकर बार-बार पानी पीते रहना चाहिए।

कोशिका की संरचना में पानी का महत्व

कोशिकाओं को स्वस्थ बनाए रखने के लिए पानी जरूरी है, यह बालों, त्वचा और नाखुनों की कोशिकाओं का अभिन्न हिस्सा है। पानी कोलाजन के उत्पादन में मदद कर कोशिकाओं की उम्र बढ़ने से रोकता है। इसके अलावा, पानी जोड़ों एवं रीढ़ की हड्डी को स्वस्थ बनाए रखने के लिए भी जरूरी है क्योंकि पानी शरीर में लुब्रिकेन्ट की भूमिका निभाता है, जिसके परिणामस्वरूप जोड़ों के बीच फ्रिक्शन कम होता है।

शरीर का तापमान बनाए रखने में मदद करता है

शरीर का तापमान सामान्य बनाए रखने के लिए तरल का संतुलन बहुत महत्वपूर्ण होता है। आपके शरीर में एंजाइम ठीक से काम करते रहें, इसके लिए शरीर का तापमान सामान्य बना रहना बहुत जरूरी है, अगर ऐसा नहीं होगा तो शरीर के सभी काम रूक जाएंगे।

पाचन में मदद करता है

अक्सर लोग ये सवाल पूछते हैं 'पानी पीने का सही समय क्या है? खाना खाने से पहले? खाना खाने के बाद? खाना खाने के दौरान? इन तीनों समय में पानी पीने से भोजन को पचाने में मदद मिलती है। पानी पीने से सलाईवा यानि लार की सही मात्रा बनती है, लार में इलेक्ट्रोलाईट, म्यूकस और एंजाइम होते हैं जो भोजन पचाने में मदद करते हैं और मुख के स्वास्थ्य को सामान्य बनाए रखते हैं। भोजन का पाचन मुख में ही शुरू हो जाता है और उम्र बढ़ने के साथ लार का उत्पादन कम मात्रा में होने लगता है। अगर आपको महसूस हो रहा है कि आपका मुंह सूख रहा है तो ज्यादा मात्रा में पानी पीना शुरू कर दें।

शरीर में फैट यानि वसा को बर्न करने में मदद करता है

कई अध्ययनों में पाया गया है कि पानी का सेवन सही मात्रा में करने से शरीर की वसा को बर्न करने में मदद मिलती है, इस तरह यह वजन कम करने में भी मददगार है।

टैरिफ से मंदी-अस्थिरता का खतरा पर भारत मजबूत

● प्रवासी भारतीय पैसे भेजने में खाड़ी देशों से आगे

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी मजबूती बनाए हुए है, जो कृषि क्षेत्र के अच्छे प्रदर्शन और उपभोग (खपत) में सुधार से साफ दिखता है। यह जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मार्च महीने के बुलेटिन में दी गई है। आरबीआई के स्टेट ऑफ द इकोनॉमी लेख में कहा गया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को इस समय व्यापारिक तनाव और अनिश्चितता की लहरों का सामना करना पड़ रहा है। बढ़ते टैरिफ (आयात शुल्क) के कारण वैश्विक बाजारों में अस्थिरता बढ़ी है और इससे वैश्विक आर्थिक वृद्धि में मंदी की आशंका भी बनी हुई है।

भारतीय अर्थव्यवस्था बनी मजबूत- इन चुनौतियों के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था मजबूती दिखा रही है। इसका मुख्य कारण कृषि क्षेत्र का अच्छा प्रदर्शन और उपभोग (खपत) में सुधार है। हालांकि, वैश्विक स्तर पर बढ़ती अनिश्चितता के कारण विदेशी निवेशक भारतीय बाजार से पैसा निकाल रहे हैं।

महंगाई घटी, अर्थव्यवस्था को राहत- आरबीआई के लेख में यह भी बताया गया है कि भारत की आर्थिक स्थिति को मजबूती देने में महंगाई में आई गिरावट भी मददगार साबित हुई है। फरवरी 2025 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई दर सात महीने के निचले स्तर 3.6 प्रतिशत पर पहुंच गई, जिसका मुख्य कारण खाद्य पदार्थों की कीमतों में गिरावट है। हालांकि, आरबीआई ने यह भी स्पष्ट किया कि यह लेख लेखकों के व्यक्तिगत विचार हैं और यह केंद्रीय बैंक (आरबीआई) का आधिकारिक दृष्टिकोण नहीं दर्शाता।

विकसित अर्थव्यवस्थाओं में रहने वाले प्रवासी भारतीयों ने पैसे भेजने में खाड़ी देशों को पीछे छोड़ा- अमेरिका और ब्रिटेन जैसे विकसित देशों में रहने वाले प्रवासी भारतीयों ने भारत में पैसा भेजने के मामले में 2023-24 में खाड़ी देशों को पीछे छोड़ दिया है। आरबीआई के बुधवार को जारी मार्च बुलेटिन के मुताबिक, प्रवासी भारतीयों ने 2010-11 में भारत में 55.6 अरब डॉलर भेजे थे। यह राशि दोगुना होकर 2023-24 में 118.7 अरब डॉलर पहुंच गई। यह देश के वस्तु व्यापार घाटे के करीब आधे हिस्से की भरपाई करता है और इस अवधि में बाहरी झटकों को झेलने में बड़ी भूमिका निभाई है। बुलेटिन के मुताबिक, विदेश में रहने वाले प्रवासी भारतीयों की संख्या 1990 के 66 लाख से तिगुना होकर 2024 में 1.85 करोड़ पहुंच गई। इस दौरान वैश्विक प्रवासियों में भारतीयों की हिस्सेदारी भी 4.3 फीसदी से बढ़कर 6 फीसदी पहुंच गई। भारत के कुल रेमिटेंस में अमेरिका की हिस्सेदारी सबसे अधिक रही। यह 23.4 फीसदी से बढ़कर 2023-24 में 27.7 फीसदी हो गई। यूएई 19.2 फीसदी के साथ दूसरा सबसे बड़ा स्रोत है।

दुनियाभर में इस साल 23,154 कर्मचारी निकाले गए

2022-24 के दौरान 5.82 लाख लोगों की नौकरी छिनी

नईदिल्ली, एजेंसी। दुनियाभर की टेक कंपनियों में छंटनी का दौर जारी है। इन कंपनियों ने इस साल अब तक 23,154 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला है। इसकी प्रमुख वजह...कमाई घटना, लागत में बड़े स्तर पर कटौती और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को तेजी से अपनाना है। दुनियाभर में होने वाली छंटनी पर नजर रखने वाली कंपनी लेऑफ्स डॉट एफवाईआई के मुताबिक, इस साल छंटनी की शुरुआत 6 जनवरी से हुई, जब इस्राइल की कंपनी सोलरएज ने 400 कर्मचारियों को निकाल दिया। ओला इलेक्ट्रिक ने भारत में 1,000 कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया। मेटा ने इस साल अब तक सबसे ज्यादा 3,600 लोगों को नौकरी से निकाला है।

एआई से बेहतर प्रदर्शन का दबाव-एआई को अपनाने के कारण कर्मचारियों पर बेहतर प्रदर्शन का दबाव बढ़ गया है। मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने कर्मचारियों को भेजे इंटरनल नोट में कहा, वे प्रदर्शन प्रबंधन के स्तर को बढ़ाना चाहते हैं। कम प्रदर्शन करने वालों को तेजी से बाहर निकाला जाएगा और उनके स्थान पर नए कर्मचारियों की नियुक्ति होगी। वहीं, हैवलेट पैकर्ड इंटरप्राइज (एचपीई) ने कहा, लागत घटाने की योजना के तहत यह छंटनी की जा रही है। इससे कंपनी को 35 करोड़ डॉलर की बचत होगी।

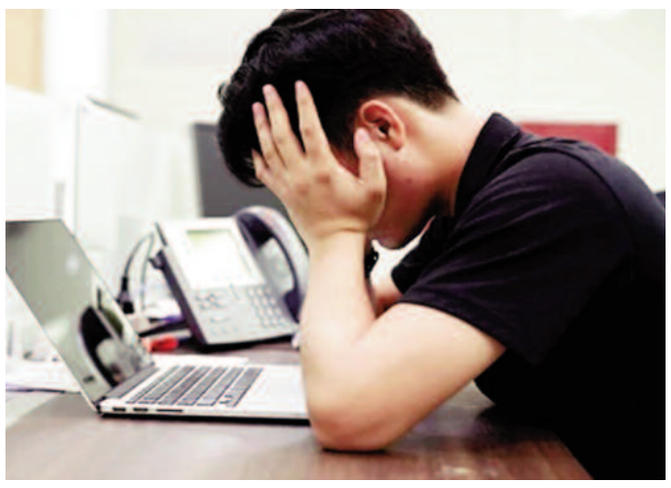

लागत में कटौती का हवाला देते हुए दुनियाभर की टेक कंपनियों ने इस साल 23,154 कर्मचारियों को निकाल दिया है। बड़े पैमाने पर नौकरी छिनने का एक कारण लागत में बड़े स्तर पर कटौती है तो दूसरी तरफ एआई को तेजी से अपनाने के कारण भी कंपनियां छंटनी कर रहीं हैं। साल 2022 से 2024 के बीच 5,81,961 लोगों की नौकरियां गई हैं। 2023 में सर्वाधिक 2,64,220 कर्मचारियों की छंटनी हुई है।

दुनियाभर की टेक कंपनियों में छंटनी का दौर जारी है। इन कंपनियों ने इस साल अब तक 23,154 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला है। इसकी प्रमुख वजह...कमाई घटना, लागत में बड़े स्तर पर कटौती और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को तेजी से अपनाना है। दुनियाभर में होने वाली छंटनी पर नजर रखने वाली कंपनी लेऑफ्स डॉट एफवाईआई के मुताबिक, इस साल छंटनी की शुरुआत 6 जनवरी से हुई, जब इस्राइल की कंपनी सोलरएज ने 400 कर्मचारियों को निकाल दिया। ओला इलेक्ट्रिक ने भारत में 1,000 कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया। मेटा ने इस साल अब तक सबसे ज्यादा 3,600 लोगों को नौकरी से निकाला है।

एआई से बेहतर प्रदर्शन का दबाव

एआई को अपनाने के कारण कर्मचारियों पर बेहतर प्रदर्शन का दबाव बढ़ गया है। मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने कर्मचारियों को भेजे इंटरनल नोट में कहा, वे प्रदर्शन प्रबंधन के स्तर को बढ़ाना चाहते हैं। कम प्रदर्शन करने वालों को तेजी से बाहर निकाला जाएगा और उनके स्थान पर नए कर्मचारियों की नियुक्ति होगी। वहीं, हैवलेट पैकर्ड इंटरप्राइज (एचपीई) ने कहा, लागत घटाने की योजना के तहत यह छंटनी की जा रही है। इससे कंपनी को 35 करोड़ डॉलर की बचत होगी।

2,000 लोगों को नौकरी से निकालेगी मॉर्गन स्टेलनी

मॉर्गन स्टेनली इस महीने के अंत में करीब 2,000 नौकरियों में कटौती कर सकती है ।यह कंपनी के सीईओ टेड पिक के नेतृत्व में छंटनी का पहला दौर होगा।

एम्मार को खरीदने की तैयारी में अडानी समूह, अप्रैल तक डील पूरी होने की उम्मीद

नईदिल्ली, एजेंसी। रियल एस्टेट सेक्टर में गौतम अडानी समूह एक बड़ी डील की तैयारी में है। अडानी समूह दुबई स्थित डेवलपर एम्मार ग्रुप की भारतीय इकाई को 1.4 अरब डॉलर के संभावित उद्यम मूल्य पर खरीदने के लिए बातचीत कर रहा है। यह डील अप्रैल तक पूरी होने की उम्मीद है।

क्या है प्लान

सूत्रों की मानें तो अडानी समूह और एम्मार की ओर से ट्रांजैक्शन स्ट्रक्चर पर चर्चा किया जा रहा है। इस ट्रांजैक्शन में अडानी की एक गैर-सूचीबद्ध इकाई द्वारा लगभग 400 मिलियन डॉलर की इक्विटी का निवेश शामिल हो सकता है। सूत्रों के अनुसार अप्रैल तक समझौता हो सकता है लेकिन वार्ता जारी रहने के कारण समझौते की कोई गारंटी नहीं है। हालांकि, अडानी समूह और एम्मार की ओर से किसी तरह की प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। इससे पहले एम्मार ने जनवरी में कहा था कि वह एम्मार इंडिया लिमिटेड में हिस्सेदारी की संभावित बिक्री के बारे में अडानी सहित भारत के कुछ समूहों के साथ चर्चा कर रहा है।

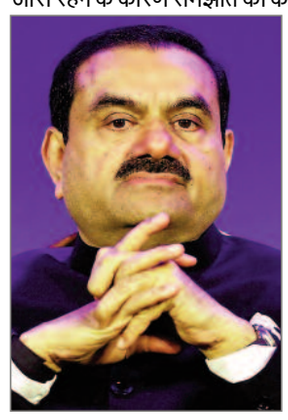

अडानी के पोर्टफोलियो का होगा विस्तार- एम्मार इकाई के अधिग्रहण से भारत में अडानी के रियल एस्टेट पोर्टफोलियो का विस्तार होगा। एम्मार इंडिया नई दिल्ली, पंजाब, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान सहित स्थानों पर आवासीय और वाणिज्यिक परियोजनाएं विकसित कर रही है। इसकी वेबसाइट के अनुसार कंपनी में 24 मिलियन स्क्वायर फुट संपत्ति शामिल है और 61 मिलियन स्क्वायर फुट क्षेत्र विकासाधीन है। ब्लूमबर्ग न्यूज ने इस महीने बताया कि अडानी परिवार की रियल एस्टेट इकाई अनुमानित 360 अरब रुपये के साथ मुंबई में सबसे बड़ी आवासीय परियोजनाओं में से एक को पुनर्विकास करने के लिए शीर्ष बोलीदाता के रूप में उभरी है। आपको बता दें कि अडानी समूह पहले से ही एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्तियों में शामिल धारावी का पुनर्विकास कर रहा है। धारावी पुनर्विकास परियोजना प्राइवेट लिमिटेड (अब नवभारत मेगा डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड) में समूह की 80 प्रतिशत हिस्सेदारी है जबकि बाकी हिस्सेदारी राज्य सरकार की है।

नवरत्न आईआरएफसी का शेयर डिविडेंड रिकॉर्ड डेट से पहले उछला

नईदिल्ली, एजेंसी। नवरत्न पीएसयू स्टॉक इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉर्पोरेशन का शेयर प्राइस गुरुवार को 2.26 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ गया, क्योंकि डिविडेंड रिकॉर्ड डेट नजदीक है। 20 मार्च को सुबह 9-30 बजे, ह्स्श्र पर आईआरएफसी के शेयर 131.39 प्रति शेयर पर ट्रेड कर रहे थे। आज सुबह 130.50 रुपये पर खुलने के बाद आईआरएफसी के शेयर 131.85 रुपये तक उछले। इसके बाद दोपहर सवा 12 बजे के करीब 0.56 पर्सेंट की तेजी के साथ 128.82 रुपये पर आ गए। पिछले 5 ट्रेडिंग सेशन में इस स्टॉक ने 8 प्रतिशत से ज्यादा का उछाल देखा है।

आईआरएफसी के दूसरे इंटरिम डिविडेंड की डिटेल्स- 17 मार्च को, आईआरएफसी के बोर्ड ने चालू वित्तीय वर्ष के लिए 10 फेस वैल्यू वाले प्रति इक्विटी शेयर पर 0.80 का दूसरा इंटरिम डिविडेंड देने की घोषणा की। कंपनी ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा, 17 मार्च 2025 को हुई बोर्ड मीटिंग में, कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए प्रति शेयर 0.80 का दूसरा इंटरिम डिविडेंड देने का फैसला किया है।

● **रिकॉर्ड डेट 21 मार्च 2025 को-** कंपनी ने यह भी बताया कि डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट 21 मार्च 2025 (शुक्रवार) तय किया गया है। कंपनी ने कहा, 10 मार्च 2025 के पत्र के अनुसार, दूसरे इंटरिम डिविडेंड के लिए शेयरधारकों की पात्रता तय करने का रिकॉर्ड डेट 21 मार्च 2025 (शुक्रवार) है। डिविडेंड की घोषणा के 30 दिनों के भीतर शेयरधारकों को भुगतान किया जाएगा। यह राज्य के स्वामित्व वाली इस रेलवे फाइनेंस कंपनी का नौवां डिविडेंड भुगतान है। 2021 में लिस्टिंग के बाद से, आईआरएफसी ने केवल एक बार 1 या उससे ज्यादा का डिविडेंड दिया है, जो उसका लिस्टिंग के बाद पहला डिविडेंड था। 2022 से, आईआरएफसी ने पिछले पांच मौकों पर 0.8 और 0.7 प्रति शेयर के बीच डिविडेंड दिया है। अब तक, आईआरएफसी ने अपने शेयरधारकों को कुल 7.05 प्रति शेयर का डिविडेंड दिया है। आईआरएफसी के शेयर रिकॉर्ड डेट या उससे एक दिन पहले एक्स-डिविडेंड पर ट्रेड करेंगे।

हैदराबाद की कंपनी को मिला 2,129 करोड़ का ठेका

नईदिल्ली, एजेंसी। हैदराबाद की कंपनी एनसीसी लिमिटेड को आंध्र प्रदेश कैपिटल रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी से अमरावती में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट का 2,129.60 करोड़ का ठेका मिला है। इस खबर के बाद एनसीसी के शेयर के लिए लूट मच गई। शुरुआती कारोबार में ही यह 5 पर्सेंट से ऊपर उछलकर कर 208.60 रुपये पर पहुंच गया। इससे पहले बुधवार (19 मार्च) को कंपनी के शेयर 3 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए।

क्या है ठेके में- सीएनबीसी टीवी 18 के मुताबिक यह ठेका 19 मार्च 2025 को जारी किए गए लेटर ऑफ एक्सेप्टेंस के जरिए दिया गया है। इसमें अमरावती कैपिटल सिटी के जोन-12 गांवों में सड़कें, ड्रेनेज सिस्टम, पानी की सप्लाई, सीवेज नेटवर्क, बिजली और आईसीटी के लिए यूटिलिटी डक्ट्स, रीयूज वॉटर लाइन्स और एवेन्यू प्लांटेशन का काम शामिल है। इस प्रोजेक्ट को मेजर ऑर्डर की श्रेणी में रखा गया है और इसे पूरा करने में कुल पांच साल लगेंगे।

● **नेट प्रॉफिट में 12.50 पर्सेंट की गिरावट-** एनसीसी ने 31 दिसंबर 2024 को समाप्त हुए तीसरे क्वार्टर में अपने नेट प्रॉफिट में 12.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की है। कंपनी का नेट प्रॉफिट 193.2 करोड़ रहा। हालांकि, कंपनी का रेवेन्यू 1.6 प्रतिशत बढ़कर 5,344.5 करोड़ हो गया, जो पिछले साल के इसी क्वार्टर में 5,260 करोड़ था।

● **शेयर प्राइस हिस्ट्री-** एनसीसी का 52 हफ्ते का हाई 364.50 रुपये है और लो 170.05 रुपये। आज यह स्टॉक 205 रुपये पर खुला और 208.60 रुपये तक पहुंचे के बाद एक समय 201.65 रुपये पर आ गया। पिछले एक साल में इसके शेयरों में करीब 6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। वहीं, इस साल अबतक इसने 26 पर्सेंट से अधिक का निगेटिव रिटर्न दिया है। पिछले छह महीने में यह करीब 35 पर्सेंट टूटा है।

फेंस कंपनी को डीआरडीओ से मिला 142 करोड़ रुपये का ऑर्डर

नईदिल्ली, एजेंसी। एयरोस्पेस एंड डिफेंस इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। पारस डिफेंस के शेयर गुरुवार को बीएसई में करीब 10 पर्सेंट उछलकर 1046.95 रुपये पर जा पहुंचे हैं। कंपनी के शेयरों में यह तेजी डीआरडीओ से एक ऑर्डर मिलने के बाद आई है। पारस डिफेंस को मिला यह ऑर्डर 142.31 करोड़ रुपये का है। पारस डिफेंस के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 1592.75 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 608.75 रुपये है। पारस डिफेंस के शेयरों में पिछले एक साल में 65 पर्सेंट से अधिक का उछाल देखने को मिला है।

इस काम के लिए पारस डिफेंस को मिला है ऑर्डर- पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज को डीआरडीओ से एक लेजर सोर्स मॉड्यूल के डिवेलपमेंट और मोबाइल प्लेटफॉर्म पर बीम कंट्रोल सिस्टम के साथ इसके इंटीग्रेशन के लिए ऑर्डर मिला है। कंपनी ने बताया है कि यह एंटी-ड्रोन और एंटी-मिसाइड एप्लीकेशंस के लिए एक हाई-पावर लेजर सिस्टम ऑर्डर का हिस्सा है। पारस डिफेंस ने बताया है कि डीआरडीओ से मिले इस ऑर्डर को 24 महीने के भीतर पूरा किया जाना है। पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज के आईपीओ में शेयर का दाम 175 रुपये था। कंपनी का आईपीओ दांव लगाने के लिए 21 सितंबर 2021 को खुला था और यह 23 सितंबर तक ओपन रहा। पारस डिफेंस के शेयर 1 अक्टूबर 2021 को बीएसई में 475 रुपये पर लिस्ट हुए थे। लिस्टिंग वाले दिन ही पारस डिफेंस के शेयर उछाल के साथ 498.75 रुपये पर बंद हुए। पारस डिफेंस का आईपीओ टोटल 304.26 गुना सब्सक्राइब हुआ था। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स का कोटा 112.81 गुना सब्सक्राइब हुआ। वहीं, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स कैटेगरी में 927.7 गुना दांव लगा था।

पहल: लोगों को वित्तीय रूप से जागरुक कर रहे

दो पूर्व बैंकर्स सुशील सरावगी और प्रियंका मोहन

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत में वित्तीय क्षेत्र ने जितनी तेजी से विकास किया है, उतनी तेजी से लोग वित्तीय रूप से जागरुक नहीं हो पाए हैं। बाजार में निवेश के लिए सैकड़ों उत्पाद और उपकरण मौजूद हैं, लेकिन इसका किस प्रकार उपयोग किया जाए, आम निवेशकों में इसे लेकर पर्याप्त जानकारी नहीं है। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए दो पूर्व बैंकर्स सुशील सरावगी और प्रियंका मोहन लोगों को पैसों के बारे में जागरुक बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

बैंकिंग से वित्तीय शिक्षा तक का सफर- बैंकिंग सेक्टर में काम कर चुके सुशील सरावगी और प्रियंका मोहन ने भारत में लोगों को पैसों के बारे में शिक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। बैंकिंग सेक्टर में सालों का अनुभव रखने के बाद उन्हें इस बात का अहसास हुआ कि भारत के लोगों के बीच वित्तीय जागरूकता की भारी कमी है। बाजार में तमाम तरह के फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स तो उपलब्ध थे, लेकिन उन्हें सही तरीके से इस्तेमाल करने का तरीका लोगों को ठीक से पता नहीं था। इसी कमी को दूर करने के लिए उन्होंने अपनी सोच को बैंकिंग से हटाकर वित्तीय शिक्षा की ओर मोड़ लिया।

तकनीक और डेटा का सही इस्तेमाल - सुशील और प्रियंका ने डेटा और तकनीक की ताकत को समझते हुए ऐसे नए प्लेटफॉर्म और टूल्स तैयार किए हैं जो जटिल फाइनेंशियल कॉन्सेप्ट्स को आसान तरीके से समझा सकें। उनका मकसद है कि डेटा एनालिसिस का इस्तेमाल करके खास तरह की फाइनेंशियल शिक्षा सामग्री तैयार की जाए ताकि लोग इन फाइनेंशियल कॉन्सेप्ट्स को अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में लागू कर सके।

निवेशकों को सशक्त बनाने का प्रयास - सुशील और प्रियंका का उद्देश्य सीधा है- लोगों को फाइनेंशियल फैसले लेने के लिए जरूरी जानकारी देना। वे जटिल फाइनेंशियल जानकारियों को छोटे-छोटे आसान हिस्सों में बांटकर लोगों को बचत, निवेश और फाइनेंशियल प्लानिंग के प्रति जागरूक करना चाहते हैं। उनका ये मिशन खासकर उन समुदायों को ध्यान में रखकर बनाया गया है जो फाइनेंशियल जानकारी से वंचित रह जाते हैं।

एक साथ मिलकर शुरू किया सफर

सुशील और प्रियंका की इस साझेदारी का मकसद है लोगों को उनके रोजमर्रा के जीवन में आर्थिक रूप से सशक्त बनाना। उनकी काबिलियत ने मिलकर ऐसी ऊर्जा पैदा की है जो उनके आगे के प्रयासों को बढ़ावा दे रही है। उनका यह प्रयास सिर्फ जानकारी देने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका मकसद लोगों में आर्थिक आत्मनिर्भरता और जिम्मेदारी का भाव पैदा करना है। उनकी मेहनत का असर अब दिखने भी लगा है, क्योंकि उनकी शिक्षण प्रक्रिया से कई लोग लाभान्वित हो रहे हैं। आने वाले वर्षों में सुशील और प्रियंका अपने काम का दायरा बढ़ाने और ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचने के लिए तकनीक का बेहतर इस्तेमाल करने की योजना बना रहे हैं। उनका अंतिम लक्ष्य है कि समाज को वित्तीय रूप से इतना सशक्त बनाया जाए कि हर व्यक्ति के पास अपने फाइनेंशियल लक्ष्यों को हासिल करने के लिए जरूरी जानकारी और संसाधन उपलब्ध हो। ऐसे समय में जब हमारे वित्तीय फैसले हमारे भविष्य को बना सकते हैं या फिर बिगाड़ सकते हैं, सुशील सरावगी और प्रियंका मोहन की ये उपलब्धि वाकई काबिले तारीफ है। उनका बैंकिंग से शिक्षा क्षेत्र में आना इस बात का सबूत है कि उन्होंने समाज के लिए कुछ अलग और बड़ा करने का मजबूत इरादा बनाया था।

आरबीआई ने इंद्रनील भट्टाचार्य को कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गुरुवार को इंद्रनील भट्टाचार्य को कार्यकारी निदेशक (ईडी) नियुक्त किया है। आरबीआई ने एक बयान में कहा कि कार्यकारी निदेशक के रूप में भट्टाचार्य आर्थिक व नीति अनुसंधान विभाग का कार्यभार संभालेंगे। यह नियुक्ति 19 मार्च से प्रभावी होगी। ईडी के रूप में पदोन्नति से पहले, भट्टाचार्य आरबीआई के मौद्रिक नीति विभाग में सलाहकार के रूप में कार्यरत थे। लगभग तीन दशकों की अवधि में, उन्होंने मौद्रिक नीति विभाग, आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग और आरबीआई के अंतर्राष्ट्रीय विभाग में मौद्रिक नीति, राजकोषीय नीति, बैंकिंग और अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंधों के क्षेत्रों में काम किया है। उन्होंने 5 वर्षों (2009-14) तक कतर सेंट्रल बैंक, दोहा, कतर में गवर्नर के तकनीकी कार्यालय में आर्थिक विशेषज्ञ के रूप में भी कार्य किया है। भट्टाचार्य ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि उनकी शोध रुचि मुख्य रूप से मौद्रिक सिद्धांत और नीति, वित्तीय बाजार, बाजार सूक्ष्म संरचना और राजकोषीय नीति में है। केंद्रीय बैंक ने यह फैसला और अमेरिका में ट्रम्प प्रशासन द्वारा लागू की जा रही टैरिफ नीतियों पर अनिश्चितता के बावजूद लिया है। नौ सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति से बैंक की मुख्य ब्याज दर को 4.50 प्रतिशत पर बनाए रखने की उम्मीद है, क्योंकि मुद्रास्फीति लक्ष्य से ऊपर बनी हुई है और आने वाले महीनों में और अधिक बढ़ने वाली है।

बीसीसीआई ने की चैंपियंस ट्रॉफी जीत के पुरस्कार वितरण की घोषणा, 15 खिलाड़ियों और कोच को 3-3 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने आईएएनएस से कहा कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने आईएएनएस को बताया है कि चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीतने वाली टीम इंडिया के लिए घोषित 58 करोड़ रुपये के नकद इनाम में से 15 खिलाड़ियों और मुख्य कोच गौतम गंभीर को 3-3 करोड़ रुपये दिए जाएंगे।रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने इस आठ टीमों के टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने ग्रुप ए में बांग्लादेश, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड को हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया। फिर सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराने के बाद, फाइनल में न्यूजीलैंड को मात देकर 9 मार्च को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में अपनी तीसरी चैंपियंस ट्रॉफी जीती।

इस इनाम की राशि उन खिलाड़ियों को भी मिलेगी जो टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं खेले, जैसे अर्शदीप सिंह, ऋषभ पंत और वाशिंगटन सुंदर। सैकिया ने यह भी बताया कि बाकी कोचिंग स्टाफ - बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक, सहायक कोच अभिषेक नायर और रयान टेन डोशेट, फील्डिंग कोच टी दिलीप, और फिजियोथेरेपिस्ट कमलेश जैन व योगेश परमार, टीम डॉक्टर आदित्य दफ्तरी, थ्रोडाउन विशेषज्ञ राघवेंद्र द्विगी, नुवान उडेनेक और दयानंद गरानी, मसाजर चेतन कुमार, राजीव कुमार और अरुण कानाडे, और कंडीशनिंग कोच सोहम देसाई को 50-50 लाख रुपये मिलेंगे। इसके अलावा, बीसीसीआई से जुड़े अन्य अधिकारी जैसे वीडियो एनालिस्ट हरी प्रसाद मोहन, लायजन ऑफिसर और मीडिया मैनेजर को 25-25 लाख रुपये मिलेंगे। बीसीसीआई सचिव ने बताया कि चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर को 30 लाख रुपये मिलेंगे, जबकि अन्य सदस्य - सुब्रतो बनर्जी, अजय रात्रा, एस शरत और शिव सुंदर दास को 25-25 लाख रुपये दिए जाएंगे। सैकिया ने यह भी बताया कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने विजेता भारतीय टीम को लगभग 19.45 करोड़ रुपये इनाम में दिए, जो केवल खिलाड़ियों में बांटे गए। प्रत्येक खिलाड़ी को 1.43 करोड़ रुपये मिले। सैकिया ने गुरुवार को जारी बीसीसीआई के बयान में कहा, खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को यह इनाम देना हमारे लिए गर्व की बात है। उनकी मेहनत और रणनीतिक खेल की बदौलत भारत विश्व क्रिकेट में शीर्ष पर पहुंचा है। यह जीत सफेद गेंद क्रिकेट में भारत की श्रेष्ठता साबित करती है, और हमें विश्वास है कि टीम आने वाले वर्षों में और ऊंचाइयों को छुएगी। उन्होंने आगे कहा, खिलाड़ियों द्वारा दिखाए गए समर्पण और प्रतिबद्धता ने एक नया मानदंड स्थापित किया है, और हमें विश्वास है कि भारतीय क्रिकेट वैश्विक मंच पर अपना मानक ऊंचा करता रहेगा।

पिछले साल जून में लिया था रिटायरमेंट, भारत की मालदीव पर 3-0 से जीत

संन्यास से वापसी पर सुनील छेत्री का गोल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय फुटबॉलर सुनील छेत्री रिटायरमेंट से वापस लौट आए हैं। उन्होंने बुधवार को एक दोस्ताना मुकाबले में मालदीव के खिलाफ वापसी की। इस मुकाबले में भारत ने मालदीव को 3-0 से हराया। यह 16 महीनों में भारत की पहली जीत है। इससे पहले, भारत को आखिरी जीत 16 नवंबर, 2023 को 2026 फीफा वर्ल्ड कप क्वालिफाइंग राउंड मैच में कुवैत (1-0) के खिलाफ मिली थी। वहीं, मनोलो मार्केज की कोचिंग में टीम ने पहली जीत दर्ज की है। मार्केज को पिछले साल जुलाई में हेड कोच बनाया गया था।

छेत्री ने 77वें मिनट में हेडर से गोल किया मैच में राहुल भेके ने 35वें मिनट में गोल कर भारत को बढ़त दिलाई। जबकि लिस्टन कोलाको ने 66वें मिनट में स्कोर 2-0 कर दिया। पिछले साल जून में संन्यास लेने के बाद नेशनल टीम में वापसी करने वाले 40 साल के छेत्री ने इस दिन को यादगार बना दिया। उन्होंने 77वें मिनट में हेडर से गोल किया, यह भारत के लिए उनका 152 मैचों में 95वां इंटरनेशनल गोल किया है। मालदीव दुनिया में 162वें स्थान पर है, जो भारत (126) से 36 स्थान नीचे है। छेत्री ने पिछले साल जून में लिया था रिटायरमेंट

छेत्री ने इस महीने की शुरुआत में अपने इटरनेशनल संन्यास से वापसी का ऐलान किया था। छेत्री ने पिछले साल जून में कुवैत के खिलाफ फीका वर्ल्ड कप 2026 क्वालिफायर मैच के बाद इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास लिया था। वे अब 25 मार्च से शुरू हो रहे स्रष्ट एशियन कप 2027 के तीसरे राउंड क्वालिफायर में खेलेंगे।

चहल के तलाक के बीच आरजे महवश की पोस्ट वायरल, धनश्री पर साधा निशाना!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और उनकी पत्नी धनश्री वर्मा का आज आधिकारिक तौर पर तलाक होने की जानकारी सामने आई है। इससे पहले आरजे महवश ने 19 मार्च बुधवार की रात को एक रहस्यमयी पोस्ट शेयर की। यह पोस्ट उस समय की है जब लेग स्पिन गेंदबाज को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में आरजे महवश के साथ देखे जाने के बाद सूर्खियां बटौरी थी। आरजे महवश को 34 वर्षीय क्रिकेटर के साथ प्रीमियम स्टैंड में से एक में देखा गया था। आरजे महवश ने इंस्टाग्राम पर हाल ही में पोस्ट किया, झूठ, लालच और फरेब से परे हैं..खुदा का शुक्रिया आज भी खड़े हैं... धनश्री वर्मा से चल रहे तलाक के बीच आरजे महवश के पोस्ट से चहल-धनश्री की स्थिति की ओर इशारा करने का अनुमान लगाया जा रहा है। झूठ, लालच और धोखे का संदर्भ देने वाले हिंदी शब्दों के इस्तेमाल वाली पोस्ट ने सोशल मीडिया पर ध्यान आकर्षित किया। क्रिकेटर ने पोस्ट के ऑनलाइन होते ही इसे लाइक कर दिया जिससे ऑनलाइन चर्चा शुरू हो गई। युजवेंद्र चहल के प्रशंसकों ने पोस्ट पर तुरंत प्रतिक्रिया दी, जिसे 2.73 लाख से ज़्यादा लाइक और कई कमेंट मिले हैं। एक यूजर ने लिखा, चहल ने 10 सेकंड में लाइक किया। दूसरे यूजर ने टिप्पणी की, चहल भाई ने ऑटो लाइक नहीं किया है क्या। तीसरे यूजर ने जवाब दिया, चहल भैया का आईपीएल में कमबैक देखो अब। चौथे यूजर ने कमेंट किया, चहल भाई ने पोस्ट अपलोड होते ही सबसे पहले लाइक किया।

हर आईपीएल सीजन खुद को विकसित करने और बनने का मौका होता है: सुरेश रैना

मुंबई, एजेंसी। शनिवार से शुरू होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18वें सीजन से पहले पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने भारतीय क्रिकेट की प्रतिभाओं को उभारने वाले इस लीग के प्रभाव की सराहना की और लीग में अपने कुछ पसंदीदा आधुनिक सितारों का नाम लिया। आईपीएल का नया सीजन शनिवार को ईडन गार्डन्स में गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबले के साथ शुरू होगा। रैना को लीग के इतिहास के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक माना जाता है जिन्होंने 205 मैचों में एक शतक और 39 अर्द्धशतक के साथ 5,528 रन बनाए हैं जिससे वह प्रतियोगिता में पांचवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। वह चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ कई बार आईपीएल चैंपियन रह चुके हैं। जियोहॉटस्टार पर बोलते हुए रैना ने कहा कि लीग न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में एक उत्सव है। उन्होंने तिलक वर्मा, यशस्वी जायसवाल और रिंकू सिंह जैसी आधुनिक प्रतिभाओं की भी प्रशंसा की और कहा कि वह

उनके प्रशंसक हैं। उन्होंने कहा, हमने बहुत से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा को निखारते और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ते देखा है। भारत ने विश्व कप, चैंपियंस ट्रॉफी, टी20 विश्व कप जीता है और हमने युवा खिलाड़ियों को कप्तान बनते देखा है। रोहित शर्मा, विराट कोहली और लीग से निकले कई तेज गेंदबाज़ों को देखिए।

उन्होंने कहा, आज हमारे पास क्रिकेटरों की एक रोमांचक नई पीढ़ी है। मैं तिलक वर्मा, यशस्वी जायसवाल और रिंकू सिंह का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। हमारे पास अक्षर पटेल के रूप में एक नया कप्तान भी है। युवा खिलाड़ियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वे वर्तमान में बने रहें, अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करें और लगातार अच्छा प्रदर्शन करें। अगर आप एक सीजन में 500 रन बनाते हैं, तो आप अपने देश का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। हर आईपीएल सीजन विकसित होने, ज्यादा निडर बनने और अपनी तकनीक और रवैये को बेहतर बनाने का एक अवसर है। आईपीएल का यही मतलब है- बड़े मौकों पर आगे बढ़ना और अपने खेल को लगातार बेहतर बनाना।

निक किर्गियोस ने 896 दिनों में दर्ज की अपनी पहली जीत

मियामी, एजेंसी। निक किर्गियोस ने मियामी ओपन में अमेरिकी क्वालीफायर मैकेंजी मैकडोनाल्ड को हराकर 2022 के बाद अपना पहला एटीपी टूर मैच जीता। 29 वर्षीय किर्गियोस पिछले 18 महीनों से पैर और कलाई की चोटों से परेशान थे और इस साल की शुरुआत में उन्होंने दोबारा खेलना शुरू किया। कलाई की लगातार तकलीफ के कारण किर्गियोस पिछले दो साल से टेनिस से दूर थे। कुछ हफ्ते पहले इंडियन वेल्स में उन्हें पहले ही दौर में मैच छोड़ना पड़ा था, लेकिन मियामी ओपन में उन्होंने मैकडोनाल्ड को 3-6, 6-3, 6-4 से हराकर शानदार वापसी की। अक्टूबर 2022 में जापान ओपन में दूसरे दौर के मुकाबले के बाद से ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी को जीत नहीं मिली थी और यह अब यह जीत 896 दिनों के बाद आई। कलाई की चोट के चलते किर्गियोस का करियर खतरे में पड़ गया था, लेकिन अब इस जीत को वह अपनी वापसी का सबसे बड़ा पल मानते हैं। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए लंबा सफर रहा है। कई बार तो मैच खेलना भी डराने वाला था कि मैं इसे पूरा कर पाऊंगा या नहीं। लेकिन अब एक जीत हासिल करके यह महसूस करना कि मैं फिर से इस खेल का हिस्सा हूं, बहुत खास अहसास है। अब उनका अगला मुकाबला 22वीं वरीयता प्राप्त करेन खाचानोव से होगा, जिनसे वह 2022 यूएस ओपन के क्वार्टरफाइनल में हार चुके हैं।

टेक्नो और केकेआर की दमदार जोड़ी के साथ अब हर सिग्नल पर जीत पक्की

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट फैंस, तैयार हो जाइए! जोश और नई टेक्नोलॉजी का दूसरा नाम, यानि इनोवेटिव टेक ब्रांड, टेक्नो अब आईपीएल की धाकड़ टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के साथ जुड़ गया है। क्रिकेट और युवाओं के जुनून को सलाम करने के लिए की गई इस धमाकेदार साझेदारी के साथ खेल अब पहले से भी ज्यादा व्यापक और रोमांचक होने वाला है। भारत में क्रिकेट सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि जश्न, जज़्बात और ज़िंदगी का हिस्सा है। टेक्नो हमेशा से ही अपने दमदार और स्टाइलिश स्मार्टफोन्स के ज़रिए फैंस को गेम से जोड़े रखने में आगे रहा है। अब सिग्नल जीत का के साथ, टेक्नो यह सुनिश्चित करेगा कि हर चौका, हर विकेट और हर सुपर ओवर आपके फोन तक बिना किसी रुकावट के पहुँचे। टेक्नो मोबाइल इंडिया के सीईओ, अरिजीत तालापात्रा ने कहा, हम कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ साझेदारी करके बेहद उत्साहित हैं। क्रिकेट सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि एक जज़्बात है, जो लाखों लोगों को जोड़ता है। यह भारत के युवाओं को सशक्त बनाने के टेक्नो के मिशन से पूरी तरह मेल खाता है। सिग्नल जीत का पहल के ज़रिए हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि फैंस हमेशा जुड़े रहें और रोमांचक मैच का कोई भी पल न चूकें। जिस तरह केकेआर मैदान में अपनी जी जान डाल देता है, ठीक उसी प्रकार हम भी अपने ग्राहकों को बेहतरीन टेक्नोलॉजी देने के लिए काम करते हैं, जिससे फैंस हम से और खेल के हर पल के साथ जुड़े रहें। केकेआर का मूलमंत्र कोरबो लोरबो जीतबो टेक्नो के स्टॉप एट नथिंग सिद्धांत से बखूबी मेल खाता है, जो मेहनत, टीमवर्क और क्रिकेट की धड़कन को दर्शाता है। यह साझेदारी भारत के उन युवाओं से जुड़ने की टेक्नो की प्रतिबद्धता को दिखाती है, जो टेक्नोलॉजी और स्पोर्ट्स के लिए खास जुनून रखते हैं।

रियान करेंगे राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी, पहले 3 मैच में बतौर इम्पैक्ट प्लेयर खेलेंगे संजू सैमसन

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के पहले तीन मुकाबलों में रियान पराग राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी करेंगे। असम का यह बल्लेबाज टीम का अस्थायी कप्तान है। नियमित कप्तान संजू सैमसन पहले तीन मुकाबलों में खेलेंगे, लेकिन सिर्फ बतौर बल्लेबाज। वह संभवतः इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में मैदान पर उतरेंगे। संजू सैमसन की ओर से एक अनौपचारिक टीम चैट के दौरान रियान पराग की कप्तानी की खबर का खुलासा किया गया। इसका वीडियो राजस्थान रॉयल्स के सोशल मीडिया हैंडल की ओर से पोस्ट किया गया था। संजू सैमसन ने टीम को संबोधित करते हुए कहा, 'मैं अगले तीन मैचों के लिए अभी पूरी तरह से फिट नहीं हूं।' उन्होंने कहा, 'इस टीम में कई लीडर हैं। पिछले कुछ वर्षों में कुछ बेहतरीन लोग रहे हैं, जिन्होंने इस माहौल का बहुत अच्छे से ख्याल रखा है। अगले तीन मुकाबलों के लिए रियान टीम की कप्तानी करेंगे। मुझे उम्मीद है कि हर कोई उनका समर्थन करेगा और उनके साथ रहेगा।'संजू सैमसन हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टी20 इंटरनेशनल के दौरान लगी अपनी दाहिनी तर्जनी अंगुली की चोट उबरे हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज को इसके लिए सर्जरी करानी पड़ी थी। उन्होंने अपनी रिकवरी में तेजी से प्रगति की है।

हार्दिक ने मानसिक यातना और अपमान सहा, मुंबई के कप्तान की बॉयोपिक में किसका जिक्र होना चाहिए कैफ ने बताया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने 22 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल 2025 से पहले सुझाव दिया कि अगर हार्दिक पंड्या पर कोई बॉयोपिक बनाई जाए तो उसमें इस बात का जिक्र जरूर होना चाहिए कि उन्होंने किस तरह से कड़ी आलोचनाओं से पार पाया और फिर दमदार वापसी की। आईपीएल 2024 से ठीक पहले हार्दिक पंड्या गुजरात टाइटंस को छोड़कर मुंबई इंडियंस में शामिल हो गए थे और रोहित को हटाकर उन्हें टीम का कप्तान बना दिया गया था। इसके बाद उनकी हर जगह जमकर आलोचना की गई और फैंस ने उनका खूब मजाक बनाया।

हार्दिक ने मानसिक तनाव और अपमान सहा

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मुंबई इंडियंस और गुजरात टाइटंस के बीच खेले गए मैच के दौरान मिसफील्ड के कारण हार्दिक को हूटिंग का सामना करना पड़ा था। यही नहीं वो जहां भी जाते थे फैंस उनका जमकर हूटिंग करते थे। कैफ ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में बताया कि हार्दिक ने मानसिक तनाव और अपमान सहा, जिसका सामना किसी भी खिलाड़ी को नहीं करना चाहिए। हालांकि उन्होंने हार्दिक की तारीफ करते हुए कहा कि वो दबाव के आगे नहीं झुके और इसके बजाय शेर की तरह लड़ते हुए सफल वापसी की।

लोगों ने हार्दिक को खत्म मान लिया

कैफ ने कहा कि हार्दिक ने उस दर्द को अपने तक ही सीमित रखा और आगे बढ़ गए। यही हार्दिक पंड्या की वापसी की कहानी है। यह एक बुरा सफर था। प्रशंसकों ने उन्हें हूट किया और लोगों ने उन्हें खत्म मान लिया। एक खिलाड़ी के तौर पर मैं आपको बता सकता हूं, बेइज्जतीज्अपमान के साथ आगे बढ़ना, उसे सहना, सबसे गहरा जख्म होता है। आईपीएल 2024 के बाद हार्दिक पांड्या उस भारतीय टीम का हिस्सा बने जिसने दो आईसीसी खिताब जीते और इससे उनके करियर में बड़ा बदलाव आया। हार्दिक ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 और फिर चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत की जीत में बड़ी भूमिका निभाई।

हार्दिक को मिली मानसिक यातना

कैफ ने कहा कि आप उन्हें टीम से बाहर कर सकते हैं, लेकिन अपमानित होना अच्छा संकेत नहीं था। यह खिलाड़ी के लिए मानसिक यातना साबित होता है। मानसिक यातना- यही हार्दिक के साथ हुआ। इन सबके बावजूद वह टी20 विश्व कप में खेले, जहां उन्होंने फाइनल में हेनरिक क्लासेन को आउट किया। फिर, चैंपियंस ट्रॉफी में उन्होंने एडम जंपा के खिलाफ छक्के लगाए। उन्होंने बल्ले और गेंद से प्रदर्शन किया और शेर की तरह जमकर लड़ाई की। अगर कभी उन पर कोई बायोपिक बनती है तो इसमें जिक्र होना चाहिए कि एक खिलाड़ी किस तरह से सभी बाधाओं से लड़ा, शांत रहा, अपनी ताकत पर भरोसा किया और फिर वापसी की।

कुछ कुछ होता है में

ऐश्वर्या ने इसलिए नहीं किया था काम

ऐश्वर्या राय ने फिल्म करण जौहर की फिल्म कुछ कुछ होता है में काम करने से मना कर दिया था। अब उन्होंने बताया है कि उन्होंने ऐसा क्यों किया था? ऐश्वर्या राय बच्चन का फिल्मी करियर दो दशक लंबा रहा है। उन्होंने अपने करियर के दौरान कई फिल्मों के ऑफर ठुकरा दिए। उन्होंने ये ऑफर अपनी स्टार वाली छवि को देखते हुए ठुकराए थे। जबकि कुछ ऑफर की वजह से उन्हें बहुत शोहरत मिली। करण जौहर ने ऐश्वर्या राय को फिल्म कुछ कुछ होता है फिल्म ऑफर की थी लेकिन ऐश्वर्या ने इसमें काम करने से मना कर दिया। कुछ कुछ होता है फिल्म में ऐश्वर्या राय को रानी मुखर्जी का रोल अदा करने के लिए दिया गया था। फिल्म में रानी मुखर्जी शाहरुख खान की पहली प्यार थीं। लेकिन ऐश्वार्या राय ने इस रोल को करने से मना कर दिया था। इसकी वजह यह थी कि उनको लग रहा था ये रोल लोगों को पसंद नहीं आएगा और इस पर उन्हें बहुत नाकारात्मक प्रतिक्रिया देंगे। उनको लग रहा था कि इस फिल्म में अगर वह यह किरदार अदा करेंगी और इस पर नकारात्मक प्रतिक्रिया आएगी तो उन्हें बुरा लगेगा।

कई लोगों ने रिजेक्ट किया था ये रोल

ऐश्वर्या ने कहा अगर मैं ये फिल्म करती, तो लोग इस पर हंसी उड़ाते कि देखो ऐश्वर्या वही कर रही हैं जो वह मॉडलिंग के दिनों में कर रही थीं। क्या आपको पता है कि अगर मैं कुछ कुछ होता है फिल्म करती तो मेरे फैंस मुझे मार देते। जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि फिल्म में रानी मुखर्जी ने जो रोल किया है वह रोल ट्विंकल खन्ना, उर्मिला मातोंडकर और तब्बू को भी ऑफर किया गया था। इन लोगों ने अलग-अलग वजहों से इसे रिजेक्ट किया था।

तमन्ना भाटिया अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी सजग

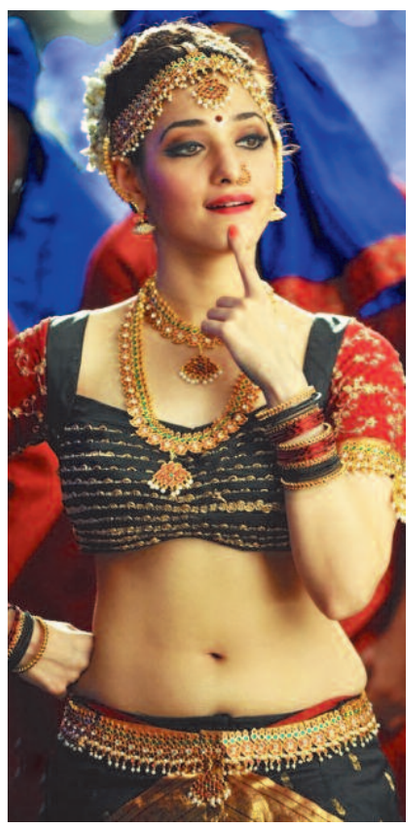

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर लोगों की बढ़ती जिज्ञासा पर बात की। वह जानती हैं कि लोग हमेशा उनके बारे में जानना चाहते हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि वह अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी प्राइवेट हैं और केवल वही शेयर करती हैं, जिसमें वो सहज हैं। जब उनसे पूछा गया कि वह अपने निजता को कैसे बनाए रखती हैं वो भी तब जब लोग उनके बारे में और अधिक जानना चाहते हैं। तमन्ना ने आईएएनएस को बताया, मुझे लोगों से मिलना-जुलना पसंद है। मुझे लोग अच्छे लगते हैं। मुझे हवाई अड्डे पर लोगों से मिलना जुलना अच्छा लगता है, मैं लोगों के साथ तस्वीरें खिंचवाती हूं। मैं ये सब बहुत खुशी से कर रही थी।

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने एक किस्सा भी शेयर किया। उन्होंने बताया कि कैसे एक शख्स उन्हें देखते-देखते थक गया था। अभिनेत्री ने कहा, उसने मुझसे कहा, सुनो, मैं तुम्हें ये करते हुए देखकर थक गया हूं। क्या तुम्हें थकान नहीं होती? मैंने जवाब दिया, सुनो, मैंने ये काम चुना है। मैंने लोगों के बीच रहना चुना है। मैंने एक तरह से लोगों के लिए खुद को चुना है। वह अपनी पसंद से खुश हैं और उन्हें लोग पसंद हैं। मुझे अचानक घटने वाली चीजों से कोई परेशानी नहीं है। अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें अजनबियों से बात करना बहुत पसंद है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि ये एक खास अनुभव होता है, क्योंकि इससे आप ज्यादा गहराई से बातचीत कर पाते हैं। मैं अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी प्राइवेट हूं। जितना मुझे ठीक लगता है, उतना ही मैं शेयर करती हूं। मुझे इस बारे में कोई शिकायत नहीं है।

अमरूद बेचने वाली महिला से प्रेरित हुई प्रियंका चोपड़ा

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा के लिए बुधवार का दिन बहुत प्रेरणादायक रहा। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर बताया कि उनकी मुलाकात सड़क पर अमरूद बेचने वाली एक महिला से हुई, जो ईमानदार थी और उसने चैरिटी लेने से इंकार कर दिया। प्रियंका ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने घटना के बारे में जिक्र किया, जिसमें वह एक अमरूद बेचने वाली महिला या वर्किंग वूमन की ईमानदारी से प्रेरित एक किस्सा सुनाती नजर आई। क्लिप में प्रियंका प्रेरणादायक कहानी सुनाती हुई सुनाई दे रही हैं। अभिनेत्री वीडियो में कहती नजर आई, मैं ऐसा अक्सर नहीं करती, लेकिन आज मैं बहुत प्रेरित हुई। मैं न्यूयॉर्क जाने के लिए मुंबई से विशाखापट्टनम एयरपोर्ट जा रही थी और मैंने इस महिला को अमरूद बेचते हुए देखा। उन्होंने आगे बताया, मुझे अमरूद बहुत पसंद हैं, इसलिए मैंने उसे रोका और पूछा कि सारे अमरूद कितने के हैं और उसने कहा '150 रुपये', तो मैंने उसे 200 रुपये दिए और वह मुझे छुट्टे पैसे देने की कोशिश कर रही थी, तो मैंने कहा आप प्लीज इसे रख लीजिए, मगर उसने ऐसा नहीं किया। प्रियंका ने आगे कहा, वह अमरूद बेचती थी और उसके पास कैश नहीं था, तो उसे लेने के लिए वह थोड़ी देर के लिए कहीं चली गई और लाल बत्ती के हरे होने से पहले (ट्रैफिक खुलने से पहले) वह वापस आ गई और उसने मुझे दो और अमरूद दिए। वह फ्री में पैसे नहीं चाहती थी। वास्तव में मैं इससे बहुत प्रभावित हुई। उन्होंने सेट से कुछ झलकियां, एयरपोर्ट तक की अपनी ड्राइव और एक साइन बोर्ड की तस्वीर के साथ खरीदे गए अमरूदों की तस्वीरें भी शेयर की। तस्वीरों के साथ अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, हाल ही में और साथ में एक दिल वाला इमोजी भी लगाया। आरआरआर फेम एसएस राजामौली के निर्देशन में बनी 'एसएसएमबी29' की बात करें तो इस प्रोजेक्ट में महेश बाबू मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में महेश बाबू की भूमिका भगवान हनुमान से प्रेरित बताई जा रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार यह प्रोजेक्ट 900-1,000 करोड़ रुपये के बड़े बजट में दो भागों में बनकर तैयार होगी।

भारतीय फैंस को रिझाने के लिए पाकिस्तानी एक्ट्रेस ने किया था ये काम, हो गई ट्रोल

हानिया आमिर ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट की है। इस पोस्ट में उन्होंने अपनी तस्वीरें शेयर की है। लोगों ने इस पोस्ट को लेकर हानिया आमिर को ट्रोल किया है। पाकिस्तान की एक्ट्रेस हानिया आमिर के भारत में बहुत फैंस हैं। हानिया आमिर कभी मैं कभी तुम, मेरे हमसफर, दिल रुबा और अना एंड मोर जैसे टीवी शो में नजर आ चुकी हैं। उनके फैंस सिर्फ पाकिस्तान में नहीं बल्कि भारत में भी हैं। हानिया आमिर को पाकिस्तान की आलिया भट्ट बुलाया जता है। यह नाम सुनकर काफी खुश होती हैं। वह इसे अपनी तारीफ समझती हैं।

हानिया ने होली के मौके पर सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर की थीं। इन तस्वीरों में वह बिंदी लगाए हुए नजर आ रही थीं। हानिया आमिर की ये चीज लोगों को पसंद नहीं आई। उन्होंने हानिया को बिंदी लगाने के लिए ट्रोल कर दिया। एक यूजर ने लिखा इस बिंदी की वजह से मैं आपको अनफालो कर रहा हूं। रमजान का महीना है और आप ये पाकिस्तान में कर रही हैं।

एक्शन छोड़ मध्यम वर्गीय परिवार की कहानी लेकर आएंगे सनी देओल, बनेंगे फैमिली मैन

एक के बाद एक एक्शन फिल्म करने के बाद अब सनी देओल एक अलग अंदाज में नजर आने वाले हैं। सनी देओल अपनी अगली फिल्म में कुछ अलग और नया करने जा रहे हैं। जानिए क्या कुछ नया करने जा रहे हैं सनी देओल। अपने एक्शन से दुश्मनों के छक्के छुड़ाने वाले अभिनेता सनी देओल इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'जाट' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। 'जाट' में भी सनी देओल जबरदस्त एक्शन करते नजर आने वाले हैं। फिल्म के टीजर और अभिनेताओं के लुक को देखकर ये मालूम पड़ता है कि फिल्म जबरदस्त एक्शन से भरपूर होने वाली है। सनी देओल लगातार ही एक्शन फिल्म कर रहे हैं, जाट के अलावा वो 'बॉर्डर 2' में भी एक्शन करते दिखेंगे। हालांकि, अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि सनी देओल जल्द ही एक्शन से हटकर एक मध्यम वर्गीय परिवार के व्यक्ति के किरदार में नजर आने वाले हैं।

मध्यम वर्गीय परिवार के व्यक्ति की कहानी दिखाएंगे सनी

एक हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, सनी देओल अब एक्शन से अलग एक फिल्म में सामान्य परिवार के सामान्य व्यक्ति की भूमिका में नजर आएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, 'सफर' नाम की यह फिल्म एक पारिवारिक फिल्म हो सकती है, जिसमें सनी देओल एक्शन से इतर नजर आएंगे। ये भी जानकारी सामने आ रही है कि मेकर्स फिल्म को ओटीटी पर रिलीज करने का विचार बना रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म में कोई एक्शन नहीं है। यह मध्यम आयु वर्ग के पारिवारिक व्यक्ति के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे पता चलता है कि लोगों की मदद करके ही खुशी मिल सकती है और वह जीवन का सही अर्थ सीखता है।

फिल्म को थिएटर की जगह ओटीटी पर रिलीज करने की सोच रहे मेकर्स

रिपोर्ट में बताया गया है कि जब निर्माताओं ने इस फिल्म को लेकर सनी देओल से संपर्क किया तो उन्हें फिल्म की कहानी काफी पसंद आई और उन्होंने तुरंत ही इसके लिए हां कर दी। रिपोर्ट के मुताबिक, मेकर्स फिल्म को थिएटर में रिलीज करने की बजाय, सीधे ओटीटी पर लाने का विचार कर रहे हैं। मेकर्स का मानना है कि एक मध्यम वर्गीय परिवार के इर्द-गिर्द घूमती फिल्म की कहानी को सिनेमाघरों की बजाय ओटीटी पर लाना ज्यादा उचित रहेगा। मेकर्स फिल्म को इस साल के अंत तक रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।

बेटी आशी के म्यूजिक वीडियो के डेब्यू पर इमोशनल हुए पंकज त्रिपाठी

बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में कई अभिनेताओं के बच्चों ने बॉलीवुड डेब्यू किया है। मिर्जापुर फेम अभिनेता पंकज त्रिपाठी की बेटी आशी त्रिपाठी भी एक म्यूजिक वीडियो के जरिए फिल्मी दुनिया से जुड़ गई हैं। आशी ने रंग डारो म्यूजिक वीडियो से अपना डेब्यू किया है। इस गाने को मैनाक भट्टाचार्य और संजना रामनारायण ने गाया है। वहीं अभिनव आर कौशिक ने इसे कंपोज किया है। एक रिपोर्टस के मुताबिक, पंकज त्रिपाठी ने कहा, आशी को स्क्रीन पर देखना हमारे लिए खुशी और गर्व की बात है। उसे हमेशा से कला में रुचि थी और अपने पहले प्रोजेक्ट में उसे इतना अच्छा करते देखना खास है। अगर यह उसका पहला कदम है, तो मैं देखना चाहता हूं कि वह आगे कहां तक जाती है।

चिरंजीवी को ब्रिटिश सरकार से मिला 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड'

मेगास्टार चिरंजीवी को ब्रिटिश सरकार से 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' प्राप्त हुआ है। ऐसा करने वाले वह पहले भारतीय अभिनेता बन चुके हैं। लंदन में यूके की संसद में इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मेगास्टार चिरंजीवी ब्रिटिश सरकार से 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' प्राप्त करने वाले पहले भारतीय सेलिब्रिटी बन गए हैं। अभिनेता को सिनेमा और समाज में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए 19 मार्च 2025 को लंदन में यूके की संसद में इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह विशेष सम्मान अभिनेता के अब तक के सफर और प्रभाव को दर्शाता है। यूके की संसद में चिरंजीवी को मिला यह पुरस्कार भारतीय सिनेमा के लिए गर्व का पल है।

चिरंजीवी को किया गया सम्मानित

ब्राइड इंडिया नामक एक प्रमुख संगठन ने पहली बार चिरंजीवी को 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' से सम्मानित किया है। यह पुरस्कार अभिनेता को सिनेमा, सार्वजनिक सेवा और परोपकार में उनके योगदान के लिए दिया गया। यू.के. लेबर पार्टी के सांसद नवेंदु मिश्रा, सांसद सोजन जोसेफ, बॉब ब्लैकमैन इस सम्मान समारोह का हिस्सा थे। यह सम्मान प्राप्त करने के बाद चिरंजीवी के प्रशंसक पुरस्कार समारोह की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर रहे हैं।

चिरंजीवी को हाल ही में मिले पुरस्कार और सम्मान: साल 2024 में चिरंजीवी को भारत के दूसरे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'पद्म विभूषण' से सम्मानित किया गया। इसी साल अभिनेता का नाम 537 गानों और 156 फिल्मों में 24,000 डांस स्टेप्स के साथ सबसे सफल अभिनेता डांसर के रूप में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ। उन्हें अक्किनेनी इंटरनेशनल फाउंडेशन द्वारा 2024 में एएनआर शताब्दी वर्ष में एएनआर राष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

क्या बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन को डेट कर रही थी ईशा देओल?

बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा देओल ने अपने करियर के शुरुआती दौर में कई कलाकारों के साथ नाम जोड़े जाने पर प्रतिक्रिया दी है। अभिनेत्री ने अजय देवगन के साथ रिश्ते के बारे में भी खुलासा किया है।

अभिनेत्री ईशा देओल इस वक्त अपनी आगामी फिल्म तुमको मेरी कसम के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इसी दौरान उन्होंने अपने करियर के शुरुआती दौर में कई सह-कलाकारों के साथ नाम जोड़े जाने पर प्रतिक्रिया दी है। इसके अलावा उन्होंने अजय देवगन को डेट करने वाली बात पर भी जवाब दिया है। आइए जानते हैं क्या है पूरी खबर।

कुछ बातें सच हो सकती हैं

हाल ही में अभिनेत्री ईशा देओल अपनी आगामी फिल्म तुमको मेरी कसम में व्यस्त हैं। अभिनेत्री ने द क्विंट को दिए इंटरव्यू में कहा कि उनके करियर के शुरुआती दौर में उनका नाम कई सह-कलाकारों के साथ जोड़ा गया था। इसपर उन्होंने कहा कि कुछ बातें सच हो सकती हैं, लेकिन कई पूरी तरह से मनगढ़ंत हैं। अभिनेत्री ने आगे

बातचीत में कहा कि उनका नाम अजय देवगन के साथ भी जोड़ा गया था। हालांकि, उन्होंने कहा कि उन दोनों के बीच आपसी प्रशंसा और सम्मान के अलावा और कोई रिश्ता नहीं है।

अजय देवगन के साथ वह अलग रिश्ता रखती हैं

अभिनेता अजय देवगन के साथ रिश्तों पर बात करते हुए, ईशा देओल ने कहा कि उन दोनों के बीच एक बहुत ही खूबसूरत और अलग रिश्ता है। उनका रिश्ता एक-दूसरे के प्रति प्यार, प्रशंसा और सम्मान से भरा हुआ है। अभिनेत्री ने बताया कि उस समय उन दोनों ने कई फिल्में की थी, इस कारण से भी लोगों ने रिश्तों को लेकर कई कहानियां

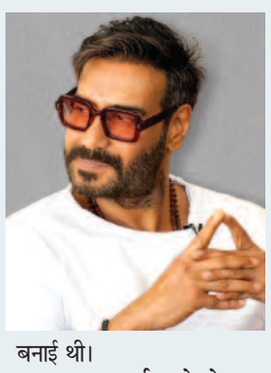

बनाई थी।

एक नजर ईशा देओल की ओर

ईशा देओल बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेन्द्र और अभिनेत्री हेमा मालिनी की बेटी हैं। ईशा ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत साल 2002 से की थी।

उनकी पहली फिल्म थी 'कोई मेरे दिल से पूछे'। पिछले कुछ सालों में अभिनेत्री बड़े परदों पर नहीं नजर आई थीं। अब वह 14 साल के बाद तुमको मेरी कसम फिल्म से वापसी कर रही हैं, जो 21 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली हैं।

साभार एजेंसी